RNI : JHAHIN/2014/54374

राष्ट्रीय मुख्यधारा PRESS PRINT | WEB | VIDEO

हिन्दी दैनिक

Raashtriya Mukhyadhaaraa

राष्ट्रीय मुख्यधारा

राष्ट्रवादी चेतना प्रवर्त्तक

https://rashtriyamukhyadhara.com/

mukhyadhara.daily@gmail.com

+91 8873 319 159

बोकारो, गुरूवार

4.12.2025

पृष्ठ : 12, मूल्य : 2/

वर्ष : 12, अंक : 45

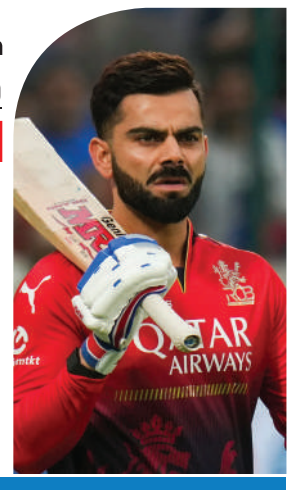

राष्ट्र, राष्ट्रहित और राष्ट्रवाद को सदैव समर्पित: देश से बढ़ कर कुछ भी नहीं !

आज दो दिवसीय यात्रा पर आ रहे पुतिन, 30 घंटे साथ रहेंगे पीएम मोदी और रुसी राष्ट्रपति

एजेंसी। नई दिल्ली

रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन 4-5 दिसंबर 2025 को भारत की आधिकारिक यात्रा पर भारत आ रहे हैं। इस दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और उनके खासमखास दोस्त पुतिन करीब 30 घंटे का समय साथ साथ गुजारेंगे। रूस-यूक्रेन युद्ध शुरू होने के बाद यह उनकी पहली भारत यात्रा होगी। इससे पहले वे दिसंबर 2021 में दिल्ली आए थे। यह दौरा दोनों देशों की रणनीतिक साझेदारी के 25 वर्ष पूरे होने के खास मौके पर हो रहा है और 23वाँ भारत-रूस वार्षिक शिखर सम्मेलन इसी दौरान आयोजित होगा। वैश्विक स्तर पर भू-राजनीतिक तनाव के बीच इस मुलाकात पर पूरी दुनिया की नजरें टिकी हैं। पुतिन का यह दौरा भले दो दिन का है, लेकिन दिल्ली में उनका ठहराव करीब 30 घंटे का होगा। वे 4 दिसंबर की शाम लगभग 6 बजे नई दिल्ली पहुंचेंगे। आगमन के तुरंत बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी उनके साथ निजी डिनर और कुछ अनौपचारिक मुलाकातें करेंगे। अगले दिन यानी 5 दिसंबर की सुबह 9:30 बजे राष्ट्रपति भवन में औपचारिक स्वागत समारोह होगा। इसके बाद पुतिन राजघाट जाकर महात्मा गांधी को श्रद्धांजलि अर्पित करेंगे। फिर हैदराबाद हाउस में दोनों नेताओं के बीच पहले सीमित दायरे की वार्ता और उसके बाद बड़े प्रतिनिधिमंडल स्तर की बातचीत होगी। दोपहर में प्रतिनिधिमंडलों के साथ लंच में कुछ प्रमुख भारतीय उद्योगपति भी शामिल हो सकते हैं। लंच के बाद कई द्विपक्षीय समझौतों और परियोजनाओं की घोषणा की जाएगी, जिसके बाद दोनों नेता मीडिया को संबोधित करेंगे। दोपहर में ही भारत-रूस बिजनेस फोरम का आयोजन होगा जिसमें पुतिन और मोदी दोनों हिस्सा ले सकते हैं। शाम को राष्ट्रपति भवन में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू की ओर से राजकीय भोज होगा। भोज समाप्त होने के बाद रूसी राष्ट्रपति भारत से रवानगी लेंगे।

ऊर्जा, व्यापार, निवेश, अंतरिक्ष पर होगी चर्चा : इस शिखर सम्मेलन में रक्षा, ऊर्जा, व्यापार, निवेश, अंतरिक्ष और परमाणु सहयोग समेत कई क्षेत्रों में अहम समझौते होने की संभावना है। रूसी पक्ष पहले ही संकेत दे चुका है कि अतिरिक्त एस-400 वायु रक्षा रेजीमेंट की डिलीवरी और पांचवीं पीढ़ी के स्टील्थ फाइटर एसयू-57 की भारत को पेशकश पर बात आगे बढ़ सकती है। एसयू-57 के मामले में तकनीक हस्तांतरण और भारत में संयुक्त उत्पादन का प्रस्ताव भी चर्चा में है। इसके अलावा दोनों देश ऊर्जा सुरक्षा, व्यापार असंतुलन को दूर करने, रुपी-रूबल भुगतान व्यवस्था को मजबूत करने और अफगानिस्तान, मध्य एशिया तथा इंडो-पैसिफिक क्षेत्र में समन्वय जैसे मुद्दों पर भी गहन विचार-विमर्श करेंगे। पुतिन-मोदी की यह मुलाकात केवल औपचारिक वार्ता नहीं होगी बल्कि आने वाले वर्षों में भारत-रूस विशेष रणनीतिक साझेदारी की नई दिशा और गति तय करेगी। युद्ध और पश्चिमी प्रतिबंधों के बावजूद दोनों देशों के बीच रक्षा एवं ऊर्जा सहयोग लगातार मजबूत हो रहा है, और यह यात्रा उस साझेदारी को और गहरा करने का बड़ा अवसर है।

4 नवंबर शाम 6 बजे भारत पहुंचेंगे पुतिन : रुसी पुतिन शाम को करीब 6 बजे भारत पहुंचेंगे। आगमन के बाद उनकी कुछ महत्वपूर्ण मीटिंग्स होंगी, जिनमें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ प्राइवेट डिनर और अन्य निजी कार्यक्रम शामिल हैं।

5 नवंबर को होगा स्वागत : पुतिन के लिए 5 नवंबर को सुबह 9:30 बजे राष्ट्रपति भवन के प्रांगण में औपचारिक स्वागत समारोह होगा, इसके बाद राजघाट जाकर श्रद्धांजलि देंगे। सीमित दायरे की वार्ता, फिर हैदराबाद हाउस में द्विपक्षीय तथा प्रतिनिधिमंडल स्तर की बातचीत। और साथ में लंच होगा जिसमे कुछ प्रमुख उद्योगपति भी शामिल हो सकते हैं। हैदराबाद हाउस में समझौतों की घोषणा कर सकते हैं। भारत-रूस बिजनेस फोरम, जिसमें दोनों नेता शामिल हो सकते हैं। राष्ट्रपति की ओर से शाम को राज्य भोज के बाद पुतिन भारत से प्रस्थान करेंगे।

हाई टेक उपकरणों का इस्तेमाल

पुतिन की टॉप सिक्योरिटी पक्का करने के लिए, रूस से चार दर्जन से ज़्यादा अधिकारी पहले ही दिल्ली पहुंच चुके हैं। दिल्ली पुलिस और NSG के अधिकारियों के साथ मिलकर ये अधिकारी हर उस रास्ते को सैनिटाइज कर रहे हैं जहाँ से रूसी राष्ट्रपति का क़ाफ़िला गुज़रेगा। खास ड्रोन यह पक्का करेंगे कि राष्ट्रपति की सुरक्षा के लिए बनाए गए कंट्रोल रूम की नज़र हर समय उनके क़ाफ़िले पर रहे। कई स्नाइपर राष्ट्रपति के आने-जाने के रास्ते को कवर करेंगे। जैमर, AI मॉनिटरिंग और फेशियल रिकग्निशन कैमरे (FRC) पुतिन की सुरक्षा के लिए बड़े पैमाने पर की गई टेक डिप्लॉयमेंट में कुछ इक्विपमेंट हैं।

साइबर अपराधों पर लगाम के लिए संचार साथी ऐप की जरूरत पर केंद्रीय संचार मंत्री ने संसद में दिया जवाब

एजेंसी। नई दिल्ली

साइबर अपराध, मोबाइल चोरी, फर्जी कनेक्शन और डिजिटल फ्रॉड के तेजी से बढ़ते मामलों के बीच संचार साथी ऐप भारत की डिजिटल सुरक्षा के लिए बहुत अहम है। इस एप को लेकर विपक्षी पार्टियों के सवालों पर केंद्र सरकार ने कहा कि संचार साथी न तो जासूसी का माध्यम है और न ही निगरानी का औजार, बल्कि यह नागरिकों को सुरक्षित रखने के लिए तैयार किया गया रियल-टाइम साइबर डिफेंस सिस्टम है। केंद्रीय संचार मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने संसद में आज एक सवाल का जवाब देते हुए कहा कि सरकार ने इसे किसी भी फोन पर अनिवार्य रूप से इंस्टॉल करने का निर्देश नहीं दिया है। यह ऐप अपने आप फोन में सक्रिय नहीं होता और उपयोगकर्ता की अनुमति के बिना कोई डेटा एक्सेस नहीं करता। न यह कॉल सुन सकता है, न रिकॉर्ड कर सकता है, न लोकेशन ट्रैक करता है और न ही मैसेज पढ़ने में सक्षम है। यदि कोई व्यक्ति इसे उपयोग नहीं करना चाहता, तो इसे फोन से हटाया भी जा सकता है। इसे चलाने के लिए उपयोगकर्ता की सहमति, यूजर आईडी और जानकारी आवश्यक है। यदि कोई व्यक्ति इसे नहीं चाहता, तो वह अपने फोन से ऐप को डिलीट भी कर सकता है। सिंधिया ने कहा कि साल 2023 में शुरू हुए संचार साथी पोर्टल और साल 2025 में लॉन्च हुए ऐप ने मोबाइल चोरी, फर्जी मोबाइल कनेक्शन और साइबर फ्रॉड के खिलाफ लड़ाई में क्रांतिकारी बदलाव लाया है। यह ऐप सेंट्रल इक्विपमेंट आइडेंटिटी रजिस्ट्री (सीईआईआर) से जुड़ा है, जिसके जरिए चोरी या गुम हुए मोबाइल को तुरंत ब्लॉक किया जा सकता है और उनकी लोकेशन ट्रेस की जा सकती है। संचार साथी ऐप साल 2023 में शुरू हुए संचार साथी पोर्टल और 2025 में लॉन्च हुए मोबाइल ऐप का अपडेट है। संचार साथी एप को सेंट्रल इक्विपमेंट आइडेंटिटी रजिस्ट्री (सीईआईआर) से जोड़ कर चोरी या गुम हुए मोबाइल का आईएमईआई तुरंत ब्लॉक कर दिया जाएगा और गुम हुए फोन की लोकेशन तुरंत ट्रेस कर लिया जाएगा। सीईआईआर के डेटा के मुताबिक, भारत में हर मिनट लगभग 11 मोबाइल फोन चोरी या गुम हो जाते हैं, यानी प्रतिदिन सवा लाख से ज्यादा और सालाना 50 लाख से अधिक मोबाइल या तो चोरी होते हैं या गुम होते हैं। इतने बड़े पैमाने पर चोरी होने वाले उपकरण बड़ी संख्या में नकली आईएमईआई लगाकर ब्लैक मार्केट में भी बेचे जाते हैं। संचार साथी पूरे साइबर अपराध पर लगाम लगा देगा। दूरसंचार विभाग (डीओटी) के आंकड़ों के मुताबिक, इस ऐप के लॉन्च होने के बाद अब तक 42 लाख से अधिक मोबाइल फोन ब्लॉक किए जा चुके हैं और 26 लाख से अधिक चोरी हुए फोन की लोकेशन ट्रैक की जा चुकी है। यह संख्या साल 2023-24 के मुकाबले चार गुना अधिक है, जो दर्शाता है कि ऐप ने मोबाइल चोरी की रोकथाम और रिकवरी की प्रक्रिया को तेज कर दिया है। इससे आम लोगों को सेकेंड हैंड मोबाइल फोन खरीदने से पहले इसका आईएमईआई का रिकार्ड चेक करने की सहूलियत भी होगी, जिससे चोरी हुए मोबाइल फोन का आम बाजारों में बिकना बहुत हद तक मुश्किल हो जाएगा। इसके अलावा अपराधी बर्नर (आस्थाई) फोन का उपयोग ड्रग तस्करी, मानवीय तस्करी, टेरर फंडिंग और वित्तीय धोखाधड़ी जैसे संगठित अपराधों में भी करते हैं। इस तरीके के इस्तेमाल पर भी संचार साथी के जरिए अब तक 1.43 करोड़ से अधिक फर्जी मोबाइल कनेक्शनों को बंद किया गया है।

संक्षिप्त समाचार

बाबरी जैसी मजिस्द की नींव रखने से रोका तो हाईवे पर होगा मुस्लिमों का नियंत्रण

कोलकाता। पश्चिम बंगाल में सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस के विधायक हुमायूं कबीर ने यह कहकर सियासी पारा चढ़ा दिया कि वह छह दिसंबर को मुर्शिदाबाद जिले में 'बाबरी मस्जिद' से मिलती-जुलती मस्जिद की नींव रखेंगे और चेतावनी दी कि अगर उन्हें रोका गया, तो उस दिन राष्ट्रीय राजमार्ग-34 पर मुस्लिमों का नियंत्रण होगा। बेलडांगा से विधायक कबीर कई महीनों से बागी तेवर अपनाए हुए हैं। उन्होंने हाल ही में एक नया संगठन बनाने की अपनी मंशा भी जाहिर की थी। कबीर ने मंगलवार को मुर्शिदाबाद प्रशासन पर 'आरएसएस एजेंट' के रूप में काम करने का आरोप लगाया। उन्होंने चेतावनी दी कि उनके कार्यक्रम को रोकने की कोशिश नहीं करें, वरना यह आग से खेलने जैसा होगा। राज्य में विधानसभा चुनाव अगले साल की शुरुआत में होने वाले हैं। कबीर ने कहा कि मैंने एक साल पहले कहा था कि मैं बेलडांगा में बाबरी मस्जिद की नींव रखूंगा। आपको दिक्कत क्यों हो रही है? क्या आप बीजेपी के इशारे पर चल रहे हैं? उन्होंने कहा कि अगर उन्हें बाबरी मस्जिद की नींव रखने से रोका गया, तो एनएच-34 उनके नियंत्रण में होगा। उन्होंने राज्य की टीएमसी सरकार पर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के एजेंट के रूप में काम करने का आरोप लगाते हुए कहा कि मैं शांति भंग नहीं करूंगा, लेकिन अगर कोई शांतिपूर्ण कार्यक्रम में बाधा डालता है, तो मैं जवाब देने के लिए तैयार हूं।

मछलीपट्टनम बंदरगाह को दक्षिण भारत से जोड़ने पर विशेष जोरः रेल मंत्री

नई दिल्ली। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बुधवार को आंध्र प्रदेश में जारी रेल कनेक्टिविटी परियोजनाओं, विशेषकर मछलीपट्टनम बंदरगाह से जुड़ी लाइनों की प्रगति पर कहा कि रेपल्ले-बापटल-मछलीपट्टनम रेल अलाइनमेंट अत्यंत महत्वपूर्ण है, क्योंकि यह सीधे मछलीपट्टनम पोर्ट को दक्षिण भारत के विभिन्न राज्यों से जोड़ने में अहम भूमिका निभाएगा। मंत्री ने बताया कि इस परियोजना को उच्च प्राथमिकता दी गई है और इसका डीपीआर तैयारी के चरण में है। रेल मंत्री ने लोकसभा में प्रश्नकाल के दौरान स्पष्ट किया कि मछलीपट्टनम पोर्ट को विजयवाड़ा के माध्यम से जोड़ने वाली रेल कनेक्टिविटी में हाल के वर्षों में उल्लेखनीय सुधार हुआ है। विजयवाड़ा-मछलीपट्टनम डबलिंग कार्य पूरा हो चुका है। विजयवाड़ा-तेनाली थर्ड लाइन का काम जारी है। इसके साथ ही गुडिवाडा-दुग्गिराला रूट का सर्वेक्षण प्रगति पर है। रेपल्ले–बापटल खंड के लिए डीपीआर तैयार किया जा रहा है, जबकि गुडिवाडा–भीमावरम–नरसापुरम खंड की डबलिंग का काम भी पूरा हो चुका है। मंत्री ने रेखांकित किया कि रेलवे बजट में हुई भारी बढ़ोतरी ने आंध्र प्रदेश में बुनियादी ढांचा विकास को नई गति दी है। उन्होंने बताया कि साल 2014 से पहले संयुक्त आंध्र-तेलंगाना राज्य को मिलाकर कुल रेलवे बजट मात्र 886 करोड़ रुपये था, जबकि आज प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में आंध्र प्रदेश को अकेले 9,417 करोड़ रुपये का रेल बजट दिया जा रहा है। रेल मंत्री ने कहा कि बजट में यह अभूतपूर्व वृद्धि आंध्र प्रदेश में रेल परियोजनाओं को तेजी देने के साथ-साथ राज्य के आर्थिक एवं औद्योगिक विकास में महत्वपूर्ण योगदान दे रही है।

दिव्यांगजन के प्रति जागरूक व सक्रिय रहने से सरकार के प्रगतिशील प्रयासों को मिलेगा बलः राष्ट्रपति

एजेंसी। नई दिल्ली

राष्ट्रपति द्रोपदी मुर्मु ने बुधवार को कहा कि सरकार के साथ-साथ समाज को भी दिव्यांगजन के हित में जागरूक और सक्रिय रहना चाहिए। इससे सरकार के प्रगतिशील प्रयासों को बल मिलेगा। राष्ट्रपति ने आज दिव्यांगजन सशक्तिकरण के लिए वर्ष 2025 के राष्ट्रीय पुरस्कार वितरण समारोह में भाग लिया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि दिव्यांगजन संवेदनशीलता और करुणा के पात्र नहीं हैं बल्कि बराबरी के हकदार हैं। हितधारकों का यह कर्तव्य है कि वे सुनिश्चित करें कि समाज और देश की विकास यात्रा में वे समान रूप से भागीदारी कर सकें। उन्होंने कहा कि पिछले दशक के दौरान खेल-कूद के क्षेत्र में हमारे दिव्यांग बेटे-बेटियों ने बहुत तेजी से प्रगति के प्रतिमान स्थापित किए हैं। वर्ष 2012 के पैरालंपिक में भारत को एक पदक प्राप्त हुआ था। समाज और सरकार की सजगता और सक्रियता के परिणाम-स्वरूप वर्ष 2024 के पैरालंपिक हमारे खिलाड़ियों ने 29 पदक प्राप्त किए। राष्ट्रपति ने बताया कि वर्ष 2024 में राष्ट्रपति भवन में एक कैफेटेरिया की शुरुआत की गई। इसे दिव्यांगजन चलाते हैं। वहां जाने वाले लोगों को दिव्यांग लोगों की कार्य-कुशलता और अतिथि-सत्कार का बहुत अच्छा अनुभव होता है। वहां काम करने वाले युवा दिव्यांगजन भी उत्साहित रहते हैं।

पुणे–नासिक रेल लाइन के वैकल्पिक अलाइनमेंट पर केंद्र का बड़ा अपडेट, कई सेक्शनों में डबलिंग पूर्ण, नया डीपीआर तैयार

एजेंसी। नई दिल्ली

रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बुधवार को पुणे-नासिक रेल लाइन के वैकल्पिक अलाइनमेंट पर विस्तृत जानकारी देते हुए कहा कि वैज्ञानिक संस्थानों की तकनीकी आपत्तियों के बाद इस परियोजना के लिए नया मार्ग चुना गया है। उन्होंने बताया कि प्रारंभिक प्रस्तावित अलाइनमेंट नारायणगांव से होकर गुजरता था, जहां जायंट मीटरवेव रेडियो टेलीस्कोप (जीएमआरटी) स्थित है। यह अंतरराष्ट्रीय महत्व की ऑब्जर्वेटरी है, जिसे 31 देश उपयोग करते हैं। विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग और परमाणु ऊर्जा विभाग ने स्पष्ट रूप से कहा कि इसके निकट से रेलवे लाइन गुजरने से वैज्ञानिक गतिविधियों पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ेगा। इसी आधार पर राज्य सरकार और जनप्रतिनिधियों के साथ चर्चा कर वैकल्पिक अलाइनमेंट पर सहमति बनी। लोकसभा में बुधवार को प्रश्नकाल के दौरान रेल मंत्री ने बताया कि नए अलाइनमेंट पर कई महत्वपूर्ण कार्य पूरे हो चुके हैं। नासिक से साईनगर शिर्डी खंड की डबल लाइन का डीपीआर तैयार हो चुका है। साईनगर शिर्डी से पुणतांबा तक की डबलिंग को 240 करोड़ रुपये की स्वीकृति दी जा चुकी है। पुणतांबा से निंबलक तक 80 किलोमीटर डबलिंग पूरी हो चुकी है, जबकि निंबलक से अहिल्यानगर के बीच 6 किलोमीटर हिस्से में डबलिंग का कार्य जारी है। इसके अलावा अहिल्यानगर से पुणे तक 133 किलोमीटर नई डबल लाइन, जिसमें चाकन और चाकन औद्योगिक एस्टेट भी शामिल हैं, उसका डीपीआर 8,970 करोड़ रुपये की लागत से तैयार कर लिया गया है। उन्होंने कहा कि नए अलाइनमेंट में यात्रा समय का अंतर बहुत कम है लेकिन इसके माध्यम से एक प्रमुख सांस्कृतिक एवं धार्मिक स्थल साईनगर शिर्डी को नासिक से सीधी कनेक्टिविटी मिल जाएगी, जो नए रूट को और भी लाभकारी बनाता है। रेल मंत्री ने कहा कि सांसद द्वारा बताए गए किसी भी अतिरिक्त सुझाव या रिपोर्ट का वे अध्ययन करेंगे। सदन में उठे आईआरसीटीसी के एक स्टेशन परिवर्तन से जुड़े मुद्दे पर भी रेल मंत्री ने कहा कि वे स्वयं इसकी जांच कराएंगे और आवश्यक कार्रवाई के बाद संबंधित जानकारी सांसद को उपलब्ध कराई जाएगी।

भावनगर की पैथोलॉजी लैब में भीषण आग, राहत-बचाव में प्रशासन की बड़ी लापरवाही पर उठा सवाल

भावनगर। गुजरात के भावनगर शहर के काला नाला क्षेत्र में स्थित एक पैथोलॉजी लैब में बुधवार को लगी भीषण आग ने प्रशासनिक तैयारियों और सुरक्षा मानकों पर बड़ा सवाल खड़ा कर दिया है। आग लगते ही पूरे इलाके में अफरा-तफरी मच गई और हादसे में कई मरीजों तथा कर्मचारियों को तत्काल बाहर निकालना पड़ा। खिड़की तोड़कर नवजातों को चादर में लपेटकर बाहर निकाला गया। हालांकि किसी जनहानि की सूचना नहीं है। फायर ऑफिसर प्रद्युमनसिंह जाडेजा के अनुसार, आग पैथोलॉजी लैब के बेसमेंट में लगी और धीरे-धीरे पूरी इमारत में फैल गई। दमकलकर्मियों ने अब तक 15–20 लोगों को स्ट्रेचर और सीढ़ियों की मदद से सुरक्षित बाहर निकाला है। उन्होंने बताया कि 50 से अधिक दमकलकर्मियों और 6 फायर ब्रिगेड वाहनों को राहत एवं बचाव कार्य के लिए लगाया गया है। आग पर नियंत्रण पाने के बाद कूलिंग का काम जारी है। फिलहाल दमकल टीमें मौके पर हैं और हालात नियंत्रण में बताए जा रहे हैं। हादसे ने फिर एक बार मेडिकल संस्थानों में सुरक्षा मानकों और सरकारी निगरानी पर सवालिया निशान खड़े कर दिए है।

तीन श्रम कानूनों के खिलाफ कांग्रेस-इंडी गठबंधन का संसद भवन के मकर द्वार पर प्रदर्शन

नई दिल्ली। संसद के शीतकालीन सत्र के तीसरे दिन कार्यवाही शुरू होने से पहले कांग्रेस की अगुवाई में इंडी गठबंधन के नेताओं ने तीन नए श्रम कानूनों के खिलाफ मकर द्वार के पास विरोध प्रदर्शन किया। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे, कांग्रेस संसदीय दल की अध्यक्ष सोनिया गांधी, लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी, कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी, केसी वेणुगोपाल, लोकसभा में कांग्रेस के उपनेता गौरव गोगोई, प्रमोद तिवारी सहित कई दलों के वरिष्ठ नेता प्रदर्शन में शामिल हुए। नेता कतारबद्ध होकर हाथों में पोस्टर और बैनर लिए 'श्रमिकों के हक़ बचाओ', 'कॉपोरेट जंगलराज को ना कहें', 'श्रमिक न्याय हो', 'श्रमिक विरोधी कानून वापस लो' जैसे नारे लगाते रहे। प्रदर्शनकारियों ने श्रम कानूनों को खत्म करने की मांग करते हुए संसद परिसर में जोरदार नारेबाजी की। कांग्रेस और इंडी गठबंधन नए नए श्रम कानूनों पर श्रमिकों के अधिकारों, सुरक्षा और सामाजिक सुरक्षा को कमजोर करने का आरोप लगाते हैं।

प्रधानमंत्री ने पश्चिम बंगाल के भाजपा सांसदों के साथ बैठक की, अभी से चुनावी तैयारी पर जोर

एजेंसी। नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बुधवार को संसद परिसर में पश्चिम बंगाल के भारतीय जनता पार्टी के संसदों के साथ बैठक की। जिसमें उन्होंने राज्य की वर्तमान स्थितियों को देखते हुए पार्टी को जनता के साथ अपने रिश्ते मजबूत बनाने पर जोर दिया। उन्होंने साल 2026 में होने वाले पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव की तैयारियों पर सांसदों से बात की। उन्होंने विस्तृत प्रेज़ेंटेशन्स तैयार करने और पूरी जमीनी तैयारी करने के निर्देश दिए। इसके साथ केंद्र की जनकल्याणकारी योजनाओं के बारे में जनता को बताने के भी निर्देश दिए। प्रधानमंत्री के साथ बैठक के बाद भाजपा सांसद और भाजपा प्रदेश अध्यक्ष शामिक भट्टाचार्य ने बुधवार को मीडिया से बातचीत में कहा कि प्रधानमंत्री ने भाजपा सांसदों के साथ बैठक में आगामी विधानसभा चुनाव के लिए तैयार रहने को कहा। उन्होंने सांसदों का मार्गदर्शन करते हुए कहा कि पार्टी कार्यकर्ताओं को चुनाव की तैयारियों में जुट जाना चाहिए। इसके साथ सांसदों को सोशल मीडिया पर सक्रिय रह कर केंद्र की योजनाओं को जनता तक पहुंचाने के निर्देश दिए। उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री ने सांसद खगेन मुर्मु के स्वास्थ्य के बारे में भी जानकारी ली। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि भाजपा सांसद खगेन मुर्मु पर हुए हमले जैसी घटनाओं को जनता के बीच ठीक से रखें, ताकि लोग समझ सकें कि तृणमूल कांग्रेस की तरफ से किस तरह की हिंसा हो रही है। शामिक भट्टाचार्य ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने सांसदों को अपने क्षेत्रों में विकास कार्यों के साथ-साथ जनभागीदारी बढ़ाने पर भी ध्यान देने को कहा है।

आसियान देशों के लिए तैनात आईसीजी का 'विग्रह' जहाज जकार्ता बंदरगाह पर पहुंचा

एजेंसी। नई दिल्ली

भारतीय तटरक्षक बल (आईसीजी) ने आसियान देशों के लिए अपने जहाज 'विग्रह' को तैनात किया है, जो इस समय जकार्ता पहुंचा है। इंडोनेशिया के इस बंदरगाह पर 05 दिसंबर तक तैनाती के दौरान भारतीय नौसैनिक इंडोनेशियाई समुद्री सुरक्षा एजेंसी के साथ प्रोफेशनल बातचीत, टेबलटॉप एक्सरसाइज, शिपबोर्ड ड्रिल और जॉइंट ट्रेनिंग सेशन सहित कई अन्य तरह की गतिविधियों में हिस्सा लेंगे। आईसीजी के कमांडर अमित उनियाल ने बताया कि जहाज की यह तैनाती पोर्ट कॉल एक्ट ईस्ट पॉलिसी, क्षेत्र में सभी के लिए सुरक्षा और विकास और इंडो-पैसिफिक महासागर पहल के हिसाब से क्षेत्रीय साझेदारों के साथ समुद्री सहयोग बढ़ाने के लिए की गई है। इस यात्रा से क्षेत्र में समुद्री सुरक्षा और पर्यावरण प्रबंधन को बढ़ावा देने में दोनों देशों के तटरक्षक बलों में तालमेल बढ़ेगा। उन्होंने बताया कि भारत-इंडोनेशिया समुद्री साझेदारी के लिए जुलाई, 2020 में एक समझौता किया गया था। यह ऐतिहासिक समझौता समुद्री कानून प्रवर्तन में ऑपरेशनल जुड़ाव और सहयोग का समर्थन करता है। उन्होंने बताया कि इस समुद्री कानून लागू को करने, मिलकर पेट्रोलिंग, सर्च और रेस्क्यू करने, समुद्री प्रदूषण से निपटने, समुद्री सूचनाएं साझा करने के लिए एक ढांचा बनाया गया है। इस समझौते ने दोनों एजेंसियों के बीच लगातार बातचीत को मुमकिन बनाया है, जिससे संयुक्त समुद्री ऑपरेशन के दौरान बेस्ट प्रैक्टिस, प्रोफेशनल ट्रेनिंग और बेहतर इंटरऑपरेबिलिटी का लेन-देन आसान हुआ है। भारतीय तटरक्षक बल के जहाज 'विग्रह' का दौरा इसी मुहिम को जारी रखने का प्रयास है और द्विपक्षीय ढांचे के तहत हुई ठोस प्रगति का प्रदर्शन है। तीन दिन के दौरे के दौरान दोनों देश समुद्री कानून प्रवर्तन, समुद्री प्रदूषण प्रतिक्रिया और समुद्री खोज और बचाव पर ध्यान केंद्रित करेंगे। रवानगी से पूर्व दोनों तटरक्षक बलों के बीच पैसेज एक्सरसाइज परिचालन सामंजस्य, संचार प्रक्रिया और नाविक समन्वय को और बढ़ाएगी। भारत और इंडोनेशिया इंडो-पैसिफिक में समुद्री लोकतंत्र, नियम-आधारित अंतर राष्ट्रीय व्यवस्था का नेतृत्व बनाए रखने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

हिन्दी दैनिक
राष्ट्रीय मुख्यधारा
अख़बार भी, आन्दोलन भी
RNI : JHAHIN/2014/54374

संक्षिप्त समाचार

गोला में डीजल चोरी करने वाला गिरोह गिरफ्तार, कार समेत 175 लीटर डीजल बरामद

गोला– गोला पुलिस ने बीती रात बड़ी कार्रवाई करते हुए तेल चोरी करने वाले सक्रिय गिरोह का भंडाफोड़ किया है। रामगढ़ एसपी अजय कुमार को रात करीब 11:30 बजे गुप्त सूचना मिली कि गोला थाना क्षेत्र में एक अल्टो कार से तेल चोर गिरोह घूम रहा है। सूचना की पुष्टि और कार्रवाई के लिए एसडीपीओ परमेश्वर प्रसाद के नेतृत्व में एक विशेष छापामारी टीम का गठन किया गया। टीम ने हेमतपुर स्थित प्रेम लाइन होटल के पास रिलायंस पेट्रोल पंप के सामने वाहन चेकिंग अभियान शुरू किया। इसी दौरान एक संदिग्ध अल्टो कार (संख्या JH01G 5860) को रोकने का प्रयास किया गया, लेकिन चालक वाहन को तेजी से भगा ले गया। पुलिस ने पीछा कर वाहन को पकड़ लिया। कार में तीन युवक सवार थे, जिसमें गोपी मुंडा (बिंझार अरगड्डा रोड), सागर बेदिया (बड़काचुम्बा) और विजय बेदिया (रेलिगढ़ा) शामिल थे। तलाशी में कार की पिछली सीट व डिक्की से ब्लू रंग के 5 गैलन में लगभग 175 लीटर डीजल बरामद किया गया। वैध दस्तावेज मांगने पर कोई कागजात प्रस्तुत नहीं किए गए। सख्ती से पूछताछ करने पर आरोपियों ने स्वीकार किया कि वे गोला टोल से पहले सड़क किनारे खड़े हाईवा/ट्रकों के टैंकर का लॉक तोड़कर डीजल चोरी करते हैं। आरोपियों ने खुलासा किया कि वे पिछले कई वर्षों से रामगढ़ के कुजू, भुरकुंडा, बरकाकाना, रामगढ़, घाटों तथा हजारीबाग के चरही स्थित लाइन होटलों के पास खड़े वाहनों से डीजल चोरी कर रहे थे। चोरी किया डीजल वे गिद्दी थाना क्षेत्र के बुंडू निवासी ताहिर अंसारी को 70-75 रुपये प्रति लीटर में बेचते थे। तीनों आरोपियों की निशानदेही पर ताहिर अंसारी के घर से चोरी का डीजल, मोबाइल फोन और बिक्री में प्रयुक्त उपकरण भी जब्त किए गए और उसे गिरफ्तार कर लिया गया। इस संबंध में गोला थाना कांड संख्या 130/2025 दिनांक 03-12-2025 के तहत भारतीय न्याय संहिता की धारा 303(02)/317(02)/317(04)/112/3(5) तथा पेट्रोलियम अधिनियम 1934 की धारा 23 के अंतर्गत मामला दर्ज किया गया। सभी आरोपियों को न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया। छापेमारी दल में एसडीपीओ परमेश्वर प्रसाद, पुलिस निरीक्षक पंकज कुमार, थाना प्रभारी अभिषेक कुमार, अवर निरीक्षक अमित कुमार, रोहित कुमार सिंह, सहायक अवर निरीक्षक बहादुर महतो, तहसीन अहमद एवं संजय कुमार गोराई शामिल थे।

'नई चेतना 4.0' जेंडर अभियान के तहत एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन

गोला । ग्रामीण विकास विभाग के निर्देशानुसार पलाश, झारखण्ड स्टेट लाइवलीहुड प्रमोशन सोसाइटी के द्वारा प्रखंड में बुधवार को एक दिवसीय जागरूकता कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में महिला समूह की दीदियों, सामुदायिक कार्यकर्ताओं एवं प्रखंड स्तरीय पदाधिकारियों ने सक्रिय रूप से भाग लिया।कार्यशाला में जेंडर समानता, महिला सशक्तिकरण, लैंगिक भेदभाव उन्मूलन तथा समाज में महिलाओं की भूमिका पर विस्तार से चर्चा की गई। प्रतिभागियों ने समानता एवं जागरूकता को बढ़ावा देने का संकल्प भी लिया।जेंडर अभियान 4.0 के जागरूकता कार्यक्रम के सुचारू संचालन हेतु व्यापक कार्ययोजना तैयार की गई तथा कैलेंडर में निर्धारित दिवस-वार गतिविधियों पर विस्तार से चर्चा की गई। यह अभियान 25 नवम्बर 2025 से 23 दिसंबर 2025 तक संचालित किया जाएगा।अभियान के दौरान जेंडर प्रशिक्षण, रैली, रंगोली प्रतियोगिता, खेल-कूद कार्यक्रम, जेंडर शपथ, तथा 'सांप-सीढ़ी' खेल के माध्यम से लैंगिक समानता की जानकारी सहित अनेक गतिविधियाँ आयोजित की जाएँगी। यह अभियान जिले के सभी प्रखंडों में आयोजित किया जाएगा।कार्यक्रम के अंत में सभी प्रतिभागियों द्वारा जेंडर शपथ ली गई। साथ ही महिला हिंसा की रोकथाम एवं लैंगिक समानता के प्रसार हेतु 'सांप-सीढ़ी' खेल के माध्यम से जागरूकता गतिविधि का संचालन किया गया।इस कार्यक्रम में जिला प्रबंधक सामाजिक विकास सौरभ प्रसाद, प्रखंड कार्यक्रम प्रबंधक बिपिन सिंह, संकुल संगठन समन्वयक, ब्लॉक एंकर पर्सन, बैंक सखी ए

अंतर्राष्ट्रीय दिव्यांग दिवस पर कुकडू हाट तोला में विकलांग संरक्षण समिति का वार्षिक सम्मेलन संपन्न

राष्ट्रीय मुख्यधारा

चांडिल : अंतर्राष्ट्रीय दिव्यांग दिवस के अवसर पर कुकडू हाट तोला में विकलांग संरक्षण समिति द्वारा वार्षिक सम्मेलन का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि आजसू पार्टी के केंद्रीय महासचिव हरे लाल महतो शामिल हुए। साथ ही पूर्व जिला परिषद उपाध्यक्ष सह आजसू केंद्रीय सचिव अशोक साव उर्फ़ माझी साव, समिति के अध्यक्ष अरुनेन्द्र नारायण सिन्हा, पूर्व शिक्षक वैद्यनाथ महतो, आजसू प्रखंड अध्यक्ष अरुण महतो, बादल महतो, सुनील महतो, बांकीम महतो एवं कृष्णा पोद्दार सहित कई गणमान्य लोग उपस्थित थे। इस अवसर पर समिति की ओर से मुख्यमंत्री के नाम अंचलधिकारी के माध्यम से मांगपत्र सौंपा गया।

सम्मेलन को संबोधित करते हुए हरे लाल महतो ने कहा कि दिव्यांगजन समाज का अभिन्न अंग हैं, परंतु झारखंड सरकार द्वारा उन्हें पर्याप्त सम्मान एवं सुविधाएँ उपलब्ध नहीं कराई जा रही हैं, जो अत्यंत निराशाजनक है। उन्होंने कहा कि एक सामान्य व्यक्ति की तुलना में दिव्यांगजन अधिक संरक्षण और सुविधाओं के हकदार हैं। महतो ने उपस्थित दिव्यांगों से आग्रह किया कि वे स्वयं को कभी भी अक्षम न समझें, क्योंकि मजबूत इच्छाशक्ति और दृढ़ संकल्प से वे समाज में बड़ा परिवर्तन ला सकते हैं। उन्होंने राज्य सरकार से दिव्यांगजन पेंशन को बढ़ाकर प्रतिमाह 5,000 रुपये किए जाने की मांग भी रखी।

मौके पर अशोक साव उर्फ़ माझी साव ने कहा कि दिव्यांगजन समाज की ताकत हैं और उनका संरक्षण करना हम सभी का दायित्व है। उन्होंने कहा कि बेसहारा एवं जरूरतमंद लोगों का सम्मान करना मानवता का मूल आधार है और हमें यह स्वीकार करना होगा कि दिव्यांगजन हमारे समाज का महत्वपूर्ण हिस्सा हैं।

500 दिव्यांगों के बीच कंबल वितरण– अंतर्राष्ट्रीय दिव्यांग दिवस के उपलक्ष्य में कुकडू में हरे लाल महतो द्वारा करीब 500 दिव्यांगजनों को कंबल वितरित किए गए। बढ़ती ठंड को देखते हुए उन्होंने निजी स्तर से कंबल उपलब्ध कराए। उन्होंने कहा कि ठंड के मौसम में दिव्यांगजन सबसे अधिक कठिनाइयों का सामना करते हैं, इसलिए उन्हें राहत प्रदान करने के उद्देश्य से कंबल वितरण किया गया।

चांडिल डैम में भारतीय मेजर का 39.5 व गेलास्कप 11.50 लाख मत्स्य अंगूलिका छोड़ा गया

राष्ट्रीय मुख्यधारा

चांडिल : तालाब तथा जलशय मत्स्य विकास जिम्मेदार योजना अंतर्गत सरायकेला खरसावां जिला के विभिन्न जलशायों में मत्स्य अंगूलिका का संचायन किया जा रहा है। जिसके तहत सरायकेला खरसावां जिला में कुल भारतीय मेजरकार (रुहु, कातला व मृगल) का 55 लाख व गेलास्कप का 15 लाख का टारगेट था। मत्स्य प्रसार पदाधिकारी, सरायकेला खरसावां राजकुमार तुरी ने बताया कि जिले के अलग अलग जलशय जैसे राजनगर के गोरा जलाशय, गम्हरिया में सीतारामपुर , सतनाला, पानला एवं चांडिल डैम में किया गया। इस योजना के तहत चांडिल डैम में रुहु, कातला व मृगल 39.5 लाख तथा गेलास्कप 11.50 लाख का संचयण किया गया। उन्होंने कहा कि नीमडीह प्रखंड क्षेत्र में मत्स्यजीवी सहकारी समिति को पुर्नजीवित कर संचयण काम शुरू किया जायेगा। श्री तुरी ने कहा कि सरकार जलाशयों में मत्स्य पालन के माध्यम से किसानों का आर्थिक जीवन स्तर ऊंचा करने का प्रयास कर रही है। इस अवसर पर विभिन्न मत्स्यजीवी समिति के पदाधिकारी वासुदेव आदित्यदेव, सरदीप लायक, नारायण गोप, श्यामल मार्डी, भजन गोप आदि उपस्थित थे।

हाथियों ने खेत में लगे फसलों को रौंदा,किसानों में दहशत

राष्ट्रीय मुख्यधारा

गोला: गोला प्रखंड क्षेत्र में इन दिनों लगभग एक सप्ताह पूर्व से जंगली हाथियों का झुंड रकुवा व हेसापोड़ा पंचायत में डेरा डाले हुए हैं। एक सप्ताह तक तो किन्हीं किसानों को हाथियों द्वारा नुकसान नहीं पहुंचाया गया था। लेकिन बीती रात को हाथियों के झुंड ने रकुवा पंचायत के रकुवा व लिपिया गांव में जमकर उत्पात मचाया। इसकी सूचना सुबह होते ही घटना की जानकारी पंचायत की मुखिया पिंकी देवी को भुक्तभोगी किसानों ने दी। सूचना पाकर मुखिया ने घटना का जायजा लिया। इस संबंध में मुखिया पति सह पूर्व मुखिया सुरेश कुमार रजक ने बताया कि 40-45 की संख्या में हांथी हैं। इतनी बड़ी संख्या में हांथी होने के कारण उक्त दोनों गांव के सैकड़ो किसानों के फसल को नुकसान पहुंचाया गया है। मुखिया पति सह पूर्व मुखिया सुरेश कुमार रजक ने बताया कि दो लोगों के अल्बेस्टर शीट का घर, सिंचाई के लिए लगाए गए समरसेबल मशीन के पाइप को क्षतिग्रस्त कर दिया। वहीं गंगाराम महतो, शंकर महतो, खेलू महतो, धनुलाल महतो, प्रदीप कुमार महतो, उपाशी कुमारी, रानी कुमारी, रामधन मांझी, महेंद्र टुडू, पंचमी देवी, चंदरु महतो सहित सैकड़ों किसानों के खेतों में लगे धान, आलु, बैंगन, गोभी, मटर, गाजर आदि फसलों को जमकर खाते हुए रौंदकर बर्बाद कर दिया। जिससे किसान काफी मायूस नजर आ रहे हैं। मुखिया प्रतिनिधि ने सभी किसानों को क्षतिपूर्ति मुआवजा के लिए वन विभाग कार्यालय में आवेदन जमा करने की बात कही है। उन्होंने वन विभाग के अधिकारियों पर आरोप लगाते हुए कहां है कि पिछले वर्ष फसल क्षतिपूर्ति मुआवजा भुगतान के लिए आवेदन जमा देने के बाद भी अभी तक किसानों को मुआवजा भुगतान नहीं किया गया है। वनकर्मी निलेश पोद्दार ने बताया कि झुंड में छोटे बड़े 25 हांथी शामिल हैं।

भारत को जानो क्विज प्रतियोगिता में चिन्मय विद्यालय, बोकारो को राज्य स्तर पर मिला प्रथम स्थान

राष्ट्रीय मुख्यधारा

बोकारो : चिन्मय विद्यालय, बोकारो के विद्यार्थियों ने एक बार फिर अपनी शैक्षणिक उत्कृष्टता का प्रदर्शन करते हुए जिले का नाम रोशन किया है। भारत विकास परिषद द्वारा आयोजित भारत को जानो क्विज प्रतियोगिता के उत्तर झारखंड क्षेत्र स्तर पर विद्यालय के छात्रों ने जूनियर श्रेणी में पहला स्थान हासिल किया है। इस गौरवपूर्ण उपलब्धि के साथ अब चिन्मय विद्यालय के ये मेधावी विद्यार्थी प्रतियोगिता के अगले चरण के लिए 7 दिसंबर को राउरकेला में आयोजित होने वाली क्विज प्रतियोगिता में भाग लेंगे। विद्यार्थियों को इस सफलता के लिए तैयार करने में अंग्रेजी विभाग के विभागाध्यक्ष श्री शुभ्रता गुप्ता ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। इस प्रतियोगिता के जूनियर श्रेणी में आदर्श राज चौहान और शाश्वत महतो ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। जबकि, सीनियर श्रेणी में कुणाल आनंद और उत्कर्ष को सांत्वना पुरस्कार मिला। उल्लेखनीय है कि इन सभी विद्यार्थियों ने इससे पहले जिला स्तर की क्विज प्रतियोगिता में भी दोनों श्रेणियों में प्रथम स्थान प्राप्त किया था। विद्यार्थियों की इस सफलता पर चिन्मय विद्यालय, बोकारो के सचिव महेश त्रिपाठी और प्राचार्य सूरज शर्मा ने सभी को हार्दिक बधाई दी। सचिव श्री त्रिपाठी ने इसे विद्यार्थियों के दृढ़ संकल्प और परिश्रम का फल बताया और कहा कि मेहनत और लगन से सफलता अवश्य मिलती है। जबकि, प्राचार्य श्री शर्मा ने विद्यार्थियों को अगले चरण के लिए प्रेरित करते हुए विश्वास व्यक्त किया कि चिन्मय विद्यालय, बोकारो भारत को जानो क्विज के राष्ट्रीय स्तर तक पहुंचेगा और प्रथम स्थान हासिल करेगा।

ईचागढ़ में बिजली बिल का बड़ा मामला: दो एलईडी बल्ब जलाने वाले परिवार पर 77,373 का बकाया

ग्रामीणों में आक्रोश

राष्ट्रीय मुख्यधारा

चांडिल : ईचागढ़ प्रखंड अंतर्गत चिमटियां पंचायत के तमारी गांव निवासी सुधीर प्रमाणिक और उनकी पत्नी दोखोय्यो देवी पर बिजली विभाग ने 77,373.95 का बकाया बिल थमा दिया है। हैरानी की बात यह है कि इनके घर में सिर्फ दो एलईडी बल्ब ही जलते हैं, वह भी केवल रात के समय। ऐसे में एक साल में इतना बड़ा बिल कैसे बना—यह ग्रामीणों के बीच चर्चा और गुस्से का विषय बन गया है।

परिवार का कहना है कि अचानक आए इस भारी-भरकम बिल को देखकर उनकी तबीयत बिगड़ गई। सुधीर प्रमाणिक व उनकी पत्नी दो दिन से सदमे में हैं और ठीक से सो भी नहीं पा रहे हैं। खुद को संभालने की स्थिति में नहीं थे, तभी विस्थापित नेता राकेश रंजन महतो मौके पर पहुंचे और उन्हें ढांढस बंधाया।

राकेश रंजन महतो ने विभाग और सरकार पर गंभीर सवाल उठाते हुए कहा—

"जब झारखंड सरकार ने 200 यूनिट तक बिजली बिल माफ कर रखा है, तो फिर यह 77 हजार का बिल कैसे? अगर इस सदमे में किसी को हार्ट अटैक हो जाता है, या जान-माल की क्षति होती है, तो इसकी जिम्मेदारी कौन लेगा?"

उन्होंने आगे कहा कि इस तरह के मनमाने बिल भेजकर गरीब परिवारों को मानसिक प्रताड़ना दी जा रही है। चुनाव से पहले सरकार द्वारा किए गए "बिजली बिल माफी" के दावे पर भी उन्होंने सवाल खड़े किए।

मामले को लेकर ग्रामीणों में भी आक्रोश है। लोगों का कहना है कि विभागीय लापरवाही अगर समय पर नहीं पकड़ी गई तो गरीब परिवार आर्थिक रूप से टूट जाएंगे। स्थानीय लोगों ने बिल की जांच कर सही रीडिंग के आधार पर सुधार करने की मांग की है।

विधायक ने सुनी जनता की समस्याएं,निदान का दिया आश्वासन

बच्चों के बीच गर्म कपड़ा का वितरण

राष्ट्रीय मुख्यधारा

गोला: प्रखंड परिसर में समाज कल्याण एवं बाल विकास विभाग के द्वारा बढ़ती ठंड को देखते हुए आंगनबाड़ी में पढ़ने वाले बच्चों के लिए आंगनबाड़ी सेविकाओं के बीच स्वेटर का वितरण रामगढ़ विधायक ममता देवी के द्वारा किया गया।इस दौरान दर्जनों के बीच विधायक ने स्वेटर का वितरण किया।इस दौरान विधायक ने बच्चों के साथ घुलमिलकर हंसी-मजाक करती रहीं और कई बच्चों को स्नेह व प्यार करते दिखी।मौके पर प्रखंड विकास पदाधिकारी सुधा वर्मा, अंचल अधिकारी सीताराम महतो, सीडीपीओ रीना गुप्ता, सुपरवाइजर विमला कुमारी,संतोष सोनी, परमेश्वर महथा, गौरी शंकर महतो, गुलाम अंसारी, तस्लीम अंसारी, सहित विभागीय पदाधिकारी, प्रखंड के प्रतिनिधि,

झुमरा, लुगू और ऊपरघाट में पुलिस की ऐतिहासिक कार्रवाई के बाद माओवादी आतंक से मुक्त हुआ

राष्ट्रीय मुख्यधारा, कुमार संजय

दो बड़ी मुठभेड़ों में शीर्ष नक्सली ढेर, दो दशक के आतंक का हुआ अंत

बोकारो थर्मल : बोकारो जिला ने एक ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल की है। वर्ष 2025 में जिला पुलिस और सुरक्षाबलों द्वारा की गई दो निर्णायक मुठभेड़ों (एनकाउंटर) के बाद झुमरा, लुगू पहाड़ और नावाडीह प्रखंड के ऊपरघाट जैसे माओवादी प्रभाव वाले क्षेत्रों से भाकपा माओवादियों का वर्चस्व और जनाधार लगभग समाप्त हो गया है। दो दशक से अधिक समय से इन क्षेत्रों में कायम भय और दहशत के युग का अंत हो चुका है।

2025 में निर्णायक रहा पुलिस का अभियान–बोकारो पुलिस के लिए वर्ष 2025 उपलब्धियों भरा रहा। पुलिस कप्तान मनोज स्वर्गियारी के कार्यकाल और कुशल नेतृत्व में माओवादियों के खिलाफ दो बड़े ऑपरेशन किए गए। अप्रैल 2025 में पुलिस और सीआरपीएफ के जवानों के साथ लुगू पहाड़ पर हुई निर्णायक मुठभेड़ में सुरक्षाबलों को बड़ी सफलता मिली। इस कार्रवाई में एक करोड़ के इनामी और केंद्रीय कमेटी सदस्य प्रयाग मांझी उर्फ करण सहित कई शीर्ष नक्सलियों को मार गिराया गया। मारे गए अन्य प्रमुख इनामी नक्सलियों में 25 लाख के इनामी अरविंद यादव, 25 लाख के इनामी साहेब राम मांझी उर्फ राहुल के अलावा महेश खोरा, तालो, रंजू, महेश मोटा और रंजू का पति गंगाराम के नाम शामिल रहे।

इसके पूर्व, 29 जनवरी को नावाडीह प्रखंड के ऊपरघाट में हुई मुठभेड़ में पुलिस ने अरविंद यादव की पत्नी शांति को मार गिराया था, साथ ही दो अन्य नक्सलियों को गिरफ्तार किया गया था। हालांकि, इस दौरान अरविंद यादव और साहेबराम भागने में सफल रहे थे, जिन्हें बाद में लुगू मुठभेड़ में मार गिराया गया।

अन्य महत्वपूर्ण गिरफ्तारियां और सफाये–इन बड़ी मुठभेड़ों से पहले और बाद में भी पुलिस ने माओवादियों की कमर तोड़ी है। पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर धनबाद स्थित एक अस्पताल से कैंसर का इलाज करवा रही 25 लाख की इनामी महिला नक्सली जया दी को गिरफ्तार किया था। चंद्रपुरा से 15 लाख के इनामी रणविजय महतो को गिरफ्तार किया गया था।

सितंबर 2025 में सुरक्षा बलों ने हजारीबाग के गोरहर जंगल में झुमरा पहाड़ और पारसनाथ के बचे हुए आखिरी तीन नक्सलियों- एक करोड़ के इनामी रामदेव सोरेन उर्फ अनुज, 25 लाख के इनामी चंचल दा और 10 लाख के इनामी बिरसेन को भी मार गिराया। गोरहर मुठभेड़ के बाद झुमरा, लुगू, नावाडीह का ऊपरघाट तथा पारसनाथ का इलाका पूरी तरह से भाकपा माओवादियों से मुक्त हो गया है।

दो दशक के आतंक और संगठन का इतिहास–वर्ष 2000 के दशक में इन दोनों ही क्षेत्रों में पहले एमसीसी का वर्चस्व कायम था। वे संगठन, जनाधार विस्तार और लेवी वसूलने के कार्यों में लगे रहते थे, जिससे संगठन को आर्थिक रूप से मजबूती मिलती थी। इनके घटक दल जैसे क्रांतिकारी किसान कमिटी और नारी मुक्ति मंच भी प्रत्यक्ष रूप से सक्रिय थे।

राज्य के प्रथम ऊर्जा मंत्री लालचंद महतो के प्रयास और बोकारो जिला की तत्कालीन महिला पुलिस कप्तान तदाशा मिश्रा के कार्यकाल में पहली बार नावाडीह स्थित भूषण हाई स्कूल प्रांगण में 37 एमसीसी उग्रवादियों ने सरकार की पुनर्वास नीति के तहत आत्मसमर्पण किया था। बाद में 21 सितंबर 2004 को एमसीसी और पीपुल्स वार के विलय के बाद भाकपा माओवादी अस्तित्व में आया।

भाकपा माओवादियों ने लगभग बीस वर्षों तक इन दोनों क्षेत्रों में आतंक का तांडव मचाया, जिसमें उन्होंने पुलिस मुखबिर का आरोप लगाकर दर्जनों निर्दोषों की हत्या कर दी। भय और दहशत का आतंक कायम कर विकास कार्यों, कोयला के अवैध कारोबारियों और क्रशर मालिकों से जबरन लेवी वसूली जाती थी। इस संघर्ष में झुमरा, लुगू, सीसीएल के खासमहल, नया बस्ती और ऊपरघाट के क्षेत्रों में पचासों पुलिस कर्मियों, पैरा मिलिट्री के जवानों एवं अधिकारियों को शहादत देनी पड़ी थी।

नक्सली ठिकाने खाली, केवल दो कैंप शेष–दो दशक तक कायम भय और आतंक की समाप्ति के बाद आज दोनों ही इलाके नक्सल मुक्त हैं। यही कारण है कि अब सिर्फ झुमरा एवं रहावन में ही सीआरपीएफ के कैंप रह गए हैं और बाकी स्थानों के कैंपों को हटा लिया गया है।

बेरमो के एसडीपीओ वशिष्ठ नारायण सिंह ने पूरे मामले पर टिप्पणी करते हुए कहा कि वर्ष 2025 बोकारो एवं बेरमो पुलिस के लिए नक्सल-विरोधी अभियानों के मामले में काफी उपलब्धियों भरा रहा और पुलिस ने तीन मुठभेड़ों में उक्त तीनों इलाके के सभी नक्सलियों को मार गिराया। उन्होंने पुष्टि की कि अब तीनों इलाका पूरी तरह से नक्सलियों से मुक्त है।

हिन्दी दैनिक
राष्ट्रीय मुख्यधारा
RNI : JHAHIN/2014/54374
अख़बार भी, आन्दोलन भी

संक्षिप्त समाचार

बगदा में दिव्यांग जन मिलन समारोह का आयोजन

कसमार (बोकारो) : विश्व दिव्यांग दिवस के मौके पर रविवार को कसमार प्रखंड के बगदा स्थित नवनिर्मित तपोभूमि परिसर (मानव पुनर्वास संघ) में दिव्यांग जन मिलन समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में आसपास के कई गांवों से पहुंचे दिव्यांग व्यक्तियों, अभिभावकों और सामाजिक कार्यकर्ताओं ने हिस्सा लिया। बैठक में सबसे पहले क्षेत्र में रहने वाले सभी दिव्यांगजनों की सूची तैयार करने और उन्हें एक प्लेटफॉर्म पर जोड़ने के लिए घर-घर सर्वे अभियान चलाने का निर्णय लिया गया। इसके अतिरिक्त दिव्यांग छात्रों के लिए शैक्षिक एवं सांस्कृतिक विकास केंद्र सह डिजिटल लाइब्रेरी स्थापित करने को लेकर भी विस्तृत चर्चा की गई। आयोजकों के अनुसार इस केंद्र में दिव्यांग बच्चों को भारतीय संस्कृति एवं मानवीय मूल्यों पर आधारित निःशुल्क शिक्षा उपलब्ध करायी जाएगी, जबकि सामान्य बच्चों के लिए डिजिटल लाइब्रेरी और अध्ययन सुविधा तैयार की जाएगी। बैठक में यह भी सुनिश्चित किया गया कि तपोभूमि परिसर में समय-समय पर योग अभ्यास, व्यायाम, स्वास्थ्य परीक्षण शिविर, तथा बुजुर्गों, महिलाओं और बच्चों के लिए विशेष मेडिकल एवं जागरूकता कार्यक्रम संचालित किए जाएंगे, ताकि उनका सर्वांगीण विकास हो सके। समारोह में कपिलेश्वर नायक, शिवम् जयसवाल, देवीलाल टुडू, अशोक महतो, भानु महतो, कीर्तन करमाली, तेजू महतो, टिंकू महतो आदि मौजूद थे।

सादगी और त्याग की प्रतिमूर्ति देश के प्रथम राष्ट्रपति डॉ. राजेंद्र प्रसाद को बोकारो ने किया नमन

बोकारो : देशरत्न, भारत के प्रथम राष्ट्रपति डॉ. राजेंद्र प्रसाद की 141वीं जयंती के अवसर पर बुधवार को बोकारो में श्रद्धा और सम्मान के साथ उन्हें याद किया गया। बोकारो स्टील के प्रशासनिक भवन के समक्ष स्थित राजेंद्र चौक पर डॉ. राजेंद्र विचार मंच द्वारा एक भव्य एवं विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस समारोह में जिले की कई प्रमुख हस्तियों और शीर्ष अधिकारियों ने भाग लेकर राजेंद्र बाबू की प्रतिमा पर पुष्पांजलि दी और माल्यार्पण अर्पित किया। इनमें मुख्य अतिथि विधायक श्रीमती श्वेता सिंह, विशिष्ट अतिथि उपायुक्त अजय नाथ झा एवं बोकारो स्टील प्लांट (बीएसएल) के अधिशासी निदेशक (संकार्य) प्रिय रंजन, अधिशासी निदेशक (माइंस) विकास मनवटी, अधिशासी निदेशक (सामग्री प्रबंधन) सी आर मिश्रा, अधिशासी निदेशक (परियोजनाएं) अनीष सेनगुप्ता, अधिशासी निदेशक (चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवाएं) डॉ बी बी करुणामय ने भी उन्हें श्रद्धा सुमन अर्पित किए। इनके अलावा, जिले के सभी जिला स्तरीय पदाधिकारियों ने भी माल्यार्पण कर देश के प्रथम राष्ट्रपति को श्रद्धांजलि अर्पित की। इनमें निदेशक डीपीएलआर श्रीमती मेनका, अपर समाहर्ता मो. मुमताज अंसारी और चास की अनुमंडल पदाधिकारी चास सुश्री प्रांजल ढांडा प्रमुख रूप से शामिल रहीं।

राजेंद्र बाबू के मूल्यों को आत्मसात करने का आह्वान-इस मौके पर उपस्थित जनसमूह को संबोधित करते हुए विधायक श्रीमती श्वेता सिंह ने कहा कि देशरत्न डॉ. राजेंद्र प्रसाद के प्रति हमारी सच्ची श्रद्धांजलि यही होगी कि हम उनके जीवन के उच्च मूल्यों और आदर्शों को अपने जीवन में आत्मसात करें। वहीं, उपायुक्त अजय नाथ झा ने अपने संबोधन में एक महत्वपूर्ण सुझाव दिया। उन्होंने कहा कि महान विभूतियों की जयंती पर केवल पुष्पांजलि अर्पित करने के बजाय उनके जीवन मूल्यों एवं आदर्शों पर आधारित एक परिचर्चा या संगोष्ठी का भी विशेष तौर पर आयोजन किया जाना चाहिए। कार्यक्रम में जिला प्रशासन और बीएसएल प्रबंधन के अधिकारी-कर्मी एवं समिति के सदस्य गण उपस्थित थे।

पी एम श्री +2 उच्च विद्यालय, कसमार में मना डॉ. राजेंद्र प्रसाद का जन्म दिवस

बोकारो : पी एम श्री +2 उच्च विद्यालय, कसमार में भारत के प्रथम राष्ट्रपति डॉ. राजेंद्र प्रसाद का अवतरण दिवस श्रद्धा और सम्मान के साथ मनाया गया। प्रधानाध्यापक फारुक अंसारी के निर्देशानुसार कोयल सदन प्रार्थना सभा में आयोजित इस समारोह में शिक्षकों और विद्यार्थियों ने उनकी छायाचित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी। ईको क्लब के नोडल शिक्षक महाकांत झा ने डॉ. प्रसाद के कुशल नेतृत्व, व्यक्तित्व और महान योगदान से विद्यार्थियों को अवगत कराया। वरिष्ठ शिक्षक रामबाबू शुक्ल ने उनके सादे जीवन की महत्ता को रेखांकित करते हुए बताया कि राष्ट्रपति रहते हुए वे अपने वेतन का आधा हिस्सा ही लेते थे, जिसे बाद में घटाकर उन्होंने एक चौथाई कर दिया था। विद्यालय अन्वेषण परिषद के संयोजक डॉ. अवनीश कुमार झा ने प्रेसिडेंसी कॉलेज, कलकत्ता के उस प्राध्यापक के कथन को दोहराया, जिसमें उन्होंने डॉ. प्रसाद की विद्वता को लेकर कहा था कि परीक्षार्थी परीक्षक से ज्यादा जानकार है। इतिहास शिक्षक अमित कुमार ने स्वतंत्रता संग्राम में उनकी भूमिका पर प्रकाश डाला और उनके जीवन को अनुकरणीय बताया।

भोपाल गैस त्रासदी दिवस पर सामूहिक प्रार्थना-इसी के साथ, विद्यालय में भोपाल गैस त्रासदी दिवस भी मनाया गया। ईको क्लब के वरीय शिक्षक महाकांत झा के नेतृत्व में विद्यालय परिवार ने सामूहिक प्रार्थना कर सन 1984 में मिथाइल आइसोसाइनेट के रिसाव से हताहत हुए हजारों लोगों की आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की। इस विषय पर ईको क्लब टीम द्वारा एक क्विज प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया। इसके अलावा, प्राचार्य के नेतृत्व में विद्यालय अन्वेषण परिषद की बैठक आयोजित कर इस महीने विद्यालय अन्वेषण प्रतियोगिता आयोजित करने का भी निर्णय लिया गया।

ठेका मजदूरों के शोषण के खिलाफ जनता मजदूर सभा की गेट मीटिंग

बोकारो : बोकारो स्टील प्लांट (बीएसएल) प्रबंधन की कथित गलत नीतियों और ठेका मजदूरों के शोषण के खिलाफ जनता मजदूर सभा ने बुधवार को मनसा सिंह गेट पर गेट मीटिंग का आयोजन किया। मीटिंग को संबोधित करते हुए साधु शरण गोप ने आरोप लगाया कि बीएसएल प्रबंधन की गलत नीतियां ही ठेका मजदूरों, बीएसएल मजदूरों एवं विस्थापितों के शोषण के लिए स्थितियां पैदा कर रही हैं। उन्होंने घोषणा की कि बीएसएल के खिलाफ आगामी 14 दिसंबर को एडीएम पर एक विराट आम सभा होगी, जिसे माननीय सांसद ढुलू महतो संबोधित करेंगे। साधु शरण गोप ने कहा कि अपनी मांगों के लिए लंबे संघर्ष की आवश्यकता है और आमसभा में श्रमदान हड़ताल की तिथि की घोषणा की जाएगी। श्रमदान हड़ताल आंदोलन के तरीके में एक महत्वपूर्ण बदलाव है। इस दौरान मजदूर काम बंद नहीं करेंगे, बल्कि अपनी ड्यूटी के बाद अतिरिक्त 8 घंटे काम करेंगे, यानी प्लांट में रुकेंगे। इस नए तरीके को अपनाने का कारण बताते हुए उन्होंने कहा कि सामान्य हड़ताल से बीएसएल मजदूर वेतन कटौती से प्रभावित होते हैं और ठेका मजदूरों को मनमानी छंटनी का डर सताता है। मजदूरों की यही कमजोरी प्रबंधन को निडर बना देती है।

ज़ेवियर्स बोकारो में नए छात्र परिषद् का शपथ ग्रहण

राष्ट्रीय मुख्यधारा

बोकारो : सेंट जेवियर स्कूल में बुधवार को नए छात्र परिषद् और विभिन्न क्लबों के अध्यक्ष एवं उपाध्यक्षों का शपथ ग्रहण समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम में प्रधानाचार्य फादर अरुण मिंज ने सभी निर्वाचित पदाधिकारियों को पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई।

कार्यक्रम के दौरान विद्यालय के कप्तान श्रेयश आदित्य ने अपने अंतिम आधिकारिक संबोधन में अपने अनुभव साझा करते हुए कार्यकाल के दौरान मिली चुनौतियों और सीख पर प्रकाश डाला। इसके बाद नव-निर्वाचित कप्तान रौनक ठाकुर और उप कप्तान अनुष्का दत्ता ने शपथ ग्रहण किया। अन्य विभिन्न क्लबों के अध्यक्ष, उपाध्यक्ष और सदस्यों ने भी शपथ ली।

दसवीं बोर्ड परीक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने पर आईसीएसई की ओर से अनन्या कुमारी, सनल कुमार, ऋषि राज, सात्विक कुमार, मुकुंद कुमार, रौनक ठाकुर, आयुष्मान मोदक, अनिंद्या सेन, शैक्लेन इक़बाल और भावना झा को सम्मानित किया गया। इसके अलावा ग्यारहवीं के छात्र अद्वितीय को लगातार 11 वर्षों तक विद्यालय में अनुपस्थित न रहने के लिए इंटरनेशनल बुक ऑफ रिकॉर्ड्स, अमृतसर द्वारा प्रशस्ति पत्र प्रदान किया गया।

कार्यक्रम का संचालन रिशॉन मार्टिस ने किया तथा धन्यवाद ज्ञापन समृद्धि ने प्रस्तुत किया। इस मौके पर फादर निर्मल, फादर मनोज, उप-प्रधानाचार्य और शिक्षकगण सहित अभिभावक उपस्थित रहे। प्रधानाचार्य फादर अरुण मिंज ने पूर्व छात्र परिषद् द्वारा किए गए कार्यों की सराहना करते हुए श्रेयश आदित्य और अंश जॉय को उनकी नेतृत्व क्षमता और प्रभावी संचार कौशल के लिए शुभकामनाएं दीं। समारोह का समापन जेवियर एंथम के साथ हुआ।

शिकायतों के समाधान के लिए बोकारो जिला प्रशासन ने ई-जनसेतु पोर्टल किया लॉन्च

राष्ट्रीय मुख्यधारा

बोकारो : जिला प्रशासन ने जनता की शिकायतों के निवारण के प्रति अपनी गंभीरता दिखाते हुए एक महत्वपूर्ण कदम उठाया है। राज्य स्थापना दिवस के अवसर पर ई-जनसेतु सेवा पोर्टल का विधिवत आरंभ किया गया है। बोकारो के उपायुक्त अजय नाथ झा ने कहा कि इस पोर्टल के माध्यम से अब कोई भी शिकायतकर्ता घर बैठे लॉगिन करके अपनी शिकायतें सीधे जिला प्रशासन के पास दर्ज करा सकता है। प्रशासन ने इन शिकायतों के निपटारे के लिए अधिकतम 21 दिन की समय सीमा निर्धारित की है। इस सेवा का मुख्य उद्देश्य शिकायतकर्ता को बार-बार सरकारी कार्यालयों या जिला पदाधिकारियों के चक्कर लगाने की परेशानी से मुक्ति दिलाना है।

पोर्टल की कार्यप्रणाली- शिकायतकर्ता ई-जनसेतु.इन पर जाकर अपना संक्षिप्त परिचय दर्ज करने के बाद शिकायत दर्ज कर सकते हैं। शिकायत दर्ज करते समय मोबाइल नंबर पर एक ओटीपी आएगा, जिसके द्वारा सत्यापन किया जा सकता है। प्रत्येक शिकायत के विरुद्ध एक टिकट आईडी जेनरेट होगा, जिसके माध्यम से शिकायतकर्ता अपने निवारण की स्थिति की जानकारी ले सकते हैं। सबसे अच्छी बात यह है कि शिकायतकर्ता निवारण के संदर्भ में अपना फीडबैक दर्ज कर सकते हैं और संबंधित कार्यालय को रेटिंग दे सकते हैं। पोर्टल की कार्यप्रणाली को विस्तृत रूप से समझाने के लिए आज अनुमंडल पदाधिकारी चास प्रांजल ढाढा की अध्यक्षता में ऑनलाइन माध्यम से एक कार्यशाला का आयोजन भी किया गया, जिसमें पावर पॉइंट प्रेजेंटेशन के माध्यम से इसकी विधि समझाई गई।

विज्ञान मंथन में तीन छात्र क्वालीफाई

राष्ट्रीय मुख्यधारा

बोकारो : डीएवी पब्लिक स्कूल सेक्टर–4 के तीन विद्यार्थियों ने राष्ट्रीय स्तर की प्रतिष्ठित प्रतियोगिता 'विज्ञान मंथन' में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए थर्ड लेवल स्टेट राउंड में प्रवेश किया है। क्वालीफाई करने वाले विद्यार्थियों में अंश सिन्हा (कक्षा 10), आरिज़ हुसैन (कक्षा 8) और स्पर्धा सिन्हा (कक्षा 6) शामिल हैं। इस उपलब्धि से विद्यालय के साथ-साथ शहर का नाम भी गौरवान्वित हुआ है।

विज्ञान मंथन देशभर में आयोजित एक प्रमुख विज्ञान प्रतिभा खोज प्रतियोगिता है, जिसका उद्देश्य छात्रों में वैज्ञानिक दृष्टिकोण, शोध भावना और नवाचार को बढ़ावा देना है। स्टेट लेवल तक पहुँचना विद्यार्थियों के लिए भविष्य में विज्ञान और अनुसंधान के क्षेत्र में महत्वपूर्ण अवसर प्रदान करता है।

विद्यालय प्राचार्य एसके मिश्रा ने इस उपलब्धि पर प्रसन्नता व्यक्त की और कहा कि यह सफलता विद्यार्थियों की लगन, निरंतर अभ्यास और शिक्षकों के मार्गदर्शन का परिणाम है। उन्होंने उम्मीद जताई कि आगामी चरण में भी तीनों छात्र उत्कृष्ट प्रदर्शन कर विद्यालय और शहर का नाम और ऊँचा करेंगे।

विद्यालय परिवार ने अंश सिन्हा, आरिज़ हुसैन और स्पर्धा सिन्हा को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की है।

रूरल हेल्थ प्रैक्टिशनरों को मच्छर जनित रोग पर दिया गया प्रशिक्षण

राष्ट्रीय मुख्यधारा

कसमार (बोकारो) : कसमार स्थित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के सभागार में बुधवार को प्रखंड के रूरल हेल्थ प्रैक्टिशनरों को मच्छर जनित रोग विषय पर प्रशिक्षण दिया गया। चिकित्सा पदाधिकारी डॉ बिपिन प्रसाद ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की। प्रशिक्षण को संबोधित करते हुए डॉ बिपिन प्रसाद ने वेक्टर जनित रोग के विषय में आवश्यक जानकारी दी। जिला भीबीडी सलाहकार डॉ आशीष ने मलेरिया बीमारी के विषय में जानकारी देते हुए बताया कि मलेरिया एक बुखार है, जो मादा एनिफिलिज मच्छर के काटने से होता है। उन्होंने इसके लक्षण एवं बचाव के विषय में आवश्यक जानकारी दी। पिरामल संस्था के जिला प्रतिनिधि बसंत कुमार एवं एमटीएस शैलेश ठाकुर ने मलेरिया, फाइलेरिया, डेंगू, कालाजार, जापानीज इंसेफेलाइटिस आदि बीमारियों के विषय में बताया एवं उपस्थित सभी रूरल हेल्थ प्रेक्टिशनर से सहयोग करने का अनुरोध किया। कार्यक्रम में जिला भीबीडी लिपिक अनिल हैंसा, एमपीडब्ल्यू अविनाश रंजन, स्वास्थ्य कर्मी संतोष महतो, सुजय कुमार मुखर्जी, साजिद अली, रमेश वर्मा, कविता टैगोर, रोशन कुमार, धर्मनाथ मेहता आदि मौजूद थे।

कसमार थाना में मिलन समारोह में शांति व्यवस्था दुरुस्त रखने का लिया संकल्प

राष्ट्रीय मुख्यधारा

कसमार (बोकारो) : कसमार थाना प्रभारी कुंदन कुमार ने बुधवार को कसमार थाना परिसर में प्रखंड क्षेत्र के जन प्रतिनिधि, समाजसेवी व गणमान्य लोगों के साथ

मिलन समारोह का आयोजन किया। इस समारोह में प्रखंड प्रमुख नियोति दे, जिला परिषद सदस्य अमरदीप महाराज, विधायक प्रतिनिधि शेरे आलम, प्रखंड बीस सूत्री कमिटी अध्यक्ष दिलीप हेंब्रम व नव पदस्थापित थाना प्रभारी कुंदन कुमार मुख्य रूप से उपस्थित थे।

इस दौरान उपस्थित सभी प्रतिनिधियों ने नए थाना प्रभारी को थाना क्षेत्र में विधि व्यवस्था व शांति व्यवस्था दुरुस्त रखने के लिए आपसी सहयोग की परंपरा को आगे बढ़ाने का संकल्प लिया। इस दौरान प्रमुख ने कहा कि निवर्तमान थाना प्रभारी भजनलाल महतो ने जिस तरह से बेहतरीन कार्य से जनता के साथ पुलिस के रिश्ते को मजबूत किया, उसी तरह नए थाना प्रभारी कुंदन कुमार भी बेहतर प्रशासन की परिकल्पना को स्थापित करें। इस दौरान सभी ने कहा कि कसमार प्रखंड हमेशा शांतिप्रिय रहा है। इसमें प्रशासन ने जो सक्रिय भूमिका निभाई है, वह हमेशा बरकरार रहेगा। गांव व पंचायत में जो भी छोटे बड़े मामले आएंगे, वह थाना आने से पूर्व पंचायतों में ही निपटारा हो, यह सबसे अहम है।

थाना प्रभारी कुंदन कुमार ने कहा कि अपराध नियंत्रण की दिशा में बेहतर कार्य के लिए जनता व जनप्रतिनिधियों का सहयोग जरूरी है। उन्होंने क्षेत्र में अमन चैन व शांति के लिए परस्पर सहयोग की बात कही। मौके पर पुलिस अधिकारी सत्येंद्र सिंह, रंजीत कुमार सिंह, रोजिद आलम, सुंदर हेंब्रम, मुंशी राकेश सिंह, मुखिया अमरेश महतो, ममता कुमारी, राजेंद्र महतो, पंसस बिनोद कुमार महतो, मंजू देवी, प्रिया देवी, दिलीप कुमार महतो, इंद्रजीत पांडेय, जगेश्वर मुर्मू, मुखिया प्रतिनिधि धनलाल कपरदार, समाजसेवी संतोष कुमार गुप्ता, सुभाष ठाकुर, हरेंद्र महतो, नंदन कपरदार, वीरेन्द्र नाथ मुंडा, भुनेश्वर महतो, महावीर महतो, समरेश कपरदार, भोला स्वर्णकार, राजेश महतो, वीरेन्द्र ठाकुर, सोहेल अंसारी, बबलु अंसारी, धनंजय स्वर्णकार, सपन सिंह, नसरूल होदा व अन्य लोग मौजूद थे। समारोह का संचालन शकुर अंसारी ने किया।

सादगी, सेवा और त्याग की प्रतिमूर्ति डॉ. राजेंद्र प्रसाद को दी गई श्रद्धांजलि

राष्ट्रीय मुख्यधारा

बोकारो : भारतीय संविधान के निर्माण में अहम भूमिका निभाने वाले भारत रत्न और देश के प्रथम राष्ट्रपति डॉ. राजेंद्र प्रसाद की जयंती पर तुपकाडीह के सरकारी और निजी स्कूलों में उन्हें भावपूर्वक श्रद्धांजलि दी गई। मां सरस्वती विद्या मंदिर, विस्थापित विकास पब्लिक स्कूल, किड्स आइलैंड, शिशु विद्या मंदिर, श्रमिक हाई स्कूल, उषा एकेडमी, जीए पब्लिक स्कूल और बालिका हाई स्कूल सहित कई विद्यालयों में शिक्षकों ने डॉ. प्रसाद की जीवनी पर प्रकाश डाला। उन्होंने विद्यार्थियों को उनके सादगी, सेवा और त्याग के मार्ग पर चलने का आह्वान किया। इस अवसर पर प्राचार्य कामदेव महतो, अर्जुन महतो, सर्वेश दुबे, सृष्टिधर महतो, ओमकार अग्रवाल, राजेंद्र पांडेय, बीके सिंह, दीपक चौबे, मनोज अग्रवाल, नरेश कुमार समेत कई शिक्षक और अभिभावक उपस्थित थे।

बोकारो इस्पात डॉ. राजेंद्र प्रसाद की देन है : धर्मवीर

राष्ट्रीय मुख्यधारा

बोकारो : भारत रत्न और देश के प्रथम राष्ट्रपति डॉ. राजेंद्र प्रसाद की प्रतिमा पर करणी सेना के झारखंड प्रदेश अध्यक्ष एवं राष्ट्र भक्त समाज के केन्द्रीय अध्यक्ष धर्मवीर सिंह के नेतृत्व में दर्जनों लोगों ने माल्यार्पण कर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। इस अवसर पर धर्मवीर सिंह ने डॉ. राजेंद्र प्रसाद के महान योगदानों को याद किया। उन्होंने कहा कि भारत की आजादी और राष्ट्र उत्थान में राजेंद्र बाबू ने अग्रणी भूमिका निभाई। उन्होंने उस किस्से का जिक्र किया, जिसमें परीक्षक ने लिखित रूप से कहा था कि परीक्षार्थी परीक्षक से ज्यादा जानकार है। श्री धर्मवीर सिंह ने बताया कि राष्ट्रपति रहते हुए उन्होंने सरदार पटेल के साथ मिलकर महान सोमनाथ मंदिर का जीर्णोद्धार कराया और उसका उद्घाटन भी किया। उन्होंने एक महत्वपूर्ण तथ्य सामने रखते हुए कहा कि अखंड बिहार एवं झारखंड क्षेत्र के समग्र विकास के लिए डॉ. राजेंद्र प्रसाद ने ही बोकारो इस्पात संयंत्र को यहां स्थापित करवाया, जबकि उस समय इस उद्योग को अन्यत्र लगाए जाने की योजना थी। उन्होंने युवाओं को डॉ. राजेंद्र प्रसाद के सादगीपूर्ण जीवन से प्रेरणा लेने का आह्वान किया, जिन्होंने अपना पूरा जीवन सादगी से जिया और अपने वेतन का अधिकांश हिस्सा दान कर देते थे। माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि देने वालों में प्रमुख रूप से धर्मवीर सिंह, गोपाल सिंह, सुजीत सिंह, उमेश कुमार, टुनटुन सिंह, मृत्युंजय नाथ चौधरी, संतोष सिंह, मुकेश सिंह, संतोष राज सिंह, सहित अन्य लोग उपस्थित थे।

दांतू में किसानों के बीच शत प्रतिशत अनुदान पर चना का हुआ वितरण

राष्ट्रीय मुख्यधारा

कसमार (बोकारो) : कसमार प्रखंड के दांतू पंचायत सचिवालय में कृषि विभाग की ओर से किसानों के बीच शत प्रतिशत अनुदान पर चना का वितरण किया। इस अवसर पर सांसद प्रतिनिधि बानेश्वर महतो, मुखिया चन्द्रशेखर नायक, बीटीएम अरुण कुमार के हाथों सभी किसानों को कृषि विभाग से उपलब्ध चना का बीज उपलब्ध कराया गया। इस दौरान किसानों को संबोधित करते हुए मुखिया चन्द्रशेखर नायक एवं बीटीएम अरुण कुमार कहा कि क्षेत्र के किसान चना की खेती कर अच्छी आमदनी कर सकते हैं। बताया गया कि चना की खेती में ज्यादा मेहनत नहीं करनी पड़ती है। एटीएम कुलदीप कुमार ने बताया कि क्षेत्र के किसानों को उत्तम किस्म के चना का बीज का वितरण मुफ्त में किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि चना को किसान कच्चे में ही बाजार में बेच देते हैं, जिससे वह बीज नहीं रख पाते हैं। उन्होंने सभी से अपील करते हुए चने का बीज अपने घरों में अगले साल के लिए भी रखे। मौके पर दांतू पैक्स अध्यक्ष ब्रजकिशोर नायक, कृषक मित्र राजेंद्र सिंह, अतुल रंजन, राजकुमार राज, सुनीता देवी, वार्ड सदस्य संजय कुमार दसौंधी, धर्मनाथ नायक सहित अन्य लोग मौजूद थे।

हिन्दी दैनिक
राष्ट्रीय मुख्यधारा
अख़बार भी, आन्दोलन भी
RNI : JHAHIN/2014/54374

संक्षिप्त समाचार

अधीक्षण अभियंता से मिला पंचायत प्रतिनिधियों का प्रतिनिधिमंडल, वाटर ट्रीटमेंट प्लांट से जलापूर्ति शुरू करने की है मांग

बलियापुर (धनबाद): पंचायत प्रतिनिधियों का प्रतिनिधिमंडल बुधवार को विद्युत विभाग के अधीक्षण अभियंता एसके कश्यप से मिला। बलियापुर क्षेत्र के मेगा ग्रामीण जलापूर्ति योजना फेस टू के कुसमाटांड़ स्थित वॉटर ट्रीटमेंट प्लांट में खराब ट्रांसफार्मर को बदलने की मांग करते हुए ज्ञापन सौंपा। प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व कर रही प्रमुख पिंकी देवी ने अधीक्षण अभियंता को बताया कि ट्रांसफार्मर की कीमती पार्ट्स पुर्जे चोरी होने के बाद करीब 10 दिन से यहां जलापूर्ति बाधित है। दो दर्जन से भी अधिक गांव में जलापूर्ति नहीं हो रही है।

अधीक्षण अभियंता ने तीन दिनों के अंदर वॉटर ट्रीटमेंट प्लांट में विद्युत ट्रांसफार्मर लगाने का आश्वासन दिया। मालूम हो कि बलियापुर ग्रामीण जलापूर्ति योजना के फेस 1 एवं फेस 2 के वॉटर ट्रीटमेंट प्लांट से जलापूर्ति बंद रहने से 68 गांव के लाखों लोग पानी के लिए तरसने को विवश हैं। योजना के फेस 2 के वाटर ट्रीटमेंट प्लांट का विद्युत ट्रांसफार्मर नहीं रहने तथा योजना के फेस वन के शीतलपुर स्थित वाटर ट्रीटमेंट प्लांट के कर्मियों को 9 महीना से वेतन नहीं मिलने के कारण सभी कर्मियों ने हड़ताल कर दिया है। जिससे फेस 1 के 41 गांव में भी जलापूर्ति बंद है।

कला निकेतन ने मनाया अपना 43वाँ स्थापना दिवस, राष्ट्रीय व अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर सांस्कृतिक क्षेत्रों में सम्मानित

भूली (धनबाद): भूली की सांस्कृतिक एवं सामाजिक संस्था कला निकेतन बुधवार को अपना 43वाँ स्थापना दिवस, कला निकेतन रंगशाला में दीप प्रज्वलन कर मनाया। कला निकेतन की स्थापना 3 दिसंबर 1982 को संस्थापक / निर्देशक बशिष्ठ प्रसाद सिन्हा के द्वारा किया गया। संस्था तब से आज निरंतर सांस्कृतिक एवं सामाजिक क्षेत्रों में कार्य करती आ रही है। झारखंड की अग्रणी संस्था कला निकेतन राष्ट्रीय व अंतर्राष्ट्रीय स्तर की सांस्कृतिक प्रतियोगिताओं में दर्जनों नहीं बल्कि सैंकड़ों अवार्ड प्राप्त किया। जहाँ कलाकारों को निःशुल्क प्रशिक्षण देकर राष्ट्रीय मंच पर प्रदर्शन के लिए तैयार कराया जाता है। कला निकेतन के कलाकार राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय दिल्ली, नाट्य विद्यालय भोपाल, श्रीराम दिल्ली एवं नाट्य विद्यालय सिक्किम से कुछ कलाकार पासआउट हुए हैं तो कुछ कलाकार अध्ययनरत हैं।

नाट्य क्षेत्र में कार्य करते रहने के कारण 2016 में कला निकेतन को झारखंड सरकार ने झारखंड कला सम्मान से भी सम्मानित किया है। संस्था सदस्य एवं कलाकारों में नूतन सिन्हा, प्रदीप प्रसाद, नित्या सहाय, सौरभ कुमार, आकाश सहाय, रंजीत मिश्रा, धर्मवीर कुमार, क्रान पासवान, अनुराधा श्रीवास्तव, रिया कुमारी, सतीश पासवान, प्रेम कुमार, निशांत कुमार , सुमित कुमार आदि उपस्थित थे।

प्रबंधन के साथ वार्ता में भट्ठा मजदूरों के वेतन बढ़ोत्तरी पर बनी सहमति

बलियापुर (धनबाद): हार्डकॉक भट्ठा मजदूरो की समस्याओं को लेकर बुधवार को वार्ता हुई। मेट्रो हार्डकोक भट्ठा परिसर में मजदूरों के प्रतिनिधि दिलीप मुखर्जी ने हार्डकोक भट्ठा प्रबंधन के साथ वार्ता की। मजदूरों के वेतन बढ़ोतरी सहित अन्य विभिन्न समस्याओं पर चर्चा किया गया।

इस दौरान अकुशल श्रमिकों अब 446 रुपए के बदले 455 रुपए, अर्द्ध कुशल के लिए 455 से 461 रुपए , भट्ठा मिस्त्री एवं फायरमैन को 541 के बदले 554 रुपए मजदूरी भुगतान करने पर सहमति बनी। 2025 अप्रैल महीने से एरियर के साथ वेतन भुगतान करने का निर्णय लिया गया। वार्ता में मेट्रो हार्डकोक के प्रबंधक सुनील गोयल, विधायक प्रतिनिधि मुस्ताक आलम, मुखिया गणेश महतो, दिवस पांडे, कृष्ण दा, पूर्व मुखिया संतोष रवानी, संजीत महतो, राजू रजक आदि थे।

उपायुक्त तथा वरीय पुलिस अधीक्षक ने किया बरमसिया पुल के मरम्मती कार्य का निरीक्षण

राष्ट्रीय मुख्यधाराः राजीव रंजन

तय समय सीमा में गुणवत्तापूर्ण कार्य पूरा करने के दिए निर्देश

धनबादः बुधवार को उपायुक्त आदित्य रंजन तथा वरीय पुलिस अधीक्षक प्रभात कुमार ने संयुक्त रूप से बरमसिया पुल में चल रहे मरम्मती कार्यों का निरीक्षण किया।

इस दौरान उन्होंने रेल के अधिकारियों, पथ प्रमंडल के कार्यपालक अभियंता तथा कॉन्ट्रैक्टर से अब तक हुए कार्यों की समीक्षा की, साथ ही कार्य को निर्धारित समय पर पूरा करने तथा गुणवत्तापूर्वक कार्य को लेकर आवश्यक दिशा निर्देश दिए।

इस दौरान उपायुक्त ने कहा कि धनबाद की ट्रैफिक व्यवस्था पर लगातार राज्य सरकार की भी नज़र है, हमारी ओर से भी लगातार नजर रखी जा रही है। लगातार समीक्षा के क्रम में यह पाया कि धनबाद में गया पुल हो, बरमसिया पुल हो, पॉलिटेक्निक वाला रोड हो, इन सभी में कुछ न कुछ मेजर चीजें हैं जो वर्षों से नहीं दशकों से लम्बित थीं। उसमें हमारी प्राथमिकता के साथ कार्य किया जा रहा है। बरमसिया पुल में लगभग एक महीने से काम चल रहे हैं और उम्मीद है कि 15 दिन के बाद हम लोग छोटी गाड़ियों के लिए आवागमन खोलेंगे।

उन्होंने कहा कि मूल रूप से हमारी प्राथमिकता है कि बरमसिया पुल का काम अच्छे और गुणवत्तापूर्ण हो और आवागमन में कोई समस्या नहीं हो। साथ ही पुल के दूसरे छोर भी हम लोग चेक कर रहे हैं कि दूसरे छोर में भी अगर कोई समस्या हो तो उसका भी निदान इस दौरान कर लिया जाए।

नुक्कड़ नाटक के माध्यम से टिकट फर्जीवाड़ा के प्रति किया जागरूक

राष्ट्रीय मुख्यधाराः राजीव रंजन

धनबादः टिकट फर्जीवाड़ा की रोकथाम तथा यात्रियों में जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से बुधवार को धनबाद रेलवे स्टेशन के पोर्टिको परिसर में नुक्कड़ नाटक का आयोजन किया गया। नाटक के माध्यम से यात्रियों को सही एवं वैध टिकट लेकर यात्रा करने के महत्व से अवगत कराया गया। साथ ही फर्जी या अवैध टिकट के उपयोग से होने वाले आर्थिक नुकसान, दंडात्मक प्रावधानों तथा संभावित सुरक्षा जोखिमों के बारे में भी विस्तार से जानकारी दी गई। नाटक में यात्रियों को यह भी जागरूक किया गया कि कैटरिंग से संबंधित सामग्री में निर्धारित मूल्य से अधिक शुल्क लिए जाने की शिकायत पर वे तुरंत रेल प्रशासन को सूचित करें। इस पहल का उद्देश्य यात्रियों में सतर्कता बढ़ाना तथा अनावश्यक अतिरिक्त शुल्क वसूली पर प्रभावी रोक लगाना है। नुक्कड़ नाटक की आकर्षक प्रस्तुति ने यात्रियों का विशेष ध्यान आकर्षित किया तथा उन्हें यह स्पष्ट संदेश दिया कि सुरक्षित, सुव्यवस्थित और नियमबद्ध यात्रा के लिए वैध टिकट का होना अनिवार्य है।

राइजिंग चैरिटेबल सोसाइटी द्वारा देशरत्न डॉ.राजेंद्र प्रसाद की 141वीं जयंती का आयोजन

राष्ट्रीय मुख्यधाराः राजीव रंजन

धनबादः बुधवार को राइजिंग चैरिटेबल सोसाइटी द्वारा देश के प्रथम राष्ट्रपति एवं संविधान सभा के अध्यक्ष देशरत्न डॉक्टर राजेंद्र प्रसाद जी की 141वीं जन्मजयंती का आयोजन स्थानीय राजेंद्र पार्क, न्यू टाउन हॉल के निकट, अत्यंत गरिमामय एवं उत्साहपूर्ण वातावरण में किया गया। कार्यक्रम के लिए सोसाइटी ने पूरे पार्क को फूल-मालाओं, रंग-बिरंगे गुब्बारों और आकर्षक सजावट से सुसज्जित किया, जिससे संपूर्ण परिसर उत्सवी रंग में रंगा दिखाई दिया, मुख्य अतिथि एवं गणमान्य व्यक्तियों की उपस्थिति कार्यक्रम में शहर के कई प्रमुख व्यक्तियों ने शिरकत की, जिनमें प्रमुख रूप से शामिल थे स्थानीय विधायक राज सिन्हा, जीटा अध्यक्ष अमितेश सहाय, निवर्तमान पार्षद अशोक पाल, पूर्व पार्षद मनोरंजन कुमार, भाजपा नेत्री रमा सिन्हा, कायस्थ महासभा के अध्यक्ष रवि श्रीवास्तव,संजिव रंजन, राजू मालाकार, विशु सिंह, साइमन, सहित शहर के अनेक बुद्धिजीवी एवं राइजिंग सोसाइटी के सैकड़ों सक्रिय सदस्य सभी उपस्थित अतिथियों ने डॉक्टर राजेंद्र प्रसाद की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित की। अपने संबोधन में विधायक राज सिन्हा ने डॉ.राजेंद्र प्रसाद के सादगीपूर्ण जीवन, उच्च नैतिक आदर्शों, अद्भुत स्मरणशक्ति, दूरदर्शी नेतृत्व, संविधान निर्माण में उनके ऐतिहासिक योगदान, स्वतंत्र भारत के प्रथम राष्ट्रपति के रूप में निरंतर 12 वर्षों तक की गई सेवा तथा स्वतंत्रता आंदोलन में गांधीजी के सहयोग जैसे बहुमूल्य पहलुओं पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि डॉ.राजेंद्र प्रसाद का जीवन आज भी पूरे देश के लिए प्रेरणास्रोत है।

अन्य वक्ताओं ने भी देशरत्न के व्यक्तित्व के विभिन्न अनछुए एवं प्रेरक पहलुओं को साझा करते हुए उन्हें भावपूर्ण श्रद्धांजलि अर्पित की।

गोविंदपुर जैप-3 परिसर में लगा आरओ प्लांट, जवानों को मिलेगी शुद्ध पेयजल की सुविधा

» उपायुक्त तथा वरीय पुलिस अधीक्षक ने किया उद्घाटन

राष्ट्रीय मुख्यधाराः राजीव रंजन

धनबादः उपायुक्त आदित्य रंजन के पहल पर गोविंदपुर स्थित झारखंड सशस्त्र पुलिस-3 (जैप-3) परिसर में आधुनिक आरओ वाटर ट्रीटमेंट प्लांट स्थापित किया गया। प्लांट का उद्घाटन उपायुक्त आदित्य रंजन एवं वरीय पुलिस अधीक्षक प्रभात कुमार ने संयुक्त रूप से किया।

इस अवसर पर जैप-3 के कमांडेंट मनोज स्वर्गीयारी, ग्रामीण एसपी कपिल चौधरी सहित कई अधिकारी मौजूद रहे। अधिकारियों ने इस पहल को अत्यंत महत्वपूर्ण बताते हुए कहा कि यह सुविधा जवानों के स्वास्थ्य, सुविधा और जीवनशैली में सकारात्मक बदलाव लाएगी।

बैंक ऑफ इंडिया के कॉर्पोरेट सोशल रिस्पॉन्सिबिलिटी (CSR) फंड के तहत इसका निर्माण कराया गया है। नव स्थापित आरओ प्लांट की क्षमता प्रति घंटे लगभग 1000 लीटर पानी शुद्ध करने की है। इसके शुरू होने से अब जवानों को स्वच्छ, सुरक्षित और बेहतर गुणवत्ता का पेयजल उपलब्ध हो सकेगा। लंबे समय से परिसर में शुद्ध पेयजल की मांग उठ रही थी, ऐसे में यह सुविधा सुरक्षा बलों के लिए बड़ी राहत साबित होगी।

कार्यक्रम के दौरान पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा देने के उद्देश्य से पौधारोपण भी किया गया। अधिकारियों ने कहा कि इस तरह की सामाजिक पहलें न सिर्फ आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराती हैं, बल्कि सुरक्षा बलों के मनोबल और सम्मान को भी बढ़ाती हैं।

उद्घाटन के बाद उपायुक्त एवं एसएसपी ने जैप परिसर के बगल में चल रहे निर्माण एवं सौंदर्यीकरण कार्यों का भी निरीक्षण किया। तालाब के जीर्णोद्धार, पार्क निर्माण एवं जैप परिसर की सुरक्षा परिधि के कार्यों को समय पर और गुणवत्तापूर्ण तरीके से पूरा करने का निर्देश दिया गया।

नगर निकाय चुनाव को लेकर प्रशासनिक तैयारियां हुई तेज, उपायुक्त की अध्यक्षता में की गई समीक्षात्मक बैठक

आरओ चैंबर, नामांकन स्थल, मतदान केंद्र में मूलभूत सुविधाएं, कोषांग के गठन, मतदाता सूची समेत अन्य विषयों पर दिए आवश्यक दिशा निर्देश

राष्ट्रीय मुख्यधाराः राजीव रंजन

धनबादः आगामी नगर निकाय चुनाव को शांतिपूर्ण, निष्पक्ष एवं सुव्यवस्थित ढंग से संपन्न कराने हेतु जिला प्रशासन द्वारा तैयारियां तेज कर दी गई हैं। इसी क्रम में बुधवार को उपायुक्त आदित्य रंजन की अध्यक्षता में समाहरणालय स्थित सभागार में जिला तथा प्रखंड स्तरीय पदाधिकारियों के साथ बैठक की गई।

बैठक में धनबाद नगर निगम क्षेत्र के 55 वार्डों तथा नगर परिषद चिरकुंडा के 21 वार्डों में चुनावी तैयारी की समीक्षा की गई। बैठक में सभी 12 आरओ के चैंबर सह नामांकन स्थल चिन्हित करने, कोषांग गठन, मतदान केंद्रों की सूची, मतदान केन्द्र में मूलभूत सुविधाएं, मतदाता सूची, बज्रगृह, ईवीएम डिस्पैच व रिसीविंग सेंटर, संवेदनशील बूथों का सत्यापन तथा मतगणना केंद्रों की तैयारी जैसे बिंदुओं पर विस्तार से चर्चा हुई।

उपायुक्त ने सभी पदाधिकारियों को अपने स्तर से दिए हुए कार्य का निर्वहन करने हेतु आवश्यक दिशा निर्देश दिए। उन्होंने प्रत्याशियों के नामांकन हेतु आरओ चैंबर हेतु स्थल चिन्हित करने के निर्देश दिए। साथ ही नामांकन पर्ची के खरीदारी हेतु काउंटर निर्माण हेतु स्थल चयन के निर्देश दिए। साथ हीं जल्द से जल्द सभी कोषांग के गठन हेतु आवश्यक दिशा निर्देश दिए गए। इसके अलावा उन्होंने सभी आरओ को अपने अपने बूथ का भौतिक निरीक्षण कर सभी व्यवस्थाएं दुरुस्त करने का निर्देश दिया गया।

उपायुक्त आदित्य रंजन ने कहा की राज्य सरकार द्वारा लगातार निर्देश दिया जा रहा है कि आगामी नगर निगम चुनाव की तैयारियां शुरू करनी हैं। उन्होंने कहा कि नगर निगम चुनाव को शांतिपूर्ण, निष्पक्ष एवं पारदर्शी ढंग से संपन्न कराना जिला प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है।

मौके पर उप विकास आयुक्त सादात अनवर, अपर समाहर्ता विनोद कुमार, एडीएम लॉ एंड ऑर्डर हेमा प्रसाद, एडीएम सप्लाई जियाउल अंसारी, अनुमंडल पदाधिकारी राजेश कुमार, जिला पंचायती राज पदाधिकारी मुकेश बाउरी समेत अन्य जिला स्तरीय पदाधिकारी तथा प्रखंड/अंचल स्तरीय पदाधिकारी मौजूद रहे।

सेकपिकर मजदूर मांगों को लेकर आंदोलन पर उतरे, बेनीडीह मेन साइडिंग का किया चक्का जाम

राष्ट्रीय मुख्यधाराः राजीव रंजन

कतरास (धनबाद): बीसीसीएल प्रबंधन के वादा खिलाफी के विरोध में बेनीडीह मेन साइडिंग के सेलपिकर मजदूरों ने बुधवार को साइडिंग का चक्का जाम कर दिया। चक्का जाम होने के कारण दिनभर रैक लोडिंग बाधित रही। मजदूरों का कहना है की बकाया वेतन सहित अन्य मांग को लेकर 21 नवम्बर को डुमरा गेस्ट हाउस में वार्ता हुई थी। मजदूरों का एचपीसी वेतन एवं मासिक वेतन भुगतान सहित अन्य मांगों को लेकर सकारात्मक पहल करने के लिए प्रबंधन ने डेढ़ महीने का समय मांगा था । साथ ही कुछ दिनों में बकाया वेतन भुगतान करने का भरोसा दिया था। लगभग दस दिन बीत जाने के बाद भी बीसीसीएल प्रबंधन द्वारा वेतन भुगतान नहीं किया गया है।

समय पर वेतन भुगतान नहीं होने के कारण सेलपिकर मजदूरों की आजीविका प्रभावित हो रही है। मजदूर भूखमरी के कगार पर है। जब तक मांगे पूरी नहीं होगी आंदोलन जारी रहेगा। समाचार लिखे जाने तक आंदोलन जारी है। मौके पर देवानंद चौहान, रवि महतो, रामदास कुम्हार, प्रदीप रवानी, राजू रवानी, मुकूल देवी, भारती देवी, उर्मिला कुमारी, हरदान चक्रवती, जीवनलाल नोनिया आदि मौजूद थे।

आईआईटी (आईएसएम) में शताब्दी स्थापना सप्ताह का भव्य शुभारंभ

» यह संस्थान देश की प्रगति का मज़बूत स्तंभः पीएम के प्रधान सचिव

राष्ट्रीय मुख्यधाराः राजीव रंजन

धनबादः बुधवार को आईआईटी (आईएसएम) धनबाद में शताब्दी स्थापना सप्ताह का आगाज़ बेहद गरिमापूर्ण माहौल में हुआ। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि प्रधानमंत्री के प्रधान सचिव डॉ.पीके मिश्रा ने संस्थान के 100 वर्ष पूरे होने पर बधाई देते हुए कहा कि आईआईटी (आईएसएम) पिछले एक सदी से राष्ट्र निर्माण, खनन प्रौद्योगिकी और मानव संसाधन विकास में अहम योगदान देता आया है और आने वाले दशकों में भी इसकी भूमिका और बढ़ेगी।

उन्होंने कहा कि भारत आज जिस तेज़ी से आगे बढ़ रहा है, उसमें टेक्नोलॉजी-आधारित गवर्नेंस, अंतरिक्ष और क्वांटम टेक्नोलॉजी, ग्रीन एनर्जी, डिजिटल पब्लिक इंफ्रास्ट्रक्चर जैसी उपलब्धियाँ देश की ताकत बन रही हैं। उन्होंने कहा कि आईआईटी (आईएसएम) को क्रिटिकल मिनरल्स, एआई, सतत विकास और समाज-हित वाली तकनीकों में रिसर्च को और आगे ले जाना चाहिए। उन्होंने महिला-नेतृत्व वाले विकास पर भी जोर दिया और कहा कि संस्थान का इनोवेशन इकोसिस्टम देखकर वे बेहद प्रभावित हैं।

कार्यक्रम की शुरुआत वैदिक मंत्रोच्चार, शंखध्वनि और दीप प्रज्वलन के साथ हुई। सत्र का संचालन प्रो.रजनी सिंह, डीन (कॉरपोरेट कम्युनिकेशंस) ने किया, जिनकी एंकरिंग की मुख्य अतिथि ने विशेष सराहना की। समारोह में विभिन्न वैज्ञानिकों, शिक्षाविदों, राजनयिकों, उद्योग विशेषज्ञों, पूर्व छात्र-छात्राओं और मौजूदा विद्यार्थियों की बड़ी संख्या मौजूद रही।

आईआईटी (आईएसएम) के निदेशक प्रो.सुकुमार मिश्रा ने स्वागत भाषण में कहा कि शताब्दी केवल उत्सव नहीं, बल्कि संस्थान की जिम्मेदारियों का एक नया अध्याय है। उन्होंने कहा कि संस्थान आने वाले समय में माइनिंग 4.0, डिजिटल टेक्नोलॉजी, क्लीन एनर्जी, सस्टेनेबिलिटी, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और क्रिटिकल मिनरल रिसर्च जैसे क्षेत्रों में देश का नेतृत्व करेगा।

एमएनआईटी जयपुर के निदेशक प्रो.एनपी पाढ़ी , जिन्हें समारोह में सम्मानित किया गया, ने कहा कि आईआईटी (आईएसएम) का 100 वर्ष का सफर देश के तकनीकी इतिहास में एक प्रेरक अध्याय है। उन्होंने संस्थान की तेज़ी से बढ़ती रिसर्च क्षमता, नवाचार वातावरण और वैश्विक सहयोगों की प्रशंसा की।

कार्यक्रम के अंत में आईआईटी (आईएसएम) के उपनिदेशक प्रो. धीरज कुमार ने सभी अतिथियों, प्रतिभागियों, संकाय सदस्यों, विद्यार्थियों और प्रशासन का आभार जताया। समारोह का समापन राष्ट्रीय गान के साथ हुआ।

व्यावसायिक प्रशिक्षण का उपयोग अपने स्व सृजित रोजगार तथा दूसरों को रोजगार देने के लिए प्रासंगिक हैः जिला शिक्षा पदाधिकारी

राष्ट्रीय मुख्यधाराः राजीव रंजन

धनबादः झारखंड शिक्षा परियोजना के व्यावसायिक शिक्षण के अंतर्गत सीएमएसओई प्लस टू जिला स्कूल में जिला स्तरीय कौशल प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। 35 विद्यालयों के 82 प्रदर्श ने भाग लिया। इसके अंतर्गत 9 विविध ट्रेड पर आधारित मॉडल ने भाग लिया जिसमें मीडिया एंटरटेनमेंट, आईटी, टूरिज्म, इलेक्ट्रॉनिक्स एंड हार्डवेयर, आटोमोटिव, एग्रीकल्चर, रिटेल, हेल्थ केयर तथा ब्यूटी एंड वैलनेस सम्मिलित थे। हर विधा में तीन श्रेष्ठ मॉडल को जिला शिक्षा पदाधिकारी द्वारा ट्रॉफी एवं सर्टिफिकेट देकर सम्मानित किया गया। जिला स्तर पर प्रथम आने वाले प्रतिभागी विद्यालय 23 दिसंबर को होने वाली राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में भाग लेंगे।

जिला शिक्षा पदाधिकारी ने बच्चों से कहा कि व्यावसायिक प्रशिक्षण का उपयोग अपने स्व सृजित रोजगार तथा दूसरों को रोजगार देने के लिए प्रासंगिक है। यदि अपनी क्रियाशीलता को बढ़ावा दिया जाए, थोड़ी मेहनत की जाए और मन लगाकर पढ़ाई की जाए तो यह भविष्य में बहुत लाभकारी सिद्ध होगा। उन्होंने सरकार द्वारा चलाई जा रही स्वरोजगार की योजनाओं के विषय में भी चर्चा की। उन्होंने बच्चों के उत्साह की सराहना की।

कार्यक्रम में सभी व्यवसायिक प्रशिक्षकों के अलावे जिला शिक्षा अधीक्षक, अतिरिक्त जिला कार्यक्रम पदाधिकारी आशीष कुमार, सहायक कार्यक्रम पदाधिकारी अशोक पांडे, बालिका शिक्षा प्रभारी अनिमा सिंह एवं प्रभाग प्रभारी डा.मीतू सिन्हा विशेष रूप से उपस्थित रहे।

कार्यक्रम का परिणामः

मीडिया एंटरटेनमेंट- केजीबीवी सीएमएसओई धनबाद।

ब्यूटी एंड वैलनेस – के० जी० बी०वी, सी०एम० soc निरसा।

टूरिज्म- +2 उच्च विद्यालय बलियापुर।

आइटी-डिप्लोमा- +2 उच्च विद्यालय नावागढ़।

आटोमोटिव- डीसीएमएसओई जिला स्कूल ।

रिटेल- श्रीएनएन हाई स्कूल बागसुमा।

हेल्थ केयर- राजकीयकृत +2 हाई स्कूल गोविंदपुर।

हिन्दी दैनिक
राष्ट्रीय मुख्यधारा
RNI : JHAHIN/2014/54374
अख़बार भी, आन्दोलन भी

संक्षिप्त समाचार

बोकारो स्टील प्लांट के सीआरएम- 3 की स्किन पास मिल ने फिर पकड़ी रफ़्तार

सफल कैपिटल रिपेयर पूरा, उत्पादन गतिविधियां पूर्ण क्षमता से शुरू

बोकारो : बोकारो स्टील प्लांट (बीएसएल) के लिए एक बड़ी तकनीकी सफलता हासिल हुई है। कोल्ड रोलिंग मिल- 3 (सीआरएम- 3) की महत्वपूर्ण इकाई स्किन पास मिल का कैपिटल रिपेयर सफलतापूर्वक पूरा कर लिया गया है और इसका संचालन पुनः प्रारंभ हो गया है। इस सफल शुरुआत के साथ ही विभाग के हाइड्रोजन प्लांट, वॉटर सप्लाई सिस्टम, टीएलआईएल तथा बैच एनीलिंग फर्नेस (बीएएफ) सहित सभी सहायक इकाइयां भी सुचारू रूप से कार्यरत हो गई हैं। अधिशासी निदेशक (ऑपरेशंस) अनुप कुमार दत्त ने स्किन पास मिल के संचालन का शुभारंभ किया। इस अवसर पर उनके साथ मुख्य महाप्रबंधक (सीआरएम- 3) राजेश कुमार झा सहित विभाग के अन्य वरीय अधिकारी एवं कर्मी मौजूद थे।

परिचालन दक्षता को मिलेगी मजबूती- श्री दत्त ने इस सफल कार्यान्वयन में योगदान देने वाले सभी अधिकारियों एवं कर्मियों को बधाई दी। उन्होंने कहा कि कैपिटल रिपेयर कार्यों की समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण पूर्णता से उत्पादन गतिविधियां एक बार फिर पूर्ण क्षमता के साथ आगे बढ़ेंगी, जिससे संयंत्र की परिचालन दक्षता तथा उत्पाद गुणवत्ता में और अधिक मजबूती आएगी। उल्लेखनीय है कि सीआरएम- 3 में विगत 30 नवंबर 2025 से कैपिटल रिपेयर का कार्य चल रहा था। इसके अंतर्गत उच्च सुरक्षा मानकों के तहत विभिन्न मैकेनिकल एवं इलेक्ट्रिकल कार्य निर्धारित समयावधि में सफलतापूर्वक संपन्न किए गए। यह उपलब्धि बीएसएल की तकनीकी उत्कृष्टता, मजबूत टीम भावना और सतत् परिचालन सुधारों के प्रति प्रतिबद्धता का सशक्त प्रमाण है।

दो बाइक की टक्कर में वृद्ध समेत दो घायल, स्थिति गंभीर

बोकारो : जरीडीह थाना क्षेत्र के ओल्ड एनएच पथ पर बुधवार की देर शाम एक भीषण सड़क दुर्घटना से अफरातफरी मच गई। टांड़ मोहनपुर के समीप दो मोटरसाइकिलों की आमने-सामने की जबरदस्त टक्कर में एक वृद्ध और दो युवक गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों की पहचान कसमार के सुरजूडीह निवासी रिजवान अंसारी, दांतू के कुलागुजु गांव निवासी उपेंद्र महतो और जैनामोड़ निवासी बुजुर्ग त्रिपुरारी जायसवाल के रूप में हुई है। मिली जानकारी के अनुसार, एक बाइक पर दो युवक सवार थे, जबकि दूसरी बाइक पर त्रिपुरारी जायसवाल थे। टक्कर इतनी जोरदार थी कि त्रिपुरारी जायसवाल का बायां पैर टूट गया है। स्थानीय लोगों ने तुरंत तीनों घायलों को जैनामोड़ रेफरल अस्पताल में भर्ती कराया। गंभीर रूप से घायल वृद्ध को प्राथमिक उपचार के बाद हायर सेंटर रेफर कर दिया गया है।

जयंती पर याद किए गए डॉ. राजेन्द्र प्रसाद

पश्चिमी सिंहभूम। पश्चिमी सिंहभूम जिला में देश के प्रथम राष्ट्रपति और संविधान सभा के अध्यक्ष डॉ. राजेन्द्र प्रसाद की जयंती बुधवार को कांग्रेस भवन में श्रद्धा और सम्मान के साथ मनाई गई। इस अवसर पर कांग्रेसजनों ने उनकी तस्वीर पर पुष्प अर्पित कर उन्हें नमन किया।

कार्यक्रम के दौरान कांग्रेस जिला प्रवक्ता त्रिशानु राय ने कहा कि स्वाधीनता आंदोलन में डॉ. राजेन्द्र प्रसाद एक सशक्त नेता और सेनानी के रूप में उभरे थे। वे महात्मा गांधी के मार्गदर्शन में अंग्रेजी शासन के खिलाफ लगातार संघर्षरत रहे। नमक सत्याग्रह और भारत छोड़ो आंदोलन के दौरान उन्हें कई बार जेल की सजा भी झेलनी पड़ी। कांग्रेसजनों ने कहा कि डॉ. प्रसाद का सरल जीवन और उच्च विचार आज भी लोगों के लिए प्रेरणास्रोत हैं।

उन्होंने आगे कहा कि संविधान सभा के अध्यक्ष के रूप में डॉ. राजेन्द्र प्रसाद देश की सामाजिक प्रगति और संविधान के मूल अधिकारों व कर्तव्यों को लेकर सदैव चिंतित रहते थे।

कार्यक्रम में जिला महासचिव लियोनार्ड बोदरा, जिला सचिव जानवी कुदादा, नगर अध्यक्ष मो. सलीम, प्रखंड अध्यक्ष दिकु सावैयां, पूर्व जिला कोषाध्यक्ष राधा मोहन बनर्जी सहित कई पदाधिकारी और कार्यकर्ता उपस्थित थे।

गोलीकांड के आरोपितों को 12 घंटों में पुलिस ने पकड़ा

गिरिडीह। जिला पुलिस ने महज 12 घंटों में सरेआम गोली चलाकर दहशत फैलाने वाले पांच अपराधियों को गिरफ्तार किया है। बुधवार को एसपी डॉ विमल ने प्रेस वार्ता कर बताया कि मंगलवार शाम में सदर थाना इलाके के झगरी बस्ती में कुछ अज्ञात अपराधियों ने खुर्शीद अंसारी नामक युवक को गोली मारकर घायल कर दिया था।

घटना की सूचना के तत्काल बाद एसडीपीओ जीतवाहन उरांव के नेतृत्व में विशेष टीम का गठन कर संभावित ठिकानों पर छापेमारी की गई । इस दौरान कांड के मुख्य आरोपित जाकीर आंसारी उर्फ जग्गु, असलम मंसूरी, फैयाज अंसारी, रुस्तम अंसारी और इरशाद अंसारी को गिरफ्तार किया गया। बताया गया कि घटना में प्रयुक्त हथियार भी जब्त किया गया है। इसमें दो खोखा, एक पिस्टल, चार मोबाइल और एक बाइक शामिल है।

उल्लेखनीय है कि मुफस्सिल थाना क्षेत्र के झगरी में एक मजदूर शाम के समय जब वह अपने घर के सामने टहल रहा था तभी तीन लोग आए और उनमें से एक ने अचानक पिस्टल निकालकर उसे गोली मार दी। गोली मजदूर के पेट में लगी और अंदर ही फंस गई। इसके बाद उसे अस्पताल में भर्ती किया गया इसके बाद वहां से धनबाद रेफर कर दिया गया है।

जंगल की 'संपदा' पर सेंध, पुलिस और वन विभाग ने तोड़ी तस्करी की चेन

लुगू पहाड़ क्षेत्र में संयुक्त छापेमारी, अवैध लकड़ी कटान में शामिल 5 आरोपी गिरफ्तार और जेल भेजे गए

राष्ट्रीय मुख्यधारा

बोकारो : तेनुघाट रेंज के दुर्गम लुगू पहाड़ क्षेत्र में अवैध लकड़ी कटान और तस्करी करने वालों के खिलाफ वन विभाग और गोमिया थाना पुलिस ने संयुक्त रूप से ज़ीरो टॉलरेंस की नीति पर आधारित बड़ी कार्रवाई की है। गुप्त सूचना के आधार पर मंगलवार की शाम चलाए गए सघन छापेमारी अभियान में भारी मात्रा में अवैध लकड़ी जब्त की गई और पाँच आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया है। पुलिस ने मौके से लगभग 49 पीस अवैध कटी हुई लकड़ी बरामद की। इसके अलावा, लकड़ी के अवैध परिवहन में इस्तेमाल की जा रही तीन मोटरसाइकिलों को भी जब्त किया गया। गिरफ्तार आरोपियों में तुलबुल निवासी विकास कुमार प्रजापति, राहुल प्रजापति, अजय प्रजापति, छोटेलाल प्रजापति और बचन देव प्रजापति शामिल हैं।

इस ताबड़तोड़ छापेमारी अभियान में गोमिया थाना प्रभारी रवी कुमार, वन क्षेत्र प्रभारी वनपाल अजीत कुमार मुर्मू, वनरक्षी विकास कुमार महतो, दुर्गा हेंब्राम, नेहरू प्रजापति, बद्रीनाथ प्रजापति समेत पुलिस और वन विभाग के अन्य कर्मचारी शामिल थे। वन विभाग ने स्पष्ट किया है कि क्षेत्र में गश्ती बढ़ा दी गई है और अवैध कटान तथा तस्करी के विरुद्ध ऐसी कार्रवाई जारी रहेगी। सभी गिरफ्तार आरोपियों को न्यायिक प्रक्रिया के तहत जेल भेज दिया गया है।

युवक की गोली मारकर हत्या, जांच में जुटी पुलिस

राष्ट्रीय मुख्यधारा

पूर्वी सिंहभूमः सीतारामडेरा थाना क्षेत्र के देवनगर पीपल स्कूल के पीछे रहने वाले शेखर सैंडिल (32) की देर रात गोली मारकर हत्या कर दी गई। वारदात मंगलवार की आधी रात करीब 12:30 बजे की बताई जा रही है। गंभीर रूप से घायल शेखर को एमजीएम अस्पताल ले जाया गया, जहां उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई। घटना की जानकारी शेखर की बहन सरस्वती दास ने दी। उन्होंने बताया कि जब वह रात में घर लौटी, तो घर के बाहर शेखर खून से लथपथ जमीन पर गिरा हुआ मिला। पड़ोसियों की मदद से तुरंत पुलिस को सूचना दी गई। पुलिस मौके पर पहुंचकर शेखर को अस्पताल ले गई, लेकिन तीन गोलियां लगने और अत्यधिक खून बह जाने के कारण डॉक्टरों ने कुछ देर बाद उसे मृत घोषित कर दिया। शेखर नया कोर्ट के पास एक निजी पार्किंग में काम करता था और रोजाना की तरह मंगलवार को भी ड्यूटी से लौट रहा था। परिवार की ओर से स्थानीय युवक राहुल सिंह और उसके साथी डब्लू पर हत्या कराए जाने का शक जताया गया है। बताया गया कि दोनों के साथ शेखर का पुराना विवाद चला आ रहा था। परिजनों के अनुसार राहुल सिंह देवनगर में अवैध दारू भट्टी चलाता है, जिसे लेकर कई बार दोनों के बीच कहासुनी हो चुकी थी। परिवार का कहना है कि विवाद के कारण राहुल और उसके साथी ने पूर्व में भी शेखर को धमकी दी थी। पुलिस ने हत्या का मामला दर्ज कर संदिग्धों की तलाश तेज कर दी है। थाना प्रभारी ने बताया कि आरोपितों को जल्द गिरफ्तार कर मामले का खुलासा किया जाएगा।

सड़क हादसे में तीन की मौत, छह घायल

राष्ट्रीय मुख्यधारा

हजारीबागः हजारीबाग में बुधवार सुबह बरही थाना क्षेत्र के गांगटाही पुल के पास एक भीषण सड़क हादसा हुआ। तेज रफ्तार स्विफ्ट कार अनियंत्रित होकर डिवाइडर से जा टकराई। इस दुर्घटना में कार सवार तीन लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि छह गंभीर रूप से घायल हो गए। मृतकों में एक महिला, एक पुरुष और एक बच्ची शामिल हैं। मृतकों की पहचान पूनम देवी (पति श्रीनाथ यादव), जय भगवान यादव (पिता श्रीनाथ यादव) और अंशिका कुमारी के रूप में हुई है। कार में कुल 10 लोग सवार थे, जो सभी पश्चिम बंगाल के कुल्टी क्षेत्र के निवासी बताए जा रहे हैं। दुर्घटना में छह लोग गंभीर रूप से घायल हुए हैं। इनमें ज्योति कुमारी (24, पति जय भगवान यादव), शुभम यादव (6), अभिराज यादव (10), मृत्युंजय यादव (8), धर्मेंद्र यादव (35 वर्ष, पिता श्रीनाथ यादव) और कौशल्या देवी शामिल हैं। सभी घायलों को स्थानीय लोगों और पुलिस की मदद से तुरंत बरही अस्पताल पहुंचाया गया। प्राथमिक उपचार के बाद उनकी गंभीर स्थिति को देखते हुए उन्हें बेहतर इलाज के लिए हजारीबाग सदर अस्पताल रेफर कर दिया गया है। डॉक्टरों के अनुसार, कई घायलों की हालत नाजुक बनी हुई है।हादसे के बाद पूरे क्षेत्र में अफरातफरी का माहौल रहा। स्थानीय लोगों ने प्रशासन से गांगटाही पुल के पास स्पीड कंट्रोल के लिए उचित कदम उठाने की मांग की है, ताकि भविष्य में ऐसी दुर्घटनाओं को रोका जा सके। पुलिस मृतकों के परिजनों को सूचना देने की प्रक्रिया में जुटी हुई है और मामले की आगे की जांच जारी है।एसडीपीओ अजीत कुमार विमल ने कहा कि हादसे में तीन लोगों की मौत हुई है, जिनकी पोस्टमॉर्टम की प्रक्रिया पूरी की जा रही है। वहीं सभी घायलों को बेहतर इलाज के लिए हजारीबाग के शेख भिखारी मेडिकल कॉलेज अस्पताल भेज दिया गया है एवं परिवार वालों को सूचित किया गया है।

अंतरराष्ट्रीय दिव्यांग दिवस पर बीएसएल ने वरिष्ठ नागरिकों में बांटे सहायक उपकरण

चास के वृद्ध सेवा आश्रम में लाचार बुजुर्गों की सेवा में अनुकरणीय पहल

राष्ट्रीय मुख्यधारा

बोकारो : बोकारो स्टील प्लांट (बीएसएल) ने अपनी सामाजिक प्रतिबद्धता को दर्शाते हुए अंतरराष्ट्रीय दिव्यांग दिवस के अवसर पर एक महत्वपूर्ण पहल की है। बीएसएल के सीएसआर (कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व) विभाग ने भारतीय कृत्रिम अंग निगम (एलिम्को) के सहयोग से बुधवार को चास स्थित वृद्ध सेवा आश्रम में वरिष्ठ नागरिकों को विभिन्न प्रकार के सहायक उपकरण वितरित किए। इस वितरण शिविर में वरिष्ठ नागरिकों के बीच कुल 77 सहायक उपकरण प्रदान किए गए, जिनमें 9 फोल्डिंग व्हील चेयर, 9 कमोड वाली कुर्सी, 7 वॉकिंग स्टिक, 9 लिम्बो सेक्रल बेल्ट और 18 घुटने के ब्रेस शामिल थे।

जीवन को सरल बनाने के प्रति प्रतिबद्धता- वितरण शिविर के अवसर पर बीएसएल के सीएसआर विभाग के महाप्रबंधक पी.पी. चक्रबर्ती ने अपने संबोधन में कहा कि यह प्रयास दिव्यांगजनों और वरिष्ठ नागरिकों के उत्थान, उनके जीवन को सरल और सहज बनाने और उन्हें समाज की मुख्यधारा में जोड़ने के प्रति बीएसएल की अटूट प्रतिबद्धता को दर्शाता है। इस मौके पर श्री चक्रबर्ती के साथ एलिम्को के प्रतिनिधि अविनाश कुमार, वृद्ध सेवा आश्रम, चास के प्रभारी रुपेश तथा बीएसएल सीएसआर विभाग के वरीय अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित थे।

दिव्यांग कर्मियों के लिए बीएसएल में डिजिटल क्विज़ का आयोजन

कौशल-संवर्धन की पहल के तहत डिजिटल ट्रांसफ़ॉर्मेशन विषय पर प्रतियोगिता

राष्ट्रीय मुख्यधारा

बोकारो : बोकारो स्टील प्लांट (बीएसएल) में अंतर्राष्ट्रीय दिव्यांग दिवस के अवसर पर एक प्रेरणादायक पहल की गई। संयंत्र में डिजिटल परिवर्तन को बढ़ावा देने और कर्मचारियों के ज्ञानार्जन हेतु ज्ञानार्जन एवं विकास विभाग द्वारा विशेष रूप से दिव्यांग कर्मचारियों के लिए डिजिटल ट्रांसफ़ॉर्मेशन विषय पर क्विज़ प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। यह डिजिटल ट्रांसफ़ॉर्मेशन क्विज़ सीरीज़ की पहली कड़ी थी। कार्यक्रम का उद्घाटन मुख्य महाप्रबंधक (ज्ञानार्जन एवं विकास) नीता बा ने किया। उन्होंने अपने संबोधन में आधुनिक कार्य परिवेश में डिजिटल साक्षरता के अत्यंत महत्वपूर्ण होने पर जोर दिया। उन्होंने उल्लेख किया कि इस प्रकार की पहल दिव्यांग कर्मचारियों को कौशल संवर्धन का अवसर प्रदान कर उन्हें अधिक आत्मनिर्भर बनाती हैं, जिससे वे संगठन की प्रगति में सक्रिय भूमिका निभा सकें।

मेधावी प्रतिभागियों को किया गया पुरस्कृत- प्रतियोगिता में विभिन्न विभागों के 20 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। लिखित तथा स्टेज राउंड के आधार पर उनकी डिजिटल जानकारी और समझ का मूल्यांकन किया गया। विजेताओं में प्रथम स्थान मोहम्मद अशद, प्रबंधक (सामग्री प्रबंधन) को मिला। स्नेह कुमार सुमन, प्रशासनिक सहयोगी (टीए-इलेक्ट्रिकल) और सुमन मंडल, जूनियर इंजीनियरिंग एसोसिएट (आरजीबीएस) क्रमशः दूसरे व तीसरे स्थान पर रहे। पुरस्कार वितरण कार्यवाहक अधिशासी निदेशक (मानव संसाधन) मनीष जलोटा ने किया। उन्होंने सभी प्रतिभागियों को निरंतर सीखते रहने और अपने डिजिटल कौशल को उन्नत करने के लिए प्रेरित किया, साथ ही इस पहल की सराहना भी की। कार्यक्रम का सफल संचालन और क्विज़ मास्टर की भूमिका सहायक महाप्रबंधक (ज्ञानार्जन एवं विकास) अमित आनंद ने निभाई। इस कार्यक्रम के आयोजन में वरीय प्रबंधक (ज्ञानार्जन एवं विकास) प्रीति कुमारी सहित अन्य कर्मचारियों का उल्लेखनीय योगदान रहा।

बीसीसीएल प्रबंधन और सीआईएसएफ ने संयुक्त छापामारी कर 10 टन अवैध कोयला किये जब्त

राष्ट्रीय मुख्यधारा

लोदना (धनबाद): बीसीसीएल के लोदना क्षेत्र अंतर्गत जयरामपुर कोलियरी स्थित सुशी आउटसोर्सिंग परियोजना में बुधवार को बीसीसीएल प्रबंधन और सीआईएसएफ ने संयुक्त रूप से छापामारी किया। इस दौरान लगभग 10 टन अवैध कोयला जब्त किया गया। छापामारी होते ही कोयला तस्कर वहां से भाग खड़े हुए। सीआईएसएफ ने जब्त कोयला को जयरामपुर कोलियरी प्रबंधन को सौंप दिया है।

बेटी के पास जमशेदपुर गए थे सेवानिवृत्त इस्पातकर्मी, बंद घर से चोर ले गए 15 लाख की संपत्ति

राष्ट्रीय मुख्यधारा

बोकारो : शहर के पॉश इलाके सेक्टर-12ए में मंगलवार की रात चोरों ने एक सनसनीखेज वारदात को अंजाम दिया है। रिटायर्ड सेल कर्मी ज्ञान शंकर रजक के आवास संख्या 1241 का ताला तोड़कर चोरों ने लगभग 15 लाख रुपए मूल्य के जेवरात और नकद पर हाथ साफ कर लिया है। चोरी की यह घटना उस समय हुई जब गृह स्वामी ज्ञान शंकर रजक सपरिवार अपनी पुत्री के घर जमशेदपुर गए हुए थे। बुधवार की सुबह पड़ोसी से सूचना मिलने के बाद वह तुरंत लौटे और सेक्टर-12 थाना में प्राथमिकी दर्ज कराई।

गृह स्वामी ने पुलिस को बताया कि वह एक दिसंबर को जमशेदपुर गए थे और पड़ोस में रहने वाले संजय कुमार को घर की चाबी देकर गए थे, जो रात में उनके आवास में सोने आता था। लेकिन चोरों को मानो इसकी खबर थी! मंगलवार की रात संजय कुमार बीमार होने के कारण सोने नहीं आ पाए। चोरों ने इसी सुनसान मौके का फायदा उठाते हुए बंद घर का ताला तोड़ा और बेखौफ होकर चोरी की घटना को अंजाम दिया।

घर के अंदर दाखिल होने पर दीवान, अलमारी और अन्य सामान बिखरा हुआ मिला। अलमारी से सभी कीमती जेवरात गायब थे। गृह स्वामी के अनुसार, चोरी गए सामानों में लगभग 50 ग्राम सोने का हार, 3 सोने के कान का सेट, एक झुमका सेट, 10 ग्राम की सोने की चेन, मंगलसूत्र, सोने की तीन अंगूठी, सोने का ब्रासलेट, 6 नोज पिन, 8 चांदी के सिक्के, चांदी का प्लेट, ग्लास, चम्मच, कटोरा, मछली, कसैली तथा आठ हजार रुपए नकद शामिल हैं। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और चोरी का जायजा लिया, लेकिन कोई ठोस सुराग नहीं मिला है। पुलिस अब चोरों की पहचान के लिए आसपास के सीसीटीवी फुटेज खंगाल रही है।

ओडिशा से आकर बोकारो में बैंक व जेवर दुकानों में चोरी की साजिश रच रहे तीन बदमाश धराए

बोकारो पुलिस की अहम कार्रवाई, आंध्र प्रदेश से चोरी की बाइक लेकर कर रहे थे रेकी

राष्ट्रीय मुख्यधारा

बोकारो : बोकारो पुलिस ने एक बड़ी सफलता हासिल करते हुए ओडिशा से आकर जिले के विभिन्न क्षेत्रों में बैंकों और जेवर दुकानों की रैकी कर छिनतई की वारदात को अंजाम देने वाले एक शातिर गिरोह के तीन बदमाशों को धर दबोचा है। गांधीनगर ओपी पुलिस ने एंटी क्राइम चेकिंग के दौरान इन तीनों अपराधियों को गिरफ्तार किया। गिरफ्तार अपराधियों ने बोकारो में बैंक और जेवर की दुकान से पैसा और जेवरात लेकर जाने वाले लोगों से छिनतई करने की बात स्वीकार की है। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान सुनील दास, कबाड़ी गोपाल और अउला आलोक राव के रूप में हुई है, जो सभी ओडिशा के जाजपुर जिला के थाना कोरई के निवासी हैं।

मंगलवार को एक प्रेसवार्ता में बोकारो के पुलिस अधीक्षक हरविंदर सिंह ने यह जानकारी देते हुए बताया कि कड़ाई से पूछताछ करने पर अपराधियों ने बीते 26 नवंबर को गांधीनगर ओपी क्षेत्र के जरीडीह बाजार स्थित आदित्य ज्वेलर्स नामक दुकानदार से जेवरात का थैला झपटकर भागने के प्रयास की घटना को भी स्वीकार किया है। एसपी ने खुलासा किया कि अपराधियों के पास से जब्त की गई पल्सर बाइक आंध्रप्रदेश से चोरी की गई थी। अपराधी इस चोरी की बाइक पर ओडिशा का फर्जी नंबर प्लेट लगाकर इस्तेमाल कर रहे थे। तीनों अपराधियों के पास से कई फर्जी नंबर प्लेट भी बरामद किए गए हैं। एसपी ने बताया कि ये अपराधी फर्जी नंबर प्लेट लगाकर शहर के विभिन्न क्षेत्रों में स्थित बैंक एवं ज्वेलरी शॉप की रैकी करते थे और बैंकों से पैसा निकासी करने वाले व्यक्तियों से छिनतई की घटना को अंजाम देते थे। तलाशी लेने पर अपराधियों के पास से चार मोबाइल, गाड़ी के पांच नंबर प्लेट व एक औजार बरामद किया गया है।

हिन्दी दैनिक
राष्ट्रीय मुख्यधारा
अख़बार भी, आन्दोलन भी
बोकारो, गुरूवार, 4 दिसंबर, 2025

राष्ट्रचिंतन से राष्ट्रनिर्माण तक +91 9288 319 159

मुखर राष्ट्रवाद

स्पष्ट, सशक्त और समर्पित

Mukhar Raashtrawaad : Think Bold. Speak Bold. Rise and Save the Nation

विचारों का संघर्ष और आहत होती आत्मा

दीपक कुमार द्विवेदी

आज का समय सामान्य नहीं है। यह ऐसा काल है जब युद्ध धरती पर नहीं, बल्कि मानव-चेतना के भीतर चल रहा है। यह शस्त्रों का संघर्ष नहीं, विचारों का संघर्ष है। इसमें रक्त भले न बहे, पर समाज की आत्मा अवश्य आहत होती है। बाहर कोई शोर नहीं उठता, लेकिन भीतर की चुप्पी में विभाजन की प्रतिध्वनि लगातार गहराती जाती है। यह लड़ाई किसी बाहरी शत्रु के विरुद्ध नहीं, बल्कि मनुष्य को मनुष्य से, समाज को समाज से और व्यक्ति को स्वयं से अलग करने की सुविचारित प्रक्रिया है, जिसे वामपंथी मानसिकता और उसके सांस्कृतिक रूप के माध्यम से आगे बढ़ाया जा रहा है। वामपंथी रणनीति का मूल सिद्धांत संघर्ष है। व्यक्ति को उसकी पहचान के आधार पर बांट दो और फिर उन खांचों में शत्रुता का बीज बो दो। जब मनुष्य अपने को अलग समझने लगता है, तब समुदाय की शक्ति टूटने लगती है। समुदाय के कमजोर पड़ते ही समाज की संरचना डगमगाने लगती है और जब समाज कमजोर होता है तब संस्कृति धीरे-धीरे ढहने लगती है। यही कारण है कि यह वैचारिक युद्ध सबसे पहले धर्म, संस्कृति, परिवार, उत्सव, आश्रम, गुरुकुल और परंपरागत सामाजिक संस्थाओं को निशाना बनाता है।

पहले इनका उपहास किया जाता है, फिर उनकी उपयोगिता पर प्रश्न उठाए जाते हैं और अंत में इनके विपरीत मूल्यों का महिमामंडन किया जाता है। जब मनुष्य अपनी जड़ों पर संदेह करने लगता है, तभी उसकी पहचान सबसे अधिक कमजोर हो जाती है। इसी प्रक्रिया से एक अत्यंत खतरनाक वैचारिक औजार उभरा, जिसे द्विआधारी सिद्धांत कहा जाता है। इसका उद्देश्य हर स्थान पर दो विरोधी खेमे खड़े करना है। राम और रावण, दुर्गा और महिषासुर, ब्राह्मण और अब्राह्मण, संपन्न और विपन्न, पुरुष और स्त्री, मालिक और मज़दूर। जब समाज स्वयं को दो टकराते धड़ों में देखने लगता है, तब संवाद समाप्त होता है और संघर्ष प्रारम्भ होता है। यही संघर्ष सत्ता-चिंतन के लिए सबसे प्रभावी औजार बन जाता है। पहचान-राजनीति इसी मानसिकता का विस्तार है। पश्चिम में इसका रूप नस्ली आलोचनात्मक सिद्धांत के रूप में प्रकट हुआ, जिसने कहा कि श्वेत जन्म से शोषक और अश्वेत जन्म से शोषित।

भारत में इसी विचार को जाति-नस्ल सिद्धांत के रूप में लागू करने का प्रयास हुआ। इसमें प्रचारित किया गया कि ब्राह्मण जन्म से अपराधी और दलित, पिछड़ा, आदिवासी जन्म से पीड़ित। जबकि भारत का इतिहास बताता है कि जाति-आधारित कठोरता कुछ सीमित उदाहरणों का परिणाम थी, न कि संपूर्ण समाज का स्वभाव। किंतु विचारधारा ने कुछ अपवादों को ही सम्पूर्ण समाज का स्थायी चेहरा घोषित कर दिया और संवाद के स्थान पर प्रतिशोध को महत्व देने लगा। दुख को मिटाने के बजाय दुख को पहचान और राजनीति का आधार बना देना अत्यंत घातक परिवर्तन था। जब जाति का आख्यान कमजोर पड़ने लगा, तब संघर्ष के लिए नया क्षेत्र तैयार किया गया, जिसे लिंग-युद्ध का नाम दिया गया। प्रकृति में तीन प्रकार के लिंग हैं पुरुष, स्त्री और उभयलिंगी। लेकिन विचारधारा ने घोषित किया कि लिंग कोई जैविक सत्य नहीं, बल्कि सामाजिक और राजनीतिक निर्माण है। देखते-देखते विश्व में सैकड़ों नई लिंग-पहचानें गढ़ दी गईं, जिनसे युवा पीढ़ी अपनी ही प्रकृति को लेकर भ्रमग्रस्त होने लगी। पहचान, जो कभी शक्ति का स्रोत होती थी, अब असमंजस का कारण बन गई। युवा पीढ़ी स्वयं से पूछने लगी कि मैं कौन हूँ, लेकिन उत्तर धुंधला होता गया।

यही असमंजस आगे बढ़कर पहचान-संकट का रूप ले चुका है। इसी संकट को गहरा करने के लिए एक और हथियार सामने आया, जिसे पीड़ित-दावा राजनीति कहा जा सकता है। इस विचार में कहा गया कि जो स्वयं को अधिक पीड़ित घोषित करे वही नैतिक श्रेष्ठता का अधिकारी है। जिस समूह के दुख का इतिहास अधिक प्रखर दिखाया जाए, उसी को समाज में नैतिक ऊँचाई दी जाए। परिणामस्वरूप संघर्ष न्याय का नहीं रहा, बल्कि प्रतिस्पर्धी पीड़ाओं का युद्ध बन गया। अब मनुष्य मनुष्य से नहीं लड़ रहा, बल्कि एक पीड़ा दूसरी पीड़ा से लड़ रही है। और जब पीड़ा ही पहचान बन जाए, तब समाधान कोई नहीं चाहता क्योंकि समाधान से राजनीति समाप्त हो जाती है। इस पूरी प्रक्रिया के पीछे वैश्विक आर्थिक शक्तियों का हित भी निहित है। टूटे हुए मनुष्य से बड़ा उपभोक्ता कोई नहीं। लिंग-भ्रम, मानसिक असुरक्षा, अकेलापन, पहचान-संकट ये सब अब बहु-अरब की अर्थव्यवस्था का स्वरूप ले चुके हैं। हार्मोन उपचार, लिंग-परिवर्तन शल्यक्रिया, मनो-परामर्श, पहचान आधारित वस्तुएँ, बहुराष्ट्रीय कंपनियों की समावेशन योजनाएँ, अंतरराष्ट्रीय गैर-सरकारी संगठन इन सबका लाभ तभी है जब समाज स्थायी रूप से विभाजित रहे। इसीलिए विश्व की आर्थिक शक्तियाँ इस संघर्ष को पोषित करती हैं और इसे संसाधन के रूप में उपयोग में लाती हैं। लेकिन यह केवल विचारों का संघर्ष नहीं है।

यह मानवता के अस्तित्व का प्रश्न है। जब परिवार टूटता है तब समाज टूटता है। जब समाज टूटता है तब राष्ट्र क्षीण हो जाता है। और जब राष्ट्र कमजोर होता है तब मानवता अपने आधार से वंचित रह जाती है। मनुष्य जब अपनी पहचान, संस्कृति, परिवार और जिम्मेदारी से दूर हो जाता है, तब वह एक रिक्त खोल बनकर रह जाता है। और रिक्त खोल सभ्यता नहीं बनाते, वे अराजकता को जन्म देते हैं। आज प्रश्न यह है कि क्या आने वाली पीढ़ी भ्रम में जन्म लेगी। क्या बच्चे यह पहचान नहीं पाएंगे कि वे कौन हैं। क्या परिवार और समाज केवल इतिहास की पुस्तकों में बचेंगे। क्या मनुष्य अकेला, भयग्रस्त और दिशाहीन प्राणी बन जाएगा। या हम यह समझने के लिए उठ खड़े होंगे कि यह संघर्ष किसी जाति, धर्म, वर्ग या लिंग का नहीं, बल्कि मानवता की रक्षा का संघर्ष है। समय की मांग है कि हम संघर्ष की भाषा छोड़कर समरसता और संवाद की ओर लौटें। सत्य की ओर लौटें। क्योंकि मनुष्य विभाजन से नहीं, एकता से आगे बढ़ता है। संघर्ष से नहीं, सह-अस्तित्व से खिलता है। यह विचारों का युद्ध है और इसकी विजय भी विचारों से ही होगी। और वह विचार यही है कि मनुष्य मनुष्य का विरोधी नहीं, मनुष्य मनुष्य का सहचर है।

इसी अभियान के निहितार्थ, राष्ट्रीय मुख्यधारा दैनिक 'मुखर राष्ट्रवाद' एक स्थाई स्तम्भ आरम्भ कर रहा है। प्रबुद्ध राष्ट्रवादियों से अनुरोध है कि आपके सम्बंधित आलेख, विचार और टिप्पणियां 'मुखर राष्ट्रवाद' में प्रकाशनार्थ भेजें।

हिंदुत्व के लिए घातक है सामाजिक विभेदीकरण

डॉ. जीवन एस रजक

भारत की महान 'हिन्दू संस्कृति का यह विचार भौतिक सीमाओं और भेदभाव से परे जाकर मानवता के लिए समानता, प्रेम और बंधुत्व की प्रेरणा देता है। सामाजिक समरसता का यह संदेश धार्मिक, जातिगत, भाषाई और सांस्कृतिक विविधताओं के बावजूद समाज को एकजुट करता है। हिन्दुत्व की मूल चेतना 'एकत्व' की है। हिन्दू धर्म एक ऐसा दर्शन है, जो संपूर्ण सृष्टि को एक ही चेतना का विस्तार मानता है। ''एक सद् विप्रा बहुदा वदन्ति'' से लेकर ''वसुधैव कुटुम्बकम्'' तक, हिन्दू चिंतन का केन्द्र बिन्दु सदैव समता, करूणा, एकता और सामंजस्य रहा है। भारतीय संस्कृति के समस्त उपासकों को एक सूत्र में बांधने के लिए ''हिन्दू'' शब्द एकमात्र साधन है। हिन्दुत्व भारतीयता के मूल में है। भारतीय समाज में कितनी भी सामाजिक, धार्मिक और सांस्कृतिक विविधता हो, किन्तु इसका मूल स्वरूप हिन्दुत्व का ही है। भारत में रहने वाला प्रत्येक नागरिक चाहे वह किसी भी धर्म, वर्ण, जाति, समुदाय क्षेत्र या वर्ण का हो, वास्तव में वह हिन्दुत्व का ही अनुसरणकर्ता है। आसिन्धुसिन्धुपर्यंता यस्य भारतभूमिका।पितृभूः पुण्यभूश्चैव स वै हिन्दुरिति स्मृतः ।।अर्थात् सिंधु नदी से लेकर समुद्र पर्यंत तक की भारत भूमि जिसकी पैतृक संपत्ति और पवित्र भूमि हो, वही हिन्दू है। हिन्दुत्व के मूल में 'बहुजन हिताय, बहुजन सुखाय' और सामाजिक समरसता का भाव विद्यमान है। किन्तु जब इस व्यापक, समावेशी दर्शन और आध्यात्मिक एकात्मता पर सामाजिक विभेदीकरण, मानसिक संकीर्णता, जातिगत अहंकार और वर्ण व्यवस्था की कठोर और भ्रामक व्याख्याएं हावी हो जाती हैं, तो हिन्दुत्व का मूल चरित्र दूषित और मूल आत्मा अस्पष्ट होने लगती है। प्राचीन भारत में सामाजिक गतिशीलता और समाज के सुचारू संचालन के लिए 'वर्णव्यवस्था' नियत की गई थी, यह व्यवस्था मूलतः गुण, स्वभाव और कर्म पर आधारित थी और इसका उद्देश्य समाज में कार्यों का योग्यता अनुसार विभाजन और सामाजिक संतुलन था। वर्णव्यवस्था जन्म आधारित श्रेणीकरण नहीं था, इसलिए कर्म के आधार पर इसमें उन्नति और अवनति हो सकती थी। गीता में श्री कृष्ण कहते है- चातुर्वर्ण्यं मया सृष्टं गुणकर्मविभागशः।तस्य कर्तारमपि मां विद्ध्यकर्तारमव्ययम्। (श्रीमद्भगवतगीता 4/17) अर्थात- प्रकृति के तीनों गुणों और उनसे संबंधित कर्म के अनुसार मेरे द्वारा मानव समाज के चार विभाग रचे गये हैं। अर्थात वर्ण निर्धारण का आधार जन्म नहीं बल्कि गुण और कर्म था। इसी प्रकार मनुस्मृति में भी कहा गया है- शूद्रो ब्राह्मणतामेति ब्राह्मणश्चैति शूद्रताम् |क्षत्रियज जातमेवं तु विद्याद् वैश्यात् तथैव च || (मनुस्मृति 10/65) अर्थात् ''श्रेष्ठ और अश्रेष्ठ कर्मों के अनुसार शूद्र कुल में उत्पन्न बालक ब्राह्मण और ब्राह्मण कुल में उत्पन्न बालक शूद्र हो जाता है। इसी प्रकार क्षत्रिय कुल और वैश्य कुल में उत्पन्न बालक का भी वर्ण परिवर्तन भी समझना चाहिए।'' कुल मिलाकर प्राचीन वर्ण व्यवस्था कर्म के आधार पर निर्धारित एक सामाजिक संतुलन की उत्तम व्यवस्था थी। आधुनिक विज्ञान भी स्पष्ट रूप से स्थापित करता है कि, किसी भी जाति में जन्मजात श्रेष्ठता का कोई वैज्ञानिक आधार नही है। सभी मनुष्य समान आनुवांशिक क्षमता के साथ जन्म लेते है। सामाजिक प्रस्थति, पर्यावरण और अवसर किसी व्यक्ति की क्षमता और दिशा को निर्धारित करते है। इसीलिए जातिगत श्रेष्ठता अथवा हीनता वैज्ञानिक रूप से असत्य और सामाजिक रूप से हानिकारक है। कालांतर में जब वर्ण व्यवस्था ने दूषित होकर जाति व्यवस्था का रूप ले लिया तो हिन्दू समाज में सामाजिक विभेदीकरण और जातिगत वैमनष्य उत्पन्न हो गया, जिसने ''हिन्दुत्व एकात्मता'' और हिन्दू समाज की समरसता को बहुत बुरी तरह से विकृत और विभेदीकृत किया। जिसका सीधा प्रभाव भारत की राष्ट्रीय भावना पर पड़ा, क्योंकि कोई भी राष्ट्र तभी सशक्त हो सकता है, जब उसके समस्त नागरिकों में एकता और समरसता की भावना विद्यमान हो। आजादी के बाद संवैधानिक रूप से हमारे देश में 'समानता' को स्थापित किया गया। सामाजिक समरसता के लिए कानून बनाए गए। किन्तु हमें इस बात की स्वीकार करना पड़ेगा कि हजारों वर्षों से चले आ रहे जातिगत विभेदीकरण और जाति आधारित सामाजिक परम्पराओं को कुछ वर्षों में समाप्त नहीं किया जा सकता। हमारे देश में जातिगत आधार पर जन्म लेने वाले जातिगत संगठन सामाजिक श्रेष्ठता और निम्नता को आधार मानकर समाज में वैमनस्यता की भावना फैलाने का काम लगातार करते रहे है। इससे न केवल हिन्दुत्व की भावना दूषित हुई बल्कि हिन्दू धर्म में जातिगत विभेदीकरण भी पैदा हुआ है। क्योंकि जब कोई संगठन सामाजिक असमानता और उपेक्षा की वास्तविक समस्याओं से इतर जातिगत पहचान को श्रेष्ठता, विरोध या राजनीतिक ध्रुवीकरण का आधार बना लेता है, तब वह समाधान नहीं बल्कि एक नया संघर्ष उत्पन्न करता है। ऐसे संगठन यह संदेश देते हैं कि ''हम पहले जाति हैं, बाद में हिन्दू'' और यही मानसिकता हिन्दुत्व की बुनियाद को कमजोर करती है। हाल ही मध्यप्रदेश में जातिगत संगठनों की जातिगत टिप्पणियों ने हिन्दू धर्म की मूल भावना और सामाजिक समरसता को दूषित किया है। वास्तविकता यह है कि हिन्दुत्व का मूल स्वरूप समन्वयकारी और समाधानकारी है, संघर्षकारी नहीं है। यह किसी जाति, क्षेत्र या वर्ग का धर्म नहीं है, बल्कि एक विस्तृत जीवन पद्धति है। जब श्रेष्ठता का अहंकार और पीड़ित होने की अतिशयोक्ति के कारण हिन्दू समाज जाति के आधार पर विभाजित होकर आंतरिक संघर्षों में उलझ जाता है, तो स्वभाविक रूप से उसकी सांस्कृतिक शक्ति, आध्यात्मिक ऊर्जा और सामाजिक एकता प्रभावित होती है, और यह नकारात्मक प्रभाव हिन्दुत्व की आत्मा को कमजोर करता है। भारत की आध्यात्मिक परम्परा सदैव कहती आई है कि ''आत्मा न जाति की होती है, न वर्ण की और न किसी श्रेणी की।'' उपनिषद् कहते है-''नेति-नेति'', मैं यह शरीर नही, यह पहचान नहीं। इस तरह यदि आत्मा सर्वत्र समान है, तो जातिगत विभाजन केवल एक अहंकार है। यह अहंकार न व्यक्ति के लिए कल्याणकारी है, न समाज के लिए और न राष्ट्र के लिए। यह सत्य है, कि भारत की सामाजिक व्यवस्था में हजारों वर्षों से जाति के आधार पर विभेदीकरण और शोषण की प्रवृत्तियां रही हैं। परन्तु यह भी सत्य है कि बदलते आधुनिक परिवेश में पिछले दो-तीन दशकों में हमारे समाज में जातिवाद की जड़े बहुत कमजोर हुई हैं। समाज की युवा पीढ़ी ने जातिवाद की भावना को नकारा है। ऐसे में विश्वास किया जा सकता है, कि आने वाले समय में बहुत शीघ्र हमारा समाज जातिगत विभेदीकरण के भावना से मुक्त हो जाएगा। ऐसी स्थिति में हमें यह समझना पड़ेगा कि बदलते समाज में जातिगत विभेदीकरण के आधार पर वैमनस्य पैदा करना हिन्दुत्व की मूल भावना को कमजोर करना है। हिन्दुत्व के सिद्धान्तों को जातिगत द्वेष से विकृत करने वाली मानसिकता हिन्दू समाज के लिए अंत्यत घातक है। यदि हम वास्तव में हिन्दुत्व को उसके दिव्य स्वरूप में पुनः स्थापित करना चाहते हैं, तो हमें ज्ञान, विवेक और आत्म-जागरण से जातिगत पूर्वाग्रह से ऊपर उठकर सोचना होगा। 'हिन्दुत्व' भारतीय जनमानस की जीवन पद्धति है। हिन्दू धर्म की आत्मा उज्जवल, उदार और अत्यंत व्यापक है। जब हिन्दू समाज एक होगा, उसमें सामाजिक समरसता होगी, तभी हिन्दुत्व सुरक्षित और उज्जवल होगा। सामाजिक विभेदीकरण हिन्दुत्व के लिए घातक है। याद रहे समता ही शक्ति है, एकता ही धर्म है और एकात्मता ही सच्चा हिन्दुत्व है।

वामपंथी दीमक की अंतिम चीख और भारतीय जनजाति समाज का वास्तविक सत्य

कैलाश चन्द्र

दंतेवाड़ा में हाल ही में भाकपा (माओवादी) प्रतिबंधित नक्सली संगठन से जुड़े 37 नक्सलियों का आत्मसमर्पण हुआ, जिनमें कई उच्च इनामी भी शामिल थे। निश्चित ही यह उस वैचारिक ढांचे के विघटन का संकेत है जिसने दशकों तक जनजाति समाज को भय और हिंसा में जकड़े रखा। पिछले कुछ महीनों में यह प्रवाह और अधिक तेज हुआ है और एक अवसर पर 210 से अधिक नक्सलियों ने हथियार डालकर मुख्यधारा में लौटने की शपथ ली। नारायणपुर में भी बड़ी संख्या में नक्सलियों ने समर्पण किया। यह सम्पूर्ण स्थिति बताती है कि माओवादी हिंसक आंदोलन अब अपनी पकड़ खो रहा है और उसकी ठोस संरचना और मनोबल दोनों चरमरा चुके हैं। केंद्र और राज्य सरकारों की संयुक्त रणनीति ने इसमें निर्णायक भूमिका निभाई है। सुरक्षा अभियानों के साथ ही पुनर्वास, सड़क, स्कूल, स्वास्थ्य केंद्र, कौशल प्रशिक्षण और आजीविका कार्यक्रमों पर जोर दिया गया, जिससे उन क्षेत्रों में विकास की रोशनी पहुँची जो कभी हिंसा से अंधेरे में डूबे थे। जनजाति युवाओं को शिक्षा और अवसर मिले तो उन्होंने बंदूक छोड़कर नए जीवन की राह चुनी। इस बदलते यथार्थ के बीच एक दूसरी कथा भी गढ़ी जा रही है और वह है वामपंथी नैरेटिव की। यह वही पुरानी शैली है जिसमें शासन को क्रूर बताया जाता है और हिंसा को जन प्रतिरोध कहा जाता है। सोशल मीडिया और शहरी वामपंथी समूहों द्वारा हिडमा मडावी जैसे कुख्यात माओवादी को "जनजाति योद्धा" के रूप में महिमामंडित करने का प्रयास इसी आखिरी छटपटाहट का हिस्सा है। वामपंथी नैरेटिव का सूत्र हमेशा दो बिंदुओं पर चलता है। पहला शासन को दमनकारी घोषित करना और दूसरा माओवादी हिंसा को स्वाभाविक प्रतिरोध की संज्ञा देना। किसी आतंकवादी की मृत्यु होते ही उसे जंगल का प्रहरी और शोषितों का नायक बना दिया जाता है, जबकि सच्चाई यह है कि माओवादी हिंसा का सबसे बड़ा शिकार स्वयं जनजाति समाज ही है। वामपंथियों की दूसरी तकनीक है आधा सच बोलकर उसे पूरा नैरेटिव बना देना। सोनी सोरी जैसे मामलों को उदाहरण के रूप में प्रस्तुत कर पूरी कथा को भावनात्मक दिशा दे दी जाती है जबकि तथ्य, जांच, संदिग्ध कड़ियां और परिस्थितियां कभी सामने नहीं लाई जातीं। सिर्फ भावनात्मक आवरण दिखाया जाता है। इसी रणनीति का उपयोग हिडमा के मामले में भी किया जा रहा है। अब हिडमा मडावी को कुछ समूहों द्वारा जनता का योद्धा बताने की कोशिश की जा रही है, जबकि हकीकत यह है कि वह माओवादी नक्सल संगठन का सबसे हिंसक और क्रूर चेहरा था। उसके नेतृत्व में अनेक जवान मारे गए, जनजाति युवकों को जबरन भर्ती किया गया, महिलाओं का यौन शोषण हुआ, स्कूल और सड़कें उड़ाई गईं और बस्तर के विकास को दशकों पीछे धकेला गया। क्या ऐसे व्यक्ति को जन प्रहरी कहा जा सकता है? वास्तव में यह जनजातियों के नाम पर की जाने वाली सबसे बड़ी धोखाधड़ी है। इसी के साथ एक और मिथक फैलाया जाता है कि गरीबी नक्सलवाद को जन्म देती है। यदि गरीबी ही कारण होती तो भारत के हर गरीब क्षेत्र में नक्सलवाद होता। भूटान, नेपाल की पर्वतीय जनजातियाँ और भारत के कई अत्यंत गरीब जिले इसका प्रत्यक्ष प्रमाण हैं। इससे स्पष्ट है कि नक्सलवाद का असली कारण गरीबी नहीं है, वह तो वैचारिक प्रदूषण, विदेशी समर्थन और शहरों में सक्रिय अर्बन नक्सल नेटवर्क है जो भावनात्मक मुद्दों का उपयोग कर जनजातियों को भ्रमित करता है और उन्हें विकास से दूर रखता है। जनजाति समाज के अधिकारों, वन संपदा, पंचायत व्यवस्था, शिक्षा और सुरक्षा का वास्तविक संरक्षक भारतीय राज्य ही रहा है। वनाधिकार कानून, पेसा, पंचायत प्रणाली और वन समितियां इन्हीं नीतियों का परिणाम हैं, जिसमें कि माओवादी इन सबको नष्ट करने का प्रयास करते रहे। वे स्कूल और सड़कें उड़ा देते हैं ताकि शिक्षा और प्रशासन वहाँ तक न पहुँच सके। गांवों को भय के वातावरण में रखते हैं और ग्राम सभाओं को बंदूक की नोक पर नियंत्रित करते हैं। इसके बावजूद वामपंथी इन्हें जन प्रतिरोध बताते हैं। यह सत्य से कोसों दूर की कहानी है। वामपंथियों के दोहरे मापदंड भी किसी से छिपे नहीं। वे उद्योगपतियों पर आरोप लगाते हैं पर स्वयं करोड़ों की संपत्ति में रहते हैं।

भारत की आर्थिक रफ्तार में स्टार्टअप क्रांति ने लिख दी विकास की नई गाथा

डॉ. मयंक चतुर्वेदी

भारत 2025 के इस मोड़ पर एक ऐसे आर्थिक दौर से गुजर रहा है, जिसकी गति केवल आंकड़ों तक सीमित नहीं मानी जा सकती है, वह उसके सामाजिक ढांचे और नवाचार संस्कृति में स्पष्ट दिखाई दे रही है। वैश्विक स्तर पर अनिश्चितताओं, महंगाई के दबाव, भू-राजनीतिक तनाव और निवेश बाजारों की अस्थिरता के बीच भारत ने 2025–26 की दूसरी तिमाही में 8.2 प्रतिशत की उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज करके यह साबित किया है कि उसकी अर्थव्यवस्था अब किसी एक पहिए पर निर्भर संरचना नहीं है, कई आधारों पर चलने वाला मजबूत और संतुलित मॉडल बन चुकी है। वस्तुतः विकास का यह नया चरण श्रम-सुधारों, उद्योगों में डिजिटलीकरण, उत्पादन बढ़ोतरी और सेवाक्षेत्र की स्थिर ऊर्जा से निर्मित हुआ है; किंतु इस समूचे परिदृश्य में जिस शक्ति ने भारत को अभूतपूर्व गति दी है, वह है देश का तेजी से उभरता स्टार्टअप इकोसिस्टम। उद्यमशीलता आज भारत में एक आर्थिक गतिविधि के साथ ही नई राष्ट्रीय चेतना का रूप ले चुकी है। यही कारण है कि उद्योग एवं आंतरिक व्यापार संवर्धन विभाग द्वारा 31 अक्टूबर 2025 तक 1,97,692 स्टार्टअप्स को दी गई मान्यता आज भारत की नई आर्थिक संस्कृति की पहचान बन चुकी है। कहना होगा कि ये सभी स्टार्टअप्स जीएसआर अधिसूचना 127(ई) के तहत तय मानदंडों के अनुसार पंजीकृत हुए हैं, जिससे यह सुनिश्चित होता है कि स्टार्टअप की अवधारणा कागजी घोषणाओं तक सीमित नहीं रहेगी, वह वास्तविक नवाचार, उत्पाद-विकास और उद्यमशीलता को बढ़ावा देने का आधार होंगी। यही कारण है कि 2016 में शुरू हुई स्टार्टअप इंडिया पहल हमें वर्तमान में एक राष्ट्रीय आर्थिक आंदोलन का रूप ले चुकने के रूप में दिखाई देने लगी है। अब इसे लेकर देश में विपक्ष द्वारा जो नकारात्मक माहौल बनाया जा रहा था, उसका भी जवाब संसद में वाणिज्य एवं उद्योग राज्य मंत्री जितिन प्रसाद द्वारा आ ही गया है, जिसमें उन्होंने साफ बताया है कि 31 अक्टूबर 2025 तक केवल 6,385 स्टार्टअप्स बंद श्रेणी में दर्ज हैं, जोकि एक सक्रिय और प्रतिस्पर्धी बाजार अर्थव्यवस्था की स्वाभाविक वास्तविकता है। यह भी एक तथ्य है, जिस पर सभी को गौर करना चाहिए कि दुनिया की अग्रणी अर्थव्यवस्थाओं अमेरिका, यूरोप और एशिया के अन्य दशों में भी स्टार्टअप सफलता-दर 10–15 प्रतिशत से अधिक नहीं होती। भारत में यह स्थिति इसलिए भी संतुलित मानी जाएगी क्योंकि यहाँ नए स्टार्टअप्स के पंजीकरण का वेग और नवाचार का स्पेक्ट्रम दोनों वैश्विक औसत से कहीं अधिक है। भारत के स्टार्टअप इकोसिस्टम की सबसे बड़ी शक्ति यह है कि इसके पीछे एक संगठित और दूरदर्शी नीतिगत ढांचा मौजूद है। सरकार ने तीन प्रमुख योजनाओं फंड ऑफ फंड्स, स्टार्टअप इंडिया सीड फंड स्कीम और क्रेडिट गारंटी स्कीम के माध्यम से स्टार्टअप विकास के अलग-अलग चरणों के लिए पूँजी, सुरक्षा और संरचनात्मक सहयोग उपलब्ध कराया है। फंड ऑफ फंड्स 10,000 करोड़ रुपये की कोषीय संरचना के साथ सिडबी के माध्यम से वैकल्पिक निवेश कोषों में निवेश करता है। वस्तुतः इस प्रणाली में सरकार सीधे स्टार्टअप में निवेश नहीं करती, बल्कि बाजार-आधारित पेशेवर निवेश ढांचे को मजबूत बनाती है। निवेश की गुणवत्ता में सुधार और पेशेवर मूल्यांकन की संस्कृति ने भारत को वैश्विक निवेशकर्ताओं के लिए आकर्षक गंतव्य बनाया है।

मेष राशिः आज आपका दिन बढ़िया रहेगा। आज किसी काम की वजह से यात्रा करनी पड़ सकती है जिसके अच्छे रिजल्ट आपको भविष्य में देखने को मिलेंगे। आज सरकारी कामों को लापरवाही के कारण अधूरा न छोड़ें अन्यथा पेनाल्टी भी लग सकती है। इस राशि के जो लोग पार्टटाइम जॉब करना चाहते हैं उनके लिए लाभ के शुभ योग हैं।

वृष राशिः आज आपका दिन उत्तम है। आप जिस काम को पूरा करने का अथक प्रयास काफी दिनों से कर रहे थे वो आज पूरा हो जायेगा। इससे आपको मानसिक शांति मिलेगी। आज आप किसी से अपने मन की बात शेयर करेंगे वह आपकी बात को जरूर समझेगा।

मिथुन राशिः आज आपका दिन फेवरेबल रहेगा। आज आप अपने दोस्त की आर्थिक स्थिति में मदद करेंगे। आज पूरी मेहनत व एकाग्रता से अपने काम को करने का समय है, आपके काम में जल्द ही सफलता के योग बन रहे हैं। आपका स्वास्थ्य अच्छा रहने से, आपके मन में रचनात्मक कार्य करने की इच्छा होगी। लवमेट आज आप डिनर पर जायेंगे। अपनी सेहत के प्रति जागरूक रहें।

कर्क राशिः आज आपका दिन खुशी के पल लेकर आया है। आप किसी जरूरतमंद की सहयता करेंगे, आपको खुशी मिलेगी। इस राशि के जो लोग स्पोर्ट्स के फ़ील्ड से जुड़े हैं उनको आज अपने कोच से ज्यादा सीखने का मौका मिलेगा। आज आप साहसिक कार्य करेंगे जिसमे आपकी सराहना होगी। आपके दैनिक कार्यों को पूरा करने में परिवार के सदस्यों का सहयोग मिलेगा।

सिंह राशिः आज का दिन आपके लिए नयी खुशियां लेकर आया है। आज आपके विवेक से आपका काम बन जायेगा। आज किसी काम में पारिवारिक सदस्यों की सलाह लेना अच्छा रहेगा। ऑफिस का माहौल सुकून भरा रहने से काम करने के तरीको में सुधार होगा। आज जीवनसाथी के साथ आपका तालमेल अच्छा रहेगा।

कन्या राशिः आज आपका दिन आपके अनुकूल रहेगा। आज आपकी मुलाकात किसी ऐसे व्यक्ति से होगी जिससे आपकी किसी समस्या का समाधान हो जायेगा। पुरानी बातों को भूलकर नयी बातों की तरफ ध्यान देंगे। आज भागदौड़ भरी ज़िंदगी से समय निकालकर परिजनों के साथ कुछ समय बिताएंगे, आपको ख़ुशी मिलेगी। दाम्पत्य जीवन में आपसी ताल मेल बना रहेगा।

तुला राशिः आज आपका दिन जीवन में एक नई दिशा लेकर आएगा। आज आपका आर्थिक पक्ष मजबूत बना रहेगा आपके काम में माता-पिता का सहयोग मिलने से आपका उत्साह बढ़ेगा । बच्चों के सक्सेस से खुशी मिलेगी और बच्चों में भी कॉन्फिडेंस बना रहेगा । अपने बिजी शेड्यूल से थोड़ा समय ईश्वर की पूजा पाठ के लिए निकालें, आपके सभी काम बनते नज़र आएंगे।

वृश्चिक राशिः आज आपका दिन सुनहरा रहेगा। ऑर्गेनिक फूड का बिजनेस कर रहे लोगों को आज लाभ मिलेगा। आज आलस्य को त्याग कर कुछ नया करने का दिन है। इस राशि के जो लोग सामाजिक सेवा क्षेत्र से जुड़े हैं, उनका दिन व्यस्तता से भरा होगा आज सामाजिक कार्य करेंगे। काफी दिनों से परिवार में चल रही परेशानियां आज खत्म हो जाएगी। मंदिर में पुष्प अर्पित करें, सब अच्छा ही अच्छा होगा ।

धनु राशिः आज आपका दिन शानदार रहेगा। आज शाम आप दोस्त के घर डिनर के लिए जाएंगे जहां हंसी खुशी का माहौल रहेगा। इस राशि के व्यापारी वर्ग को आज अच्छा लाभ होने से आर्थिक स्थिति में सुधार आएगा।

मकर राशिः आज आपका दिन बढ़िया रहेगा। इस राशि की जिन महिलाओं को बिजनेस शुरू करना है, उनको घरवालों का पूरा सपोर्ट मिलेगा। कुछ छिपे विरोधी अपने काम में अड़चन डाल सकते हैं, परंतु आपका पॉजिटिव अप्रोच आप को मजबूत बनाए रखेगा और काम में आपको सफलता मिलेगी।

कुम्भ राशिः आज आपके दिन की शुरुआत आपके अनुकूल होने वाली है। आज ऑफिस का काम समय पर पूरा हो जाने से आपके मन को शांति मिलेगी आप काम के नए टारगेट बनाएंगे । कंपटीशन की तैयारी कर रहे स्टूडेंट्स को शिक्षकों का पूरा सहयोग मिलने से सीखने में सहायता मिलेगी।

मीन राशिः आज आपका दिन खुशहाल रहेगा। छात्र आज अपने प्रोजेक्ट को पूरा करने में सफल रहेंगे। आप आपको इंटरव्यू देने जा रहे हैं आज आपकी सफलता के योग बन रहे हैं । आर्थिक स्थिति में दोस्तों का भरपूर सहयोग मिलने से आपकी परेशानी कम हो जाएगी। न्यूरो प्रॉब्लम से परेशान लोग आज किसी अच्छे डॉक्टर को दिखा सकते हैं, आपको जल्द ही राहत मिलेगी।

'पुष्पेश पब्लिकेशन', श्रीकृष्णापुरी, चास, बोकारो 827013 के लिए स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक पूर्णेन्दु 'पुष्पेश' द्वारा प्रकाशित तथा गोपीनंद इंटरप्राइजेज प्रेस, चास, बोकारो में मुद्रित। पंजीकृत कार्यालय- गोपीनंद भवन, श्रीकृष्णापुरी, चास, बोकारो-827013, झारखंड। रांची कार्यालय- 93, मेजर कॉलोनी, हरमू रोड, हेहल, झारखंड।
संपादक: Purnendu 'Pusspesh'*; प्रबंध संपादक: राजेश मोहन सहाय; धनबाद ब्यूरोचीफ: राजीव रंजन। बिहार प्रभारी: संतोष श्रीवास्तव. Mob: 9288319159; Website : www.rashtriyamukhyadhara.com *समाचार चयन के लिए पी.आर.बी. एक्ट के तहत जिम्मेदार।

43 एकड़ भूमि पर मुआवजे की प्रक्रिया शुरू होगी

276 किसानों की जमाबंदी बरकरार, 7 गांवों के कृषियों को मिलेगी राहत

गयाजी, एजेंसी। गयाजी में अमृतसर-कोलकाता औद्योगिक कॉरिडोर परियोजना के तहत डोभी स्थित आईएमसी के लिए जमीन अधिग्रहण विवाद में मंगलवार को बड़ा फैसला आया। अंचल अधिकारी डोभी ने 276 रैयतों की जमीन को बिहार सरकार की संपत्ति बताते हुए उनकी जमाबंदी रद्द करने का प्रस्ताव भेजा था, लेकिन अपर समाहर्ता ने कागजातों की जांच के बाद साफ कर दिया है कि किसानों की जमाबंदी रद्द नहीं की जा सकती। यह आदेश डोभी सहित 7 गांवों के किसानों के लिए बड़ी राहत मानी जा रही है।मसौंधा, गम्हरिया, बरिया, इनवोरवा, गाजीचक, गांगी और लेम्बोगढा गांव के किसान लंबे समय से मुआवजे के इंतजार में थे। कई किसानों ने बताया था कि एक ही खाते की जमीन में किसी को मुआवजा मिल गया और किसी को नहीं। कई वर्षों तक रसीद कटाई के बाद अचानक जमीन को सरकारी एजाजी बताकर शून्य कर दिया गया था। इसी शिकायत के बाद पूरा मामला सुर्खियों में आया।सबसे पहले मसौंधा गांव के 15 रैयतों को राहत मिली है। उनकी लगभग 43 एकड़ भूमि पर मुआवजा प्रक्रिया शुरू करने का निर्देश दिया गया है। बताया गया कि जल्द ही भुगतान की कार्रवाई पूरी की जाएगी। अधिकारियों ने कहा कि बाकी गांवों के रैयतों की भी क्रमवार सुनवाई होगी और जिनके दस्तावेज सही पाए जाएंगे, उन्हें मुआवजा दिया जाएगा।प्रभावित किसानों से कागजात मांगेअपर समाहर्ता ने सभी प्रभावित किसानों से कागजात मांगे। किसानों की ओर से उपलब्ध कराए गए बंटवारा पत्र, रसीदें, जमाबंदी और पुरानी खतियान की जांच करने के बाद बताया कि अंचल स्तर से भेजा गया प्रस्ताव तर्कसंगत नहीं है। आदेश में कहा गया कि किसी भी रैयत की जमाबंदी रद्द करने का आधार नहीं बनता, इसलिए सभी जमाबंदियां यथावत रहेंगी।डीएम शशांक शुभंकर के निर्देश के बाद मामले में तेजी आई। डीएम ने हाल में डोभी प्रखंड के खरांटी गांव जाकर किसानों की समस्याओं को सुना था। मौके पर कई किसानों ने बताया था कि मुआवजा वितरण में भारी गड़बड़ी हुई है।इसी दौरान डीएम ने अपर समाहर्ता को आदेश दिया था कि सभी वंचित किसानों की सूची बनाएं और कागजात की गहन जांच कर उनकी मदद करें। अब प्रशासन उसी दिशा में तेजी से काम कर रहा है ताकि किसानों को उनका हक मिल सके और परियोजना का काम भी बिना विवाद आगे बढ़ सके।

एनएच–531 पर भीषण हादसा सड़क हादसा, सीएनजी ऑटो पलटा, एक युवक की मौत ; दूसरे की हालत गंभीर

छपरा, एजेंसी। छपरा-सीवान एनएच-531 पर माने मठिया गांव के पास एक तेज रफ्तार हादसे में एक युवक की मौत हो गई, जबकि दूसरा गंभीर रूप से घायल हो गया। मालवाहक सीएनजी ऑटो द्वारा ओवरटेक करने के दौरान वह आगे चल रहे ट्रेलर ट्रक के पिछले हिस्से से टकरा कर पलट गया। हादसा इतना भीषण था कि ऑटो सवार 30 वर्षीय राजेश महतो की मौके पर ही मौत हो गई। वह एकमा थाना क्षेत्र के भुईली गांव के रहने वाले थे।दूसरा युवक, 35 वर्षीय विजय कुमार गुप्ता, गंभीर रूप से घायल हो गया।

दोनों युवक छपरा के मौना चौक से भतुआ पाग मिठाई थोक में खरीदकर फुटकर बिक्री के लिए एकमा बाजार लौट रहे थे, तभी रास्ते में हादसा हो गया।हादसे के बाद ट्रक चालक और सीएनजी ऑटो चालक वाहन छोड़कर फरार हो गए। गुस्साए ग्रामीणों ने सड़क पर शव रखकर जाम लगा दिया, जिससे करीब दो घंटे तक यातायात बाधित रहा। सूचना पर पहुंची एकमा, रसूलपुर और दाउदपुर थाना पुलिस ने लोगों को समझा-बुझाकर जाम खुलवाया और यातायात सामान्य कराया।घायल विजय कुमार को स्थानीय लोगों और पुलिस की मदद से एकमा अस्पताल पहुंचाया गया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद डॉक्टरों ने उन्हें बेहतर इलाज के लिए सदर अस्पताल छपरा रेफर कर दिया। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। एकमा थाना पुलिस मामले की जांच कर रही है।

राज्यपाल बोले 5 साल 1 करोड़ रोजगार दिए जाएंगे :महिलाओं को 2 लाख रुपए की मदद देंगे

पटना,एजेंसी। बिहार विधानसभा के शीतकालीन सत्र के तीसरे दिन राज्यपाल का अभिभाष]ण हुआ। 11.30 बजे राज्यपाल ने जैसे ही बोलना शुरू किया माइक खराब हो गया। इस दौरान वे अभिभाषण देते रहे। माइक खराब होने के दौरान सीएम और डिप्टी सीएम आगे पीछे देखने लगे। 5 मिनट बाद राज्यपाल ने कहा कि मैं थोड़ा जोर से बोल देता हूं। इसके बाद उन्होंने अपना अभिभाषण शुरू किया। राज्यपाल ने कहा, बिहार में शिक्षकों की संख्या 5.2 लाख हो गई है। सभी 27 जिलों में सरकारी मेडिकल कॉलेज बनाए जा रहे हैं।आईजीआईएमएस को तीन हज़ार बेड के अस्पताल के रूप में बनाया जा रहा है। अब यहां से छात्रों को पढ़ाई के लिए बाहर नहीं जाना पड रहा है, बाहर से यहां आ रहे हैं।

सरकार सभी वर्गों के लिए काम कर रही है। जिन महिलाओं का रोजगार अच्छा चलेगाां आ रहे हैं।

सरकार सभी वर्गों के लिए काम कर रही है। जिन महिलाओं का रोजगार अच्छा चलेगा उन्हें 2 लाख रुपए की मदद भी दी जाएगी। ग्राम परिवहन योजना अब पंचायत स्तर पर लागू कर दी गई है।अल्पसंख्यक समाज के लोगों के लिए भी कई काम किए जा रहे हैं। तलाकशुदा महिलाओं को आर्थिक सहायता दी जा रही है।

सहायता राशि को बढ़ाकर 25 हजार रुपए कर दिया गया है। अब सभी घरेलू उपभोक्ताओं को फ्री बिजली दी जा रही है। अभिभाषण के बाद नीतीश कुमार को सदन का नेता चुना गया। तेजस्वी यादव को नेता विरोधी की मान्यता मिली। अभिभाषण के बाद नीतीश कुमार को सदन का नेता चुना गया। तेजस्वी यादव को नेता विरोधी की मान्यता मिली। नरेंद्र नारायण यादव ने डिप्टी स्पीकर पद के लिए नामांकन भरा।0707241 विधायकों ने ली शपथविधानसभा में नए विधायकों के शपथ की प्रक्रिया पूरी कर ली गई है। 2 विधायकों को छोड़कर सभी 141 विधायकों ने शपथ ले ली है। मोकामा से बाहुबली विधायक अनंत सिंह और गोपालगंज के कुचायकोट से बाहुबली विधायक अमरेंद्र कुमार पांडेय का शपथ लेना बाकी रह गया है।

जमालपुर-किऊल डीएमयू 7 से 21 दिसंबर तक रद्द

जमालपुर-रतनपुर रेलखंड में आरओबी गर्डर लॉन्चिंग, तीन स्टेशनों पर होगा ट्रैक मेंटेनेंस

भागलपुर, एजेंसी। मालदा रेल मंडल ने क्षेत्र में चल रहे बड़े पैमाने के विकास कार्यों को लेकर दिसंबर में रेल यातायात प्रभावित रहने की घोषणा की है। जमालपुर-रतनपुर स्टेशनों के बीच प्रस्तावित रोड ओवर ब्रिज (आरओबी) के लिए गर्डर लॉन्चिंग, धरहरा, धनौरी और जमालपुर स्टेशनों पर ट्रैक रख-रखाव कार्य के कारण 7 से 22 दिसंबर तक यातायात और विद्युत अवरोध रहेगा।इस अवधि में कई यात्रियों की नियमित यात्रा योजनाओं पर असर पड़ने की संभावना है। पूर्व रेलवे मालदा के क्क्ह ने बताया कि खंड के महत्वपूर्ण हिस्सों में संरक्षा से जुड़े कार्य होने के कारण ट्रेनों का नियमन करना अनिवार्य है।विशेषकर, आरओबी के गर्डर लॉन्चिंग के दौरान लाइन को पूरी तरह ब्लॉक रखना पड़ेगा। इसके साथ ही ट्रैक मशीन से मेंटेनेंस भी इसी अवधि में पूरा किया जाना है। इन कार्यों से भविष्य में मालदा मंडल के परिचालन तंत्र को मजबूती मिलेगी और ट्रेनों की गति सहित सुरक्षा स्तर में सुधार आएगा।

इन ट्रेनों को किया निरस्त और बदलाव–अवरोध योजना के कारण 73425-73426 जमालपुर-किउल-जमालपुर डीईएमयू को 7 और 21 दिसंबर को रद्द रखा जाएगा। यह ट्रेन जमालपुर-किउल खंड में स्थानीय यात्रियों की दैनिक आवाजाही में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। इसके निरस्त होने से कई लोगों को असुविधा की आशंका है। रेलवे ने यात्रियों से ऑप्शनल ट्रेनों का उपयोग करने की अपील की है।ट्रेनों के समय में बदलावभागलपुर मंडल क्षेत्र से गुजरने वाली 73435 भागलपुर-जमालपुर पैसेंजर के प्रस्थान समय में संशोधन किया गया है। यह ट्रेन 9, 10, 12 और 13 दिसंबर को 75 मिनट विलंब से भागलपुर से खुलेगी। वहीं 14 दिसंबर को यह ट्रेन 30 मिनट की देरी से चलेगी। अधिकारी बताते हैं कि पैसेंजर ट्रेनों का समय इसलिए बदला गया है ताकि आरओबी लॉन्चिंग के दौरान ब्लॉक को सुरक्षित रूप से लागू किया जा सके।

कई एक्सप्रेस ट्रेनें भी रहेंगी नियंत्रित–न केवल पैसेंजर बल्कि कई लंबी दूरी की ट्रेनों को भी मार्ग में रोका जाएगा।13031 हावड़ा-जयनगर एक्सप्रेस 7, 9, 10, 12, 13 और 21 दिसंबर को नियंत्रित।15743 बालुरघाट-भटिंडा फरक्का एक्सप्रेस 7, 9, 10 और 21 दिसंबर को प्रभावित।15733 बालुरघाट-भटिंडा फरक्का एक्सप्रेस 12 और 13 दिसंबर को नियंत्रित।13415 मालदा टाउन-पटना एक्सप्रेस 10 और 12 दिसंबर को मार्ग में रुक-रुककर चलेगी।15554 जयनगर-भागलपुर एक्सप्रेस 13 दिसंबर को नियमन में रखी जाएगी।इन सभी ट्रेनों को मार्ग में औसतन 60 मिनट तक रोका जाएगा।

अपहरण कांड में दोषी को सात वर्ष का सश्रम कारावास, कोर्ट ने सुनाया फैसला

छपरा, एजेंसी। बिहार के छपरा व्यवहार न्यायालय ने एक अपहरण कांड में त्वरित सुनवाई करते हुए महत्वपूर्ण फैसला सुनाया है। पुलिस मुख्यालय के निर्देशानुसार वर्ष 2025 में सारण जिले के गंभीर आपराधिक मामलों की तेज गति से सुनवाई कराई जा रही है। इसी क्रम में भेल्दी थाना क्षेत्र के अपहरण मामले में मंगलवार को अदालत ने कठोर सजा सुनाई।

लोक अभियोजक सर्वजीत ओझा ने बताया कि अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश-06 राकेश कुमार यादव की अदालत ने भेल्दी थाना कांड संख्या 139/20 (29.07.2020) में नामजद अभियुक्त, सारण जिले के सराय बक्स गांव निवासी रोजदीन मंसूरी के पुत्र अफजल मंसूरी को दोषी करार देते हुए सात वर्ष का सश्रम कारावास और 50 हजार रुपये अर्थदंड की सजा सुनाई है। अर्थदंड नहीं देने पर छह माह का अतिरिक्त सश्रम कारावास भुगतना होगा। यह मामला भारतीय दंड संहिता की धारा 363, 366(ए) और 120(बी) के तहत दर्ज किया गया था।

सारण के वरीय पुलिस अधीक्षक डॉ. कुमार आशीष ने बताया कि अनुसंधानकर्ता ने गुणवत्तापूर्ण एवं समयबद्ध जांच कर आरोप पत्र अदालत में प्रस्तुत किया था। इसके बाद मुकदमे की सुनवाई लगातार गति पकड़ती गई। अभियोजन पक्ष ने कुल पांच साक्षियों की गवाही कराई। सभी साक्ष्यों पर विचार करने के बाद अदालत ने अभियुक्त को दोषसिद्ध पाते हुए सजा सुनाई।

अपर लोक अभियोजक योगेश गुप्ता ने मामले में अभियोजन पक्ष का पक्ष रखा। उन्होंने बताया कि पुलिस मुख्यालय के निर्देश पर जिले में गंभीर मामलों की त्वरित जांच और सुनवाई को प्राथमिकता दी जा रही है, ताकि अपराधियों को शीघ्र न्यायिक दंड मिल सके।

सीवान में ज्वैलरी दुकान में बदमाशों ने हथियार के बल पर की लूट, 18 लाख कीमती सोना-चांदी लूटकर फरार

सीवान, एजेंसी। सीवान में इन दिनों अपराधियों का मनोबल चरम पर है और पुलिस की कार्यशैली पर गंभीर सवाल खड़े हो रहे हैं। ताज़ा मामला बसंतपुर थाना क्षेत्र के खोड़ीपाकड़ गांव का है, जहां मंगलवार को हथियारबंद छह नकाबपोश अपराधियों ने मनमोहित ज्वेलर्स की दुकान पर धावा बोल दिया। लुटेरों ने करीब 18 लाख रुपये के सोने-चांदी के गहने लूटे और मौके पर पांच राउंड तक हवाई फायरिंग कर बाइक से फरार हो गए।दुकानदार सुमित कुमार के अनुसार, वह रोज की तरह दुकान पर बैठे एक ग्राहक से बात कर रहे थे, तभी छह नकाबपोश अचानक दुकान के बाहर और भीतर फैल गए। दो अपराधी सड़क पर निगरानी में, दो मुख्य गेट पर और दो अंदर घुसकर हथियार तान दिए। उन्होंने गहने सौंपने की धमकी दी और मना करने पर गोली मारने की चेतावनी दी। भय के माहौल में अपराधी लाखों के जेवर समेटकर फायरिंग करते हुए चंपत हो गए।

घटना की जानकारी के बादसारण रेंज के डीआईजी नीलेश कुमार, सीवान के प्रभारी एसपी विक्रम सिहाग और महाराजगंज एसडीपीओ अमन कुमार समेत कई थानों की पुलिस मौके पर पहुंची। जांच शुरू कर दी गई है और पुलिस ने जल्द गिरफ्तारी का आश्वासन दिया है, लेकिन स्थानीय व्यवसायियों और आम लोगों में दहशत और नाराज़गी साफ झलक रही है।गौरतलब है कि कुछ दिन पहले रघुनाथपुर थाना क्षेत्र के टारी बाज़ार में भी ज्वेलर्स की दुकान पर दिनदहाड़े बड़ी लूट हुई थी। पुलिस ने दावा किया था कि उसने 24 घंटे में कांड का उद्भेदन कर लिया, लेकिन व्यवसायियों ने इसे संदेहास्पद बताते हुए विरोध प्रदर्शन किया था। लगातार हो रही घटनाओं ने पुलिस की 'तत्काल कार्रवाई' और 'कड़ी निगरानी' के दावों की पोल खोलकर रख दी है।

उधर, बिहार के गृह मंत्री सम्राट चौधरी ने पदभार संभालते समय कहा था कि 'अब अपराधी अपराध करने की हिम्मत नहीं कर पाएंगे ', लेकिन सीवान में बढ़ती घटनाएं उनके इस दावे को खुली चुनौती देती नजर आ रही हैं। हाल की घटनाओं ने यह साफ कर दिया है कि अपराधी न केवल बेखौफ हैं, बल्कि पुलिस को खुलेआम चुनौती दे रहे हैं। स्थानीय लोग सवाल उठा रहे हैं, 'कहां है

मंडप से सीधे परीक्षा केंद्र, नई नवेली दुल्हन संजना ने शादी के बाद दिया एग्जाम, बनी चर्चा का विषय

मुंगेर, एजेंसी। मुंगेर जिले के आर डी एंड डीजे कॉलेज में सोमवार को एक अनोखा और प्रेरक दृश्य देखने को मिला, जब नई-नवेली दुल्हन संजना शर्मा शादी के तुरंत बाद परीक्षा देने के लिए कॉलेज पहुंचीं। शादी संपन्न होने के बाद विदाई के समय संजना सीधे ससुराल नहीं गईं, बल्कि एलएलबी चौथे सेमेस्टर की परीक्षा देने के लिए कॉलेज पहुंचीं।मामला इस प्रकार है कि बांका जिले के राजगृह बुद्ध कॉलनी निवासी मनोज कुमार शर्मा की पुत्री संजना शर्मा की शादी पटना के खुसरूपुर निवासी जगन्नाथ शर्मा के पुत्र सत्य प्रकाश से धूमधाम और रीति-रिवाज के साथ सोमवार को हुई थी। मंगलवार की सुबह संजना ने विदाई के बाद सीधे मुंगेर के आर डी एंड डीजे कॉलेज पहुंचकर अपनी परीक्षा पूरी की। परीक्षा खत्म करने के बाद संजना अपने पति के साथ पटना अपने ससुराल चली गई, जहां आज उनका रिसेप्शन आयोजित है।इस दौरान कॉलेज के शिक्षक और प्रशासन संजना की इस प्रेरक पहल से खुश नजर आए। संजना के पिता मनोज कुमार शर्मा ने बताया कि बेटी की इच्छा का सम्मान करते हुए ससुराल पक्ष ने उसे सबसे पहले परीक्षा दिलवाया, उसके बाद उसे अपने घर ले गए। पिता ने कहा कि बेटी की परीक्षा सुबह 10 बजे से एक बजे तक थी और वे बहुत खुश हैं कि उनकी बेटी ऐसे परिवार में गई जहां उसकी प्राथमिकता को महत्व दिया गया।आर डी एंड डीजे कॉलेज के प्रधानाचार्य प्रोफेसर बिजेंद्र कुमार ने बताया कि संजना ने महिला सशक्तिकरण का एक उत्कृष्ट उदाहरण पेश किया है। उन्होंने कहा कि आज समाज को यह देखना चाहिए कि महिला केवल गृहिणी का काम ही नहीं संभालती, बल्कि अपने करियर में भी आगे बढ़ रही है और अपने भविष्य को उज्जवल बनाने के लिए जिम्मेदार कदम उठा रही है।संजना शर्मा एमए इंग्लिश ऑनर्स की छात्रा हैं और एलएलबी चौथे सेमेस्टर की पढ़ाई कर रही हैं। उनके पति सत्य प्रकाश शर्मा सॉफ्टवेयर इंजीनियर हैं।का एक उत्कृष्ट उदाहरण पेश किया है। उन्होंने कहा कि आज समाज को यह देखना चाहिए कि महिला केवल गृहिणी का काम ही नहीं संभालती, बल्कि अपने करियर में भी आगे बढ़ रही है और अपने भविष्य को उज्जवल बनाने के लिए जिम्मेदार कदम उठा रही है।संजना शर्मा एमए इंग्लिश ऑनर्स की छात्रा हैं और एलएलबी चौथे सेमेस्टर की पढ़ाई कर रही हैं। उनके पति सत्य प्रकाश शर्मा सॉफ्टवेयर इंजीनियर हैं। बता दें कि शादी की रस्में क्रमशः 30 नवंबर को हल्दी, 1 दिसंबर को मंडप पूजन और 1 दिसंबर को शुभ विवाह के रूप में संपन्न हुईं।

रोहतास में नकली नमक का भंडाफोड़, दो कारोबारी गिरफ्तार, गुप्त सूचना पर हुई कार्रवाई

रोहतास, एजेंसी। रोहतास जिले के दरिगांव थाना क्षेत्र के घनकी जामुन के समीप पुलिस ने छापेमारी कर नकली नमक के एक बड़े कारोबार का भंडाफोड़ किया है। दरिगांव थाने की पुलिस ने मंगलवार को घनकी जामुन स्थित एक मकान में छापेमारी के दौरान लगभग 7 क्विंटल नकली नमक जब्त किया। इस दौरान पुलिस को नमक की पैकिंग मशीन सहित अन्य सामान भी मिला। पुलिस इस नेटवर्क से जुड़े सभी लोगों की पहचान करने में जुटी हुई है। इस कार्रवाई के बाद जिले में हड़कंप मच गया है और खाद्य सुरक्षा मानकों को लेकर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं।

गुप्त सूचना पर कार्रवाई, दो कारोबारी गिरफ्तार–दरिगांव थाने के प्रभारी थानाध्यक्ष रोहित कुमार ने बताया कि पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी कि थाना क्षेत्र के घनकी जामुन के समीप एक मकान में नकली नमक का बड़ा कारोबार तेजी से चल रहा है। सूचना मिलते ही वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देश पर टीम का गठन कर छापेमारी की गई। इस दौरान 650 क्विंटल नकली नमक के साथ पैकिंग मशीन, ब्रांडेड कंपनियों के रैपर और अन्य सामान बरामद हुआ।

इस क्रम में सासाराम मुफस्सिल थाना क्षेत्र के मुसाहेपुर गांव निवासी शिवलोचन शाह के पुत्र बबलू कुमार और सासाराम नगर थाना क्षेत्र के आलमगंज मोहल्ला निवासी जगदीश प्रसाद के पुत्र संजय साव को गिरफ्तार किया गया।

ब्रांडेड कंपनियों के नाम पर नकली उत्पाद–पुलिस के अनुसार दोनों कारोबारी लंबे समय से नकली नमक के कारोबार में शामिल थे। घटनास्थल से कई ब्रांडेड कंपनियों के नकली रैपर भी बरामद हुए, जिससे स्पष्ट होता है कि पैकिंग मशीन के माध्यम से इन पैकेटों में नकली नमक भरकर आसपास के बाजारों में सप्लाई की जाती थी। फिलहाल पुलिस दोनों गिरफ्तार कारोबारियों से गहन पूछताछ कर रही है ताकि इस नेटवर्क से जुड़े अन्य लोगों और पहले से बेचे जा चुके नकली नमक के बारे में जानकारी जुटाई जा सके।

दिसंबर में सामान्य से अधिक बारिश के आसार, अगले 72 घंटे में तीन डिग्री तक गिरेगा पारा

पटना, एजेंसी। बिहार में दिसंबर माह में कड़ाके की ठंड पड़ेगी। बारिश होने के कारण कनकनी बढ़ेगी। मौसम विज्ञान केंद्र ने बिहार के कई जिलों में दिसंबर माह में बारिश के आसार जताया है। कहा कि इस माह सामान्य से अधिक बारिश के आसार हैं। इस कारण ठंड और बढ़ेगी। सामान्य परिस्थितियों में दिसंबर महीने में बिहार की औसत वर्षा 5.1 मिमी रहती है, लेकिन इस बार बारिश के आंकड़े सामान्य से ऊपर रह सकते हैं। रात के तापमान में लगातार गिरावट दर्ज की जाएगी। इतना ही नहीं कोहरा भी बढ़ने लगा है। इस बार दिसंबर में बरसात सामान्य से अधिक हो सकती है, जिससे सर्दी के मिज़ाज पर भी असर पड़ेगा। दिसंबर के तीसरे सप्ताह में पारा सात डिग्री के नीचे जा सकता है। अंतिम सप्ताह में शीतलहर चलेगी, जो जनवरी मध्य तक जारी रहेगी।मौसम विभाग के अनुसार, दिसंबर माह में अधिकतम तापमान सामान्य से अधिक रहने का अनुमान है। आम तौर पर बिहार में दिसंबर महीने का अधिकतम तापमान 22 से 24 डिग्री सेल्सियस के बीच दर्ज किया जाता है, लेकिन इस बार पारा इससे ऊपर जा सकता है। न्यूनतम तापमान को लेकर पूर्वानुमान है कि राज्य के उत्तर-पूर्व और दक्षिण-पूर्व हिस्सों में न्यूनतम तापमान सामान्य से अधिक रह सकता है, जबकि अन्य भागों में यह लगभग सामान्य रहेगा। सामान्यतः दिसंबर में बिहार का न्यूनतम तापमान लेकिन इस बार पारा इससे ऊपर जा सकता है। न्यूनतम तापमान को लेकर पूर्वानुमान है कि राज्य के उत्तर-पूर्व और दक्षिण-पूर्व हिस्सों में न्यूनतम तापमान सामान्य से अधिक रह सकता है, जबकि अन्य भागों में यह लगभग सामान्य रहेगा। सामान्यतः दिसंबर में बिहार का न्यूनतम तापमान 10 से 12 डिग्री सेल्सियस के आसपास रहता है।

समस्तीपुर में सबसे ज्यादा ठंड–पिछले 24 घंटों के दौरान राज्य में कहीं भी वर्षा रिकॉर्ड नहीं की गई। इस दौरान सबसे अधिक अधिकतम तापमान शेखपुरा का 27.1 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। अधिकतम तापमान में एक डिग्री की गिरावट दर्ज की गई। वहीं रात के तापमान में गिरावट दर्ज की गई। सबसे कम न्यूनतम तापमान 10.4 डिग्री सेल्सियस समस्तीपुर में रहा। राज्य का न्यूनतम तापमान 10.4 डिग्री सेल्सियस से 18.8 डिग्री सेल्सियस के बीच रहा। कई स्थानों पर पारा एक से तीन डिग्री सेल्सियस तक नीचे गिरा, जिससे सुबह-शाम की ठंड में बढ़ोतरी महसूस की गई।

पूर्णिया में कोहरे से राहगीर परेशान–कोहरे ने भी कुछ इलाकों में दस्तक दी। पूर्णिया में न्यूनतम दृश्यता 500 मीटर रिकॉर्ड की गई। वहीं आज सुबह पटना, बेतिया, गोपालगंज, समस्तीपुर, किशनगंज, पूर्णिया, अररिया के कुछ इलाके में कोहरा देखने को मिला। इस कारण राहगीरों को परेशानी का सामना करना पड़ा। मौसम विभाग के अनुसार, अगले दो दिनों तक राज्य के कुछ हिस्सों में सुबह हल्के से मध्यम कोहरे की संभावना है, जिससे दृश्यता प्रभावित हो सकती है।

तीन डिग्री तक गिरेगा न्यूनतम पारा –मौसम विभाग के अनुसार, अधिकतम तापमान में अगले चार से पांच दिनों में कोई बदलाव नहीं होगा। लेकिन, अगले 72 घंटों में न्यूनतम तापमन तीन डिग्री तक नीचे जा सकता है। इसलिए राज्यवासियों को आने वाले दिनों में ठंड और कोहरे दोनों के लिए तैयार रहने की सलाह दी गई है।

सीतामढ़ी में आठवीं के छात्र की गोली मारकर हत्या

सीतामढ़ी, एजेंसी। सीतामढ़ी में मंगलवार रात करीब 10 बजे एक सनसनीखेज वारदात सामने आई, जब डुमरा रोड स्थित भांवरेंट स्कूल के पास सड़क किनारे एक अज्ञात किशोर का गोली लगा शव मिला। नाहर चौक से मेहसौल गांव की ओर जाने वाले सुनसान रास्ते पर शव मिलने के बाद पूरे इलाके में दहशत फैल गई।स्थानीय लोगों की सूचना पर मेहसौल थाना पुलिस मौके पर पहुंची और क्षेत्र को सील कर दिया। प्रारंभिक जांच में मृतक के शरीर पर गोली के निशान पाए गए हैं, जिससे यह स्पष्ट होता है कि उसकी हत्या नजदीक से गोली मारकर की गई है। पुलिस का मानना है कि वारदात देर शाम या रात के समय किसी सुनसान स्थान परअंजाम दी गई होगी।पुलिस सूत्रों के अनुसार, हत्या के पीछे आपसी विवाद की आशंका जताई जा रही है,मामले की पड़ताल कर रही है।

हिन्दी दैनिक
राष्ट्रीय मुख्यधारा
RNI : JHAHIN/2014/54374
अख़बार भी, आन्दोलन भी
बोकारो, गुरूवार, 4 दिसंबर, 2025

संक्षिप्त समाचार

एकेटीयू की सेमेस्टर परीक्षाएं 23 दिसंबर से

लखनऊ। डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम प्राविधिक विश्वविद्यालय (एकेटीयू) की सत्र 2025-26 की विषम सेमेस्टर की यूजी-पीजी की परीक्षाएं 23 दिसंबर से शुरू होंगी। विवि प्रशासन ने नियमित व कैरी ओवर की लिखित परीक्षाओं के लिए प्रस्तावित कार्यक्रम मंगलवार देर रात जारी कर दिया है। परीक्षाएं ऑफलाइन मोड में होंगी। विभिन्न कोर्सों के लिए परीक्षा फॉर्म भरने की प्रक्रिया 12 दिसंबर तक पूरी की जाएगी। परीक्षा नियंत्रक प्रो. राजीव कुमार की ओर से जारी आदेश में कहा गया है कि परीक्षा फॉर्म भरने व निर्धारित परीक्षा शुल्क जमा करने के लिए ईआरपी पोर्टल खोल दिया गया है।

पत्नी को दी दर्दनाक मौत, इसलिए लाश के ऊपर पैर रखकर खड़ा रहा...पति की दरिंदगी सुन कांप उठेगा कलेजा

आगरा, एजेंसी। आगरा के सदर थाना पुलिस ने अटल चौक के पास पत्नी की गर्दन पैरों से दबाकर हत्या करने वाले पति को पुलिस ने मंगलवार को जेल भेज दिया। जेल जाने के दौरान उसके चेहरे पर कोई ग्लानि नजर नहीं आई। वह पुलिस से कहता रहा कि पत्नी बात नहीं सुनती थी,इसलिए मार डाला। पुलिस ने उसके पांच वर्ष के बच्चे को बाल कल्याण समिति को सौंपा है। परिजनों के आने पर बच्चे को सुपुर्द किया जाएगा। सोमवार रात कैंट क्षेत्र के अटल चौक के पास फुटपाथ पर रहने जबलपुर, मध्यप्रदेश के गुड्डू चौधरी को गिरफ्तार किया था। गुड्डू ने नशे की हालत में विवाद के बाद पत्नी ललिता से मारपीट की थी। उसे नाली में गिराकर उसकी गर्दन पर पैर रख दिया था। ललिता की मौके पर ही मृत्यु हो गई थी। गिरफ्तार होने के बाद सुबह नशा उतरने पर भी उसके चेहरे पर कोई शिकन नहीं थी।पत्नी की हत्या करने और बेटे के अनाथ होने पर कोई पश्चाताप नहीं था। पुलिस ने उसे जेल भेजकर मध्यप्रदेश में रहने वाले उसके परिवार वालों को सूचना दी है। बच्चे के अकेला रह जाने पर उसे बाल कल्याण समिति के हवाले किया गया है।

पीलीभीत के अमरिया प्राथमिक विद्यालय में स्मार्ट क्लास का लोकार्पण

लखनऊ, एजेंसी। एनवायरमेंट वॉरियर्स अभियान के तहत मंगलवार को हुए कार्यक्रम में पीलीभीत की अमरिया तहसील के हुसैन नगर स्थित प्राथमिक विद्यालय में सरोजनीनगर विधायक डॉ. राजेश्वर सिंह ने स्मार्ट क्लास का लोकार्पण किया। कार्यक्रम में डॉ. सिंह ने कहा कि स्मार्ट क्लास ग्रामीण बच्चों को वैश्विक स्तर की डिजिटल शिक्षा से जोड़ने का माध्यम है, जो उनकी जिज्ञासा और क्षमता को नई दिशा देती है। एक स्मार्ट क्लास पूरी पीढ़ी बदलने की ताकत रखती है। टाइगर रिजर्व क्षेत्र में हुए कार्यक्रम में शिक्षा के साथ पर्यावरण संरक्षण पर भी संदेश दिया गया। जरूरतमंद ग्रामीणों को कंबल व बच्चों को स्टेशनरी दी गई। विधायक ने कहा कि सरोजनीनगर के हर विद्यालय में स्मार्ट क्लास स्थापित करने का लक्ष्य है। जिन विद्यालयों को स्मार्ट क्लास चाहिए, उनके प्रबंधक, प्रधानाचार्य, प्रधान अध्यापक उनके कार्यालय को इसके लिए पत्र दे सकते हैं। इस मौके पर प्राचार्य प्रबल प्रताप सिंह, मुनीश पाठक, हेमलता, ऋषिपाल सिंह, मो. अफसर, फराह जाफरी, चंद्रपाल व पूर्व प्रधान खेमकरणलाल आदि मौजूद रहे।

पर्यावरण संरक्षण पर शोध व नीति की दिशा तय करेगा वैज्ञानिकों का संवाद

लखनऊ। राष्ट्रीय वनस्पति अनुसंधान संस्थान में पादप एवं पर्यावरण प्रदूषण पर आयोजित सातवां अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन मंगलवार को संपन्न हुआ। समापन समारोह में मुख्यमंत्री के सलाहकार अवनीश कुमार अवस्थी मुख्य अतिथि रहे। निदेशक डॉ. अजीत कुमार शासनी ने कहा कि सम्मेलन के दौरान वैज्ञानिकों के मंथन व संवाद के निष्कर्ष भविष्य के वैज्ञानिक शोध और तकनीकी विकास की दिशा तय करेंगे। अवनीश कुमार अवस्थी ने पर्यावरण संरक्षण में पौध-आधारित समाधान को महत्वपूर्ण बताते हुए शोध को नीति-निर्माण से जोड़ने पर जोर दिया। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में पिछले पांच वर्षों में प्रदेश में दो अरब से अधिक पौधे लगाए गए हैं। यह पूरे भारत में किए गए पौधरोपण का एक तिहाई है। कार्यक्रम में एमेरिटस वैज्ञानिक डॉ. यूसी लवानिया को आई-सेब की मानद फेलोशिप दी गई। अंतिम दिन प्रो. बिस्वजीत प्रधान, डॉ. विवेक पांडेय, डॉ. सौमित के. बेहरा, प्रो. मुकुंद देव बेहरा, प्रो. अजय शर्मा और डॉ. देबाशिष चक्रवर्ती के व्याख्यान मुख्य आकर्षण रहे। सम्मेलन के पोस्टर सत्रों में देशभर से शोधार्थियों ने हिस्सा लिया। उत्कृष्ट प्रतिभागियों में बार्क मुंबई के एम. पांडेय, नेगी पी., एनबीआरआई की अदिति पाठक, दिशा मैत्रा, एकता गुप्ता, तुषार लोहित, हिमांशु शर्मा, मरिया नसीम, डब्ल्यूआईआई देहरादून की अनिषा गांगुली, सीमैप की दिशा मिश्रा, नाजिया सैयद, एनआईओ गोवा की वितस्ता जाड, नेहू की स्तुति जैन, गोरखपुर विवि की मेघना जायसवाल, बिट्स पिलानी की शैली चौहान, इलाहाबाद विश्वविद्यालय की नेत्रा केशरवानी सहित अन्य प्रतिभागी शामिल रहे।

घंटों का सफर मिनटों में...एलिवेटेड रोड के लिए नए सिरे से भेजा प्रस्ताव, मुरादाबाद के लोगों को मिलेगी राहत

मुरादाबाद, एजेंसी। मुरादाबाद में करीब 14 वर्षों से हो रहा एलिवेटेड रोड का इंतजार अब खत्म हो सकता है। सेतु विभाग ने स्टेशन रोड के ट्रैफिक को खत्म करने के लिए नए सिरे से एलिवेटेड रोड की डिजाइन तैयार की है। मंजूरी के लिए शासन को भेज दी गई है। नगर विधायक रितेश गुप्ता का कहना है कि जल्द ही इस नए प्रस्ताव को मंजूरी मिल सकती है।

यह रोड बनने से घंटों का सफर मिनटों में पूरा हो सकेगा। स्टेशन रोड पर महाराणा प्रताप सिंह चौक (फव्वारा चौराहा) से लेकर मिगलानी सिनेमाहाल तक इस एलिवेटेड रोड के निर्माण का प्रस्ताव पूर्व में भी कई बार शासन को भेजा जा चुका है।

पीडब्ल्यूडी की ओर से भेजे गए प्रस्ताव पर मुहर नहीं लगी तो नगर निगम ने सीएम ग्रिड योजना के तहत इस रोड के निर्माण का प्रस्ताव बनाकर शासन को भेजा था लेकिन छह महीने बीत जाने के बाद भी इस प्रस्ताव को मंजूरी नहीं मिल पाई थी।

नगर विधायक रितेश गुप्ता के अनुसार सेतु निगम के प्रोजेक्ट मैनेजर शशिकांत की ओर से नई डिजाइन तैयार कराकर भेजी गई है। इसकी जानकारी भी मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को दे दी गई है। एलिवेटेड रोड का निर्माण सिंगल पिलर पर कराया जाएगा।

इससे नीचे की सड़क पर कुछ खास प्रभाव नहीं पड़ेगा।शहर में न आने वाले वाहन सीधे एलिवेटेड रोड से दिल्ली या कांठ रोड तक पहुंच सकेंगे। घनी आबादी होने के

कारण स्टेशन रोड पर सड़क का चौड़ीकरण नहीं हो सकता है। इसलिए लंबे समय से एलिवेटेड रोड के निर्माण की मांग की जा रही है।

नए प्रस्ताव में बढ़ी दूरी

अब तक भेजे गए प्रस्ताव में एलिवेटेड रोड का निर्माण फव्वारा चौराहे से लेकर मिगलानी सिनेमा तक कराया जाना ही प्रस्तावित था। लेकिन सेतु निगम की ओर से तैयार की गई नई डिजाइन में यह एलिवेटेड रोड डबल फाटक से शुरू होकर स्टेशन रोड, फव्वारा चौराहे और पीली कोठी चौराहे से होता हुआ कांठ रोड तक बनाने की योजना तैयार की गई है।

डिजाइन के अनुसार मार्ग पर डिवाइडर के बीच में पिलर के ऊपर एलिवेटेड रोड दो लेन में बनेगा। नीचे सड़क के दोनों ओर सर्विस रोड बनाई जाएगी। जिससे शहर के बाहर निकलने वाले वाहन ऊपर एलिवेटेड रोड से गुजर सकेंगे, जबकि स्थानीय ट्रैफिक के लिए सर्विस रोड उपयोग में लाई जाएगी।

डबल फाटक से जिन वाहनों को दिल्ली रोड पर जाना होगा उन्हें लोको शेड पुल पर उतरने की सुविधा दी जाएगी। जबकि जिन्हें कांठ रोड के लिए जाना होगा वह वहां तक एलिवेटेड रोड से ही पहुंच सकेंगे।

दिन भर बनी रहती है जाम की समस्या

दिल्ली, कांठ रोड और हरिद्वार की ओर जाने के लिए लाखों की आबादी के पास स्टेशन रोड का ही विकल्प है। बढ़ती आबादी के कारण इस रोड पर दबाव बढ़ता ही जा रहा है। इसकी वजह से स्टेशन रोड पर पूरे दिन जाम की समस्या बनी रहती है।

वर्ष 2009 से ही इस एलिवेटेड रोड को बनाए जाने की योजना पर काम चल रहा है। रोड पर दो बस अड्डा और रेलवे स्टेशन होने के अलावा पुराने शहर के बाजार भी लगे हुए हैं। इस वजह से बड़ी संख्या में यहां वाहनों का आवागमन होता है, जिससे जाम की समस्या आम हो गई है।

500 करोड़ से अधिक होगा बजट

उत्तर प्रदेश राज्य सेतु निगम ने 2018 में एलिवेटेड रोड बनाए जाने का प्रस्ताव बनाकर शासन को भेजा था। उस समय करीब ढाई किलोमीटर की एलिवेटेड रोड की लागत 142 करोड़ रुपये आंकी गई थी। अब इस एलिवेटेड रोड की दूरी बढ़ने की वजह से इस पर तकरीबन 500 से 700 करोड़ रुपये खर्च होने का अनुमान है।

कानपुर में करोड़ों की जमीन ने करवा दी युवक की हत्या : हिरासत में दो भाई ,जांच शुरू

सुनील बाजपेई

कानपुर। हत्या के रूप में किसी की मौत और सारे बवाल की वजह जड़ यानी पुरानी रंजिश, जोरू मतलब स्त्री और जमीन ही बनती है। यह पुरानी कहावत कानपुर में भी चरितार्थ होती तब नजर आई जब करोड़ की जमीन के चक्कर में एक युवक की बेरहम सी हत्या कर दी गईआज बुधवार को उसकी लाश मिलने के बाद पुलिस घटना की छानबीन करने के साथ ही हत्यारों की भी तलाश में जुट गई है। इस हत्या की वजह

2.40 करोड़ की जमीन के विवाद से से जुड़ी बताई जाती है ,जिसके चक्कर में ही पान मसाला फैक्ट्री कर्मी की हत्या कर दी गई। उसकी लाश पांडु नदी के पास खाली प्लॉट में पड़ी मिली। युवक के सिर पर किसी भारी चीज से वार किया गया था। उसके दोनों हाथ पीछे की ओर रस्सी से बंधे थे। चेहरे को बोरी से ढक कर ऊपर पत्थर रख दिया गया था।

यह घटना गुजैनी थाना क्षेत्रके मेहरबान सिंह के पुरवा की है।लोगों को इस घटना की जानकारी तब हुई जब आज बुधवार सुबह लोग टहलने निकले तो शव देखते ही पुलिस को सूचना दी। हत्या की सूचना पर डीसीपी साउथ, एडीसीपी मौके पर पहुंचे। फोरेंसिक टीम ने चेहरे से बोरी हटाई तो सिर के पीछे से खून निकलता दिखा। घटना की जानकारी देते हुए पुलिस ने बताया कि मामले में हत्यारोपी दो भाइयों को गिरफ्तार कर लिया गया है।

मौके पर पहुंची पुलिस को साढ़ कस्बे के रहने वाले गंगा प्रसाद ने बताया दोनों बेटे अमित तिवारी व विपिन उर्फ गुड्डू (32) ट्रांसपोर्ट नगर की पान मसाला फैक्ट्री में 8 साल से काम करते थे। अमित जहानपुर में रहता है, जबकि विपिन मेरे, अपनी मां रामसुती, पत्नी शैलू और दो जुड़वा बेटे रामजी, श्यामजी के साथ रहता था। विपिन रोज बस से फैक्ट्री जाता था। वह कल मंगलवार शाम 6 बजे वह फैक्ट्री जाने के लिए घर से निकला था।

बड़े भाई अमित ने बताया- शाम 7:30 बजे विपिन से फोन पर बात हुई तो उसने कहा- बारादेवी पहुंच रहा हूं। फैक्ट्री आने में कुछ देर हो जाएगी। करीब एक घंटे बाद फोन किया, तो कॉल रिसीव नहीं हुई। कुछ देर बाद मोबाइल स्विच ऑफ बताने लगा। पुलिस ने बताया कि लास्ट को पोस्टमार्टम के लिए बेचकरघटना की छानबीन की जा रही है।

प्रति माह 7000 रुपये, पक्की नौकरी...बीमा सखी योजना शुरू, ग्रामीण क्षेत्र की महिलाएं जल्दी करें आवेदन

आगरा, एजेंसी। उत्तर प्रदेश राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन के तहत बीमा सखी की नियुक्ति की एक अनूठी पहल शुरू की गई है। योजना के तहत सभी 690 ग्राम पंचायतों में एक-एक बीमा सखी को नियुक्त किया जाएगा, जिससे ग्रामीण महिलाओं को सम्मानजनक रोजगार मिल सकेगा। शुरुआती चरण में 100 से अधिक महिलाओं ने अपना पंजीकरण कराया है।

उपायुक्त स्वतः रोजगार राजन राय ने बताया कि योजना ग्रामीण महिलाओं को स्थाई आय प्रदान करने और वित्तीय समावेशन को बढ़ाने का एक सशक्त माध्यम है। सरकार का लक्ष्य है कि बीमा सखी योजना के माध्यम से ग्रामीण क्षेत्रों की महिलाओं को बीमा के क्षेत्र में प्रशिक्षित किया जाए। पंजीकृत बीमा सखियों को पहले आईआरडीए की परीक्षा पास करनी होगी। परीक्षा उत्तीर्ण करने के बाद चयनित बीमा सखियों को बीमा कंपनी की ओर से ऑनलाइन और ऑफलाइन प्रोडक्ट की व्यापक ट्रेनिंग दी जाएगी। उन्हें 7 हजार रुपये बतौर प्रोत्साहन मानदेय के रूप में दिया जाएगा। इसके अतिरिक्त उन्हें प्रत्येक सफल बीमा पर आकर्षक कमीशन भी मिलेगा, जिससे उनकी आय में निरंतर वृद्धि होगी।

उपायुक्त स्वतः रोजगार राजन राय ने बताया कि पहले बैच में 9 बीमा सखियों ने परीक्षा उत्तीर्ण की है। बीमा सखियों का चयन होने के बाद उन्हें सभी प्रकार के बीमा कंपनी की ओर से ट्रेनिंग दी जाती है, ताकि वे ग्रामीणों की जरूरत के हिसाब से सही पॉलिसी बेच सकें। यह योजना ग्रामीण अर्थव्यवस्था और वित्तीय समावेशन दोनों के लिए महत्वपूर्ण है। हम सुनिश्चित करेंगे कि चयनित महिलाओं को बेहतर प्रशिक्षण मिले।

अछनेरा की नीलम बनीं पहली बीमा सखी : इस योजना की पहली सफलता आगरा के अछनेरा ब्लॉक की ग्राम पंचायत बरौली की नीलम शर्मा ने हासिल की है। बीमा सखी नीलम ने न केवल आईआरडीए की परीक्षा सफलतापूर्वक पास की, बल्कि बीमा कंपनी द्वारा प्रोडक्ट ट्रेनिंग प्राप्त करने के बाद अपना पहला बीमा भी कर लिया है। उन्होंने 2 लाख रुपए बीमा धन राशि का बीमा किया है। यह उपलब्धि अन्य पंजीकृत महिलाओं के लिए एक बड़ी प्रेरणा है।

जरीब चौकी पुल: 48 करोड़ से होगी यूटिलिटी शिफ्टिंग, एक माह तक बंद हो सकता है यातायात, वैकल्पिक रास्ते तलाशेंगे

कानपुर, एजेंसी। कानपुर में जरीब चौकी क्रॉसिंग पर पुल बनाने से पहले यूटिलिटी शिफ्टिंग का काम किया जाना है। इसमें करीब एक माह का समय लगेगा। इसके लिए सेतु निगम की ओर से विभागों को 48 करोड़ रुपये दिए गए हैं। जल्द ही शिफ्टिंग का काम शुरू होगा। पहले चरण में जल निगम की ओर से लाइन शिफ्टिंग का काम होना है। इस सड़क से एक लाख से ज्यादा लोग रोज गुजरते हैं।

जरीब चौकी क्रॉसिंग पर दिन भर में कई बार जाम लगता है। इस समस्या से निजात दिलवाने के लिए सेतु निगम की ओर से क्रॉसिंग के चारों ओर पुल बनाया जाना है। परियोजना में कुल 360 करोड़ रुपये खर्च होंगे। इसमें वन विभाग के पेड़, जलनिगम की लाइन, स्मार्ट सिटी, बिजली निगम, सीयूजीएल सहित अन्य विभागों को निगम की ओर से 48 करोड़ रुपये दे दिए गए हैं।

एक माह तक बंद हो सकता यातायात

डीसीपी यातायात रविंद्र कुमार ने बताया कि सोमवार को सेतु निगम की ओर से जरीब चौकी क्रॉसिंग पर पुल बनाने के लिए चौराहा से एक माह तक यातायात बंद करने के संबंध में पत्र आया था। बुधवार को एसीपी आईपी सिंह और यातायात निरीक्षक मौके पर निरीक्षण करेंगे। वैकल्पिक रास्ते भी तलाशेंगे।

एक माह में यूटिलिटी शिफ्टिंग का काम हो जाएगा

पहले चरण में जल निगम करीब 22 लाख रुपये से पाइप लाइन शिफ्टिंग का काम कराएगा। इस काम में एक माह का समय लगने की उम्मीद है। इस वजह से यातायात भी प्रभावित रहेगा। इसके बाद ही पुल का निर्माण कार्य शुरू होगा। सेतु निगम के चीफ प्रोजेक्ट मैनेजर विजय कुमार सेन ने बताया कि उम्मीद है कि एक माह में यूटिलिटी शिफ्टिंग का काम हो जाएगा। इसके बाद निर्माण कार्य शुरू करेंगे।

महिला चोर गैंग का भंडाफोड़: बधाई गाने के बहाने घर में घुसकर करती थीं चोरी, चार गिरफ्तार

आजमगढ़, एजेंसी। शादी समारोह व बधाई गाने के नाम पर घरों में प्रवेश कर चोरी करने वाली अंतर्जनपदीय महिला चोर गैंग का बरदह पुलिस ने खुलासा किया। पुलिस ने चार महिला आरोपी सजबुननिशा, रेहाना, सजबुननिशा व मर्जिना को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने उनके पास से चोरी किए गए सोने के टप्स, चेन व नकदी बरामद की। पकड़ा गया गैंग कई जिलों में सक्रिय था। वह चोरी की घटना को अंजाम देता था।

थाना प्रभारी राजीव कुमार सिंह ने बताया कि एक दिसंबर को मोहम्मदपुर फेटी निवासी हरिराम प्रजापति ने घर से दो सोने के टप्स, एक सोने की चेन व दो हजार रुपये चोरी होने की सूचना थाना बरदह में दी। मुकदमा पंजीकृत होने के बाद पुलिस सक्रिय हुई। अगले ही दिन दो दिसंबर को उप निरीक्षक पुनीत कुमार श्रीवास्तव टीम सहित मुखबिर की सूचना पर भैसकुर गांव पहुंचे, जहां चार संदिग्ध महिलाएं साल ओढ़े पैदल जाती मिलीं।

तलाशी में चोरी का माल बरामद होने पर सभी को मौके से गिरफ्तार कर लिया गया। गिरफ्तार महिला चोर मऊ जनपद के घुटमा दरौरा निवासी सजबुननिशा की जेब से बैगनी पर्स में सोने की जंजीर व 550 रुपये, रेहाना के पर्स से गणेश आकृति वाले दो सोने के टप्स व मर्जिना के पास से 510 रुपये बरामद हुए। पूछताछ में चारों महिलाओं ने स्वीकार किया कि वे शादी-ब्याह, बधाई गाने और भीख मांगने के बहाने घरों में घुसकर चोरी करती थीं। मुकदमे में अपना जुर्म भी कबूल किया।

प्रदेश के 59 और जिलों में खुलेंगे आधार सेवा केंद्र, अभी सिर्फ 12 जगहों पर यह व्यवस्था

लखनऊ, एजेंसी। जिनका आधार नहीं बना या फिर अपडेट करवाना है। उनको अब अधिक मशक्कत नहीं करनी पड़ेगी। प्रदेश के 59 जिलों में भारतीय विशिष्ट पहचान प्राधिकरण (यूआईडीएआई) 59 आधार सेवा केंद्र(एएससी) खोलने जा रहा है। ये सीधे यूआईडीएआई से संचालित होंगे। इन केंद्रों की क्षमता अधिक होगी। आम जनता को काफी सहूलियत मिलेगी। अगले तीन महीने में ये सभी केंद्र खुल जाएंगे। कुल मिलाकर प्रदेश के 75 जिलों में से 71 में अब एएससी होंगे।

दरअसल वर्तमान में यूपी के 12 जिलों में 12 आधार सेवा केंद्र हैं। जहां आधार संबंधी कार्य होते हैं। इन जिलों के अलावा अन्य सभी जिलों में ये सुविधा बैंकों व डाक घरों में मिल रही है लेकिन यहां की क्षमता कम है। इससे आधार बनाने या अपडेट का काम धीमा रहता है लेकिन अब ये समस्या नहीं रहेगी। 59 और जिलों में एएससी खोले जाएंगे। इन केंद्रों पर 16 मशीने होंगी। जिससे कार्य में तेजी आएगी। ये

केंद्र तीन चरण में शुरू किए जाएंगे। यूआईडीएआई ने इससे संबंधित अधिकतर कार्य पूरा कर लिया है।

इन 59 जिलों में खुलेंगे एएससी : अलीगढ़, अंबेडकर नगर, अमेठी, अमरोहा, औरैया, अयोध्या, आजमगढ़, बहराइच, बाराबंकी, बरेली, बस्ती, बिजनौर, बदायूं, बुलंदशहर, चंदौली, देवरिया, एटा, इटावा, फिरोजाबाद, गाजीपुर, हमीरपुर, हापुड़, हरदोई, हाथरस, जौनपुर, झांसी, कन्नौज, कानपुर देहात, , कासगंज, कौशांबी, खीरी (लखीमपुर खीरी), कुशीनगर, महाराजगंज, मैनपुरी, मथुरा, मऊ, मिर्जापुर, मुजफ्फरनगर, पीलीभीत, प्रतापगढ़, रायबरेली, रामपुर, संभल, संत कबीर नगर, संत रविदास नगर, शाहजहांपुर, शामली, श्रावस्ती, सिद्धार्थनगर, सीतापुर, सोनभद्र, सुल्तानपुर, उन्नाव, फर्रुखाबाद, बांदा, फतेहपुर, बलरामपुर, बलिया और जालौन

यहां पहले से हैं एएससी, चार जिलों को छोड़ा गया : प्रदेश के 12 ऐसे जिले हैं जहां पहले से ही सेंटर चल रहे हैं। इसमें वाराणसी, आगरा, गौतम बुद्ध नगर, गाजियाबाद, गोंडा, गोरखपुर, लखनऊ, कानपुर नगर, मेरठ, मुरादाबाद, प्रयागराज, सहारनपुर जिले शामिल हैं। चार जिले चित्रकूट, बागपत, महोबा और ललितपुर ऐसे हैं जहां सेंटर नहीं खोले जाएंगे। इन चारों जिलों के लोगों को अपने पास वाले जिले में ये सुविधा मिलेगी।

ये होंगे लाभ...आधार सेवा केंद्रों पर जिले की जनसंख्या के आधार पर मेन पॉवर व मशीनें उपलब्ध कराई जाएंगी। इसलिए मनीशों की संख्या 4 से 16 तक होगी। जो बड़े जिले हैं वहां 16 तक मशीनें लगेंगी। इससे आधार बनवाने से लेकर अपडेट करवाने में लोगों को सहूलियत होगी। जिन बैंकों व डाक घरों में वर्तमान समय में आधार की सुविधा हैं वहां दो से चार मशीनें ही हैं। क्षमता कम होने से आधार के काम भी कम हो पाते हैं। एएससी खुलने से क्षमता बढ़ेगी तो अधिक से अधिक लोगों के काम होंगे।

लविवि में स्वास्थ्य सुविधाओं पर छात्रों ने उठाए सवाल

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के हिंदी विभाग में मंगलवार को हुए कार्यक्रम में शामिल होने पहुंची करामत हुसैन गर्ल्स पीजी कॉलेज की शिक्षिका बीना पांडेय फिसल कर गिर पड़ीं। मौके पर मौजूद शिक्षकों ने शिक्षिका उठाया। सूचना के बावजूद विश्वविद्यालय की एंबुलेंस समय से नहीं पहुंची। छात्रों ने नाराजगी जताते हुए विवि की स्वास्थ्य व्यवस्था पर सवाल उठाया। समाजवादी छात्र सभा और एनएसयूआई के पदाधिकारियों ने कुलपति प्रो. मनुका खन्ना को ज्ञापन देकर सुविधाएं दुरुस्त कराने की मांग की है। इस दौरान समाजवादी छात्र सभा की ओर से तौकील गाजी, जीतू कश्यप, प्रेम प्रकाश यादव और एनएसयूआई की ओर से शुभम खरवार, सुधांशु शर्मा, अमित और विशाल मौजूद रहे। विवि के प्रवक्ता डॉ. मुकुल श्रीवास्तव ने कहा कि एंबुलेंस थोड़ी देर में आ गई थी। विवि की सभी स्वास्थ्य सुविधाएं दुरुस्त हैं।

हिन्दी दैनिक
राष्ट्रीय मुख्यधारा
अख़बार भी, आन्दोलन भी
RNI : JHAHIN/2014/54374

संक्षिप्त समाचार

सुप्रीम कोर्ट बोला-बांग्लादेश डिपोर्ट की गई गर्भवती को वापस लाएं, कानून इंसानियत से बड़ा नहीं

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को केंद्र सरकार से कहा कि वह नौ महीने की गर्भवती सुनाली खातून और उसके 8 साल के बच्चे को बांग्लादेश से वापस लाए। अदालत ने कहा कि कानून को कभी-कभी इंसानियत के आगे झुकना होता है। यह फैसला उस याचिका पर सुनवाई के दौरान आया, जिसमें बांग्लादेश डिपोर्ट किए गए परिवार को वापस भारत लाने की मांग की गई थी। चीफ जस्टिस सूर्यकांत और जस्टिस जॉयमाल्या बागची की बेंच मामले की सुनवाई कर रही थी। सुनवाई के दौरान केंद्र सरकार की ओर से पेश सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कोर्ट को बताया सरकार सोनाली और उनके बेटे को भारत आने देगी। उन्होंने साफ किया कि यह अनुमति मानवीय आधार पर होगी । इससे नागरिकता से जुड़े मुद्दों पर सरकार का रुख प्रभावित नहीं होगा। दरअसल सुनाली खातून और परिवार के 5 लोगों को बांग्लादेशी होने का शक में जून में दिल्ली से हिरासत में लिया गया था। इसके बाद 27 जून को उन्हें सीमा पार बांग्लादेश भेज दिया गया था। कोर्ट इस मामले में आगे की कार्यवाही 10 दिसंबर को करेगा, जिसमें परिवार के अन्य सदस्यों की वापसी पर सुनवाई होगी।

इमरान की बहन बोलीं- आसिम मुनीर कट्टरपंथी, इस्लाम न मानने वालों से लड़ते हैं

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की बहन अलीमा खानुम ने सेना प्रमुख आसिम मुनीर को इस्लामी कट्टरपंथी और रूढ़िवादी बताया। उन्होंने बुधवार को स्काई न्यूज को दिए इंटरव्यू में कहा कि मुनीर ऐसे लोगों से लड़ना चाहते हैं जो इस्लाम में विश्वास नहीं रखते। अलीमा से जब मई में हुए भारत-पाकिस्तान संघर्ष के बारे में पूछा गया, तो उन्होंने सीधे तौर पर आसिम मुनीर पर आरोप लगाए। उन्होंने कहा कि मुनीर अपनी कट्टरपंथी सोच की वजह से भारत के साथ युद्ध करना चाहते हैं। अलीमा ने अपने भाई इमरान खान को लिबरल बताया। उन्होंने कहा कि जब इमरान खान सत्ता में आए तो उन्होंने भारत और यहां तक कि BJP से भी रिश्ते सुधारने की कोशिश की। जबकि मुनीर बॉर्डर पर तनाव और युद्ध का माहौल बनाते हैं, जिससे भारत और उसके सहयोगी प्रभावित होते हैं। अलीमा खानुम का दावा है कि इमरान पाकिस्तान के 90% लोगों का प्रतिनिधित्व करते हैं, इसलिए उन्हें अलग-थलग करके शहबाज शरीफ की सरकार पाकिस्तान के लोगों का दमन कर रही है। अलीमा ने इमरान खान को पाकिस्तान के लिए 'एसेट' बताते हुए पश्चिमी देशों से अपील की है कि वे उनकी रिहाई के लिए मदद बढ़ाएं। इमरान भ्रष्टाचार के मामले में 2023 से रावलपिंडी की अडियाला जेल में बंद हैं। इमरान ने कल अपनी उज्मा खान से मुलाकात की थी। इमरान 27 दिन के बाद परिवार का कोई सदस्य मिले थे। इससे पहले उन्होंने 5 नवंबर को अपनी बहन नौरीन खान से मुलाकात की थी। पिछले मंगलवार को इमरान खान से मिलने उनके समर्थक और परिवार वाले पहुंचे थे, लेकिन जेल प्रशासन ने उन्हें इजाजत नहीं दी। इसके बाद यह अफवाह फैल गई थी कि इमरान की मौत हो गई है और पाकिस्तान सरकार इसे छिपा रही है। इसे लेकर पाकिस्तान में बड़ा प्रदर्शन किया गया था, जिसे देखते हुए रावलपिंडी से लेकर इस्लामाबाद तक हाई अलर्ट जारी कर दिया गया था।

राजस्थान में शीतलहर का अलर्ट, बीकानेर में तापमान 4.7°

नई दिल्ली। पहाड़ी राज्यों में दिसंबर की शुरुआत से बर्फबारी का मौसम बन रहा है। इसके चलते मैदानी इलाकों में सर्दी बढ़ने लगी है। मध्य प्रदेश में कल से तापमान और गिर सकता है। इसका असर इंदौर, ग्वालियर, चंबल, उज्जैन और सागर संभाग में सबसे ज्यादा रहेगा और सर्दी बढ़ेगी। इससे पहले मंगलवार को भोपाल और इंदौर में न्यूनतम पारा 9 डिग्री से नीचे रहा। राजस्थान में आज से अगले 3 दिन शीतलहर की चेतावनी है। चूरू, झुंझुनूं और सीकर में कोल्डवेव का यलो अलर्ट रहेगा। मंगलवार को सबसे कम तापमान बीकानेर के पास लूणकरणसर में 4.7 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। इधर हिमाचल में कड़ाके की सर्दी पड़ने लगी है। राज्य के 24 शहरों में तापमान 10 डिग्री से नीचे पहुंच गया है। लाहौल स्पीति के ताबो में बीती रात इस सीजन की सबसे ठंडी रिकॉर्ड की गई। यहां का तापमान माइनस 8 डिग्री रहा। उधर बिहार में पटना, गोपालगंज, बेतिया और समस्तीपुर समेत 8 जिलों में कोहरा छाया हुआ है। बेगूसराय में बादल छाए रहे। लो विजिबिलिटी के चलते 11 फ्लाइट लेट रहीं। मौसम विभाग के अनुसार आने वाले दिनों में तापमान में 2-3 डिग्री तक की गिरावट दर्ज होगी।

चंडीगढ़ में पैरी को भाई ने दी मुखाग्नि

चंडीगढ़। चंडीगढ़ में सेक्टर 26 की टिंबर मार्केट में मारे गए बदमाश इंदरप्रीत सिंह पैरी का आज अंतिम संस्कार हुआ। उसके परिवार के लोगों ने अंतिम दर्शन किए और उसके बाद भाई ने पार्थिव देह को मुखाग्नि दी। अंतिम संस्कार के दौरान पैरी के परिजन और दोस्त काफी रोते दिखे। इससे पहले पैरी का मर्डर से पहले का वीडियो भी सामने आया है। वह सेक्टर 26 में ही एक क्लब से निकलते हुए दिख रहा है। उसके हाथ में सिगरेट है, जिसके कश लगाते वह दिख रहा है। उसके आगे एक सफेद टोपी में युवक भी है, जिसे इंदरप्रीत का दोस्त बताया जा रहा है। टोपी में दिखे शख्स का नाम बल्लू है, जो चंडीगढ़ पीजीआई की मॉर्च्युरी में भी पहुंचा था और इंदरप्रीत के परिवार के साथ काफी देर तक रहा और बातचीत की। युवक की फोटो गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई के साथ भी सामने आई है। पुलिस इससे भी पूछताछ कर सकती है, क्योंकि वह सीसीटीवी इंद्रप्रीत की मरने से पहले की थी। इंद्रप्रीत के साथ दिखाई दिए सभी लोगों से पुलिस पूछताछ कर रही है। बता दें कि बीते दिन हुई वारदात के बाद गैंगस्टर लॉरेंस गैंग ने गोल्डी बराड़ से खुली लड़ाई का ऐलान किया था। लॉरेंस गैंग ने सोशल मीडिया प्लेटफार्म फेसबुक पर एक पोस्ट डालकर इस हत्याकांड की जिम्मेदारी ली है।

जींद यूनिवर्सिटी के 3 प्रोफेसर सस्पेंड, स्टूडेंट्स का यौन शोषण किया, वॉट्सऐप चैट सामने आई

जींद। हरियाणा के जींद में चौधरी रणबीर सिंह यूनिवर्सिटी (CRSU) के अंग्रेजी विभाग के प्रोफेसरों पर छात्राओं के यौन उत्पीड़न का आरोप लगा है। एक छात्रा ने वॉट्सऐप चैट के जरिए इस मामले का खुलासा किया। आरोप है कि प्रोफेसर एक छात्रा पर दबाव बनाकर वॉट्सऐप पर अश्लील बातें करते थे। चैट में छात्रा की सुंदरता और कपड़ों को लेकर भी टिप्पणी की गई थी। उससे पूछा गया था- आर यू वर्जिन? (क्या तुम कुंवारी हो?) इसके बाद विभाग के 3 प्रोफेसरों के सस्पेंड कर दिया गया है। यूनिवर्सिटी के कुलपति ने इंटरनल जांच कमेटी का गठन कर मामले में जांच के आदेश दिए हैं। उन्होंने कहा कि यदि आरोप सही पाए गए तो इन प्रोफेसरों को पूरे देश में कहीं भी नौकरी नहीं मिलेगी। इस मामले में मंगलवार को अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (ABVP) के छात्रों ने प्रदर्शन कर यूनिवर्सिटी में प्रोफेसरों का पुतला भी फूंका। इस मामले में एक छात्रा ने मुख्यमंत्री और राज्यपाल को भी शिकायत दी है। छात्रों की ओर से दी गई शिकायत में साफ लिखा है कि 3 प्रोफेसर लड़कियों से गलत तरीके से बात करते हैं। इस घटना के विरोध में मंगलवार को जींद यूनिवर्सिटी में ABVP ने तीनों आरोपी प्रोफेसरों का पुतला दहन किया। ABVP के नेता रोहन सैनी ने बताया कि 27 नवंबर को इंग्लिश विभाग की 50 से अधिक छात्राएं कुलपति रामपाल सैनी से मिली थीं। इसके बाद कुलपति ने तीनों प्रोफेसरों को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया। कुलपति रामपाल सैनी ने मामले की जांच के आदेश दिए हैं। उन्होंने कहा कि यदि आरोप सही पाए जाते हैं, तो वह सुनिश्चित करेंगे कि ऐसे व्यक्ति को न केवल इस यूनिवर्सिटी में, बल्कि पूरे देश में कहीं भी प्रोफेसर की नौकरी न मिले। उन्होंने इस हरकत को शिक्षक समाज के लिए शर्मनाक बताया और सख्त कार्रवाई का आश्वासन दिया।

भारत-रूस एक-दूसरे का मिलिट्री बेस इस्तेमाल कर सकेंगे

रक्षा समझौते को रूसी संसद की मंजूरी, पुतिन के भारत दौरे से पहले ऐलान

एजेंसी, मॉस्को

रूस की संसद के निचले सदन स्टेट ड्यूमा ने भारत और रूस के बीच हुए एक सैन्य समझौते 'RELOS' को मंजूरी दे दी है। इसके तहत दोनों देशों की सेनाएं एक-दूसरे के मिलिट्री बेस, फैसिलिटीज और संसाधनों का इस्तेमाल और एक्सचेंज कर सकेंगी। इनके विमान, वॉरशिप ईंधन भरने, मिलिट्री बेस पर डेरा डालने या अन्य लॉजिस्टिक सुविधाओं का इस्तेमाल कर सकेंगे। इस पर आने वाला खर्च बराबर-बराबर उठाया जाएगा। यह मंजूरी राष्ट्रपति पुतिन के भारत दौरे से दो दिन पहले दी गई है। यह समझौता इस साल 18 फरवरी को भारत और रूस के बीच किया गया था। पिछले हफ्ते रूसी प्रधानमंत्री मिखाइल मिशुस्तिन ने इसे संसद में मंजूरी के लिए भेजा था।

रूस-भारत एक दूसरे की आसानी से मदद कर सकेंगे: रूसी संसद के स्पीकर ने कहा कि भारत और रूस के रिश्ते बहुत मजबूत हैं और यह समझौता उन रिश्तों को और बेहतर बनाएगा। रूसी सरकार ने भी बताया कि इस समझौते से दोनों देशों की सैन्य साझेदारी ज्यादा मजबूत होगी और जरूरत के समय एक-दूसरे की मदद करना आसान हो जाएगा। इस समझौते के बाद भारत ऐसा पहला देश बन जाएगा, जिसका अमेरिका और रूस के साथ सैन्य इन्फ्रास्ट्रक्चर साझा करने का समझौता होगा। नौसेना प्रमुख एडमिरल दिनेश त्रिपाठी ने मंगलवार को भास्कर के सवाल पर इसकी पुष्टि की। उन्होंने बताया कि रूस के साथ यह समझौता अंतिम चरण में है। इससे अमेरिका-रूस के बीच किसी सैन्य टकराव की नौबत पैदा नहीं होगी।

जंग के समय मिलिट्री बेस इस्तेमाल करने की इजाजत नहीं: इस समझौते के तहत जंग या किसी सैन्य संघर्ष के दौरान मिलिट्री बेस इस्तेमाल करने की इजाजत नहीं होगी। यह सिर्फ लॉजिस्टिक सपोर्ट और पीस-टाइम मिलिट्री कोऑपरेशन के लिए है। लॉजिस्टिक सपोर्ट का मतलब है कि देश एक-दूसरे की सेनाओं को जरूरत पड़ने पर ईंधन, सामान, मरम्मत जैसी मदद दें। वहीं, पीस-टाइम मिलिट्री कोऑपरेशन का मतलब है कि शांतिपूर्ण समय में देशों की सेनाएं मिलकर ट्रेनिंग और सहयोग करें।

क्यों खास है RELOS समझौता: रेसिप्रोकल एक्सचेंज ऑफ लॉजिस्टिक सपोर्ट (RELOS) को दोनों देशों की रणनीतिक साझेदारी में अब तक के सबसे अहम रक्षा समझौतों में से एक माना जा रहा है। यह एक डिफेंस लॉजिस्टिक्स एक्सचेंज समझौता है। इसके जिसके तहत भारत और रूस की सेनाएं एक-दूसरे के सैन्य बेस, बंदरगाह (Ports), एयरफील्ड और सप्लाई पॉइंट का इस्तेमाल कर सकेंगी। यह उपयोग सिर्फ ईंधन भरने, मरम्मत, स्टॉक रिफिल, मेडिकल सपोर्ट, ट्रांजिट और मूवमेंट जैसे कामों के लिए होगा। भारत ने ऐसे ही समझौते अमेरिका (LEMOA), फ्रांस, ऑस्ट्रेलिया, सिंगापुर, दक्षिण कोरिया और कई अन्य देशों के साथ किए हैं। अब रूस भी इसमें शामिल हो रहा है।

अफगानिस्तान- 13 साल के बच्चे से दिलवाई मौत की सजा

एजेंसी, काबुल

अफगानिस्तान के खोस्त प्रांत में मंगलवार को एक स्टेडियम में 80 हजार लोगों के सामने एक अपराधी को गोली मार दी गई। अमू न्यूज के मुताबिक गोली चलाने का काम एक 13 साल के लड़के ने किया। जिस आदमी को 13 साल के लड़के ने मारा, उस पर आरोप था कि उसने उसके परिवार के 13 लोगों की हत्या की थी। इसमें कई बच्चें और महिलाएं भी थीं। फांसी से पहले तालिबान अधिकारियों ने उस 13 साल के बच्चे से पूछा कि क्या वह आरोपी को माफ करना चाहता है। बच्चे ने इनकार कर दिया। इसके बाद अधिकारी ने बच्चे को बंदूक देकर सामने खड़े शख्स पर गोली चलाने को कहा।

❐ 80 हजार लोग देखने जुटे, दोषी ने बच्चे के 13 परिजन की जान ली थी

मरने और मारने वाले दोनों रिश्तेदार थे: तालिबान की सुप्रीम कोर्ट के मुताबिक मारा गया आदमी मंगाल खान था। उसने अब्दुल रहमान नाम के शख्स की हत्या की थी। खोस्त पुलिस प्रवक्ता मुस्तगफिर गोरबाज के मुताबिक, मरने और मारने वाले दोनों रिश्तेदार थे। इस मामले में दो और दोषियों को भी मौत की सजा सुनाई गई है, लेकिन उन्हें फांसी इसलिए नहीं हो पाई क्योंकि पीड़ितों के कुछ वारिस उस समय मौजूद नहीं थे। इससे एक दिन पहले तालिबान ने आम लोगों को नोटिस जारी कर सार्वजनिक रूप से यह घटना देखने के लिए बुलाया था। इसमें लोगों को खोस्त के सेंट्रल स्टेडियम में जुटने को कहा गया था। मंगला खान को मौत की सजा मिलने के बाद तालिबान के सुप्रीम कोर्ट ने प्रेस रिलीज कर घटना की जानकारी दी है। इसमें बताया गया है कि सार्वजनिक रूप से किसास (जान के बदले जान) की सजा के तौर पर एक कातिल को मार दिया गया है। अपराधी मंगाल खान मूल रूप से पकतिया प्रांत का था और खोस्त में रह रहा था। उसने खोस्त के ही अब्दुल रहमान, साबित, और अली खान की हत्या की थी।

गुजरात के भावनगर में कॉम्प्लेक्स में आग, 19 का रेस्क्यू

एजेंसी, अहमदाबाद

गुजरात के भावनगर में बुधवार सुबह एक कॉम्प्लेक्स में आग लग गई। बेसमेंट में शुरू हुई आग देखते ही देखते पूरी बिल्डिंग में फैल गई। इसमें 4 अस्पताल और कई दुकानें हैं। आग के फैलते ही फर्स्ट फ्लोर के अस्पताल की खिड़की तोड़कर नवजातों को चादर में लपेटकर बाहर निकाला। वहीं दूसरे अस्पताल से भी मरीजों का रेस्क्यू किया गया। प्रशासन के मुताबिक, घटना में किसी तरह की जनहानि नहीं हुई है। इमारत से धुआं फैलने के कारण मरीजों को दूसरी जगह शिफ्ट किया गया। आग लगने के कारणों की जांच शुरू कर दी गई है।

❐ बिल्डिंग में 4 अस्पताल, फर्स्ट फ्लोर की खिड़की से बच्चों को चादर में लपेटकर निकाला

19-20 लोगों का रेस्क्यू: फायर अधिकारी प्रद्युम्नसिंह के मुताबिक अब तक 19-20 लोगों का रेस्क्यू किया गया है। आग बुझाने के काम में 5 फायर फाइटर और 50 से ज्यादा कर्मचारी लगे थे। बिल्डिंग में मौजूद अस्पताल में से नवजात बच्चों का रेस्क्यू भी किया गया है। इन्हें चादर में लपेट कर ड्रिप के साथ ही बाहर निकाला गया।

निगम कमिश्नर बोले- फ्लोर पर जमा कचरे में आग लगी थी: नगर निगम कमिश्नर एन.वी. मीना ने बताया कि आग ग्राउंड फ्लोर पर जमा कचरे में लगी थी, जिसका धुआं अस्पतालों में पहुंच गया। फिलहाल आग के कारणों की जांच के आदेश दे दिए गए हैं।

ट्रम्प के दामाद के साथ पुतिन की 5 घंटे बैठक, रूसी राष्ट्रपति बोले- डोनबास लिए बिना कोई शांति नहीं

एजेंसी, मॉस्को

रूस में राष्ट्रपति पुतिन और अमेरिका के विशेष दूत स्टीव विटकॉफ और राष्ट्रपति ट्रम्प के दामाद जैरेड कुशनर के बीच मंगलवार को यूक्रेन युद्ध को लेकर पांच घंटे बैठक हुई। इतनी लंबी बैठक के बाद भी दोनों पक्ष किसी समझौते पर नहीं पहुंचे। पुतिन के फॉरेन पॉलिसी एडवाइजर यूरी उशाकोव ने कहा कि बातचीत फायदेमंद रही, लेकिन अभी तक कोई ऐसा प्रस्ताव सामने नहीं आया जिस पर सहमति बन सके। पुतिन का साफ कहना है जब तक यूक्रेन, रूस को डोनबास का इलाका नहीं सौंपेगा कोई समझौता नहीं होगा। उशाकोव ने बताया कि पुतिन ने अमेरिकी शांति प्रस्ताव के कुछ हिस्सों से सहमति जताई, लेकिन कई बातों पर साफ तौर पर नापसंदगी दिखाई। उनके मुताबिक अभी कई मुद्दों पर और काम करना होगा।

पुतिन-ट्रम्प की बैठक तय नहीं: उशाकोव ने यह भी कहा कि फिलहाल पुतिन और ट्रम्प की कोई नई बैठक तय नहीं है और आगे यह इस बात पर निर्भर करेगा कि शांति योजना पर कितना डेवलपमेंट होता है। जब ये बातचीत चल रही थी, उसी समय यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की ने सोशल मीडिया पर कहा कि यूक्रेन अमेरिकी प्रतिनिधिमंडल की ओर से मिलने वाले इशारे का इंतजार कर रहा है। उन्होंने कहा कि अमेरिकी अधिकारी बातचीत के बाद सीधे यूक्रेन को बताएंगे कि बैठक में क्या हुआ और उसके बाद ही यूक्रेन अपना अगला कदम तय करेगा। यूक्रेन के एक अधिकारी ने कहा कि उन्हें पहले से अंदाजा था कि पुतिन का रुख कैसा रहेगा। वे कुछ बातों पर कुछ बातों पर सहमति और कुछ पर सख्त आपत्ति जताएंगे। अब असली सवाल यह है कि अमेरिका इस पर कैसे रिस्पांस करता है।

जंग रोकने पर फैसला नहीं

स बैठक से ठीक पहले पुतिन ने यूरोप पर आरोप लगाया कि वह अमेरिका की शांति योजना में ऐसे बदलाव कर रहा है जिससे बातचीत आगे न बढ़ सके। पुतिन ने यह भी कहा कि रूस युद्ध नहीं चाहता, लेकिन अगर यूरोप लड़ाई शुरू करना चाहता है, तो रूस तैयार है। उधर, व्हाइट हाउस ने बैठक से पहले कहा था कि उन्हें उम्मीद है कि बातचीत से कुछ डेवलपमेंट हो सकता है। अमेरिकी अधिकारियों ने हाल ही में यूक्रेनी प्रतिनिधियों से फ्लोरिडा में मुलाकात की थी, जहां शांति योजना में कई बदलावों पर चर्चा हुई। बताया जा रहा है कि मौजूदा शांति योजना पहले की 28 बिंदुओं वाली योजना में सुधार करके बनाई गई है, क्योंकि पुरानी योजना को यूक्रेन और यूरोपीय देशों ने रूस के पक्ष में बताया था। जेलेंस्की इस समय यूरोपीय देशों से भी बात कर रहे हैं। उन्होंने फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों से मुलाकात की और आयरलैंड पहुंचकर वहां के प्रधानमंत्री से मिलने वाले हैं। उनका कहना है कि यूक्रेन किसी भी कूटनीतिक प्रयास को बेहद गंभीरता से ले रहा है और उसकी पूरी कोशिश है कि एक मजबूत शांति और सुरक्षा गारंटी मिले। उन्होंने यह भी कहा कि रूस शांति से पहले भ्रम फैलाने की कोशिश कर रहा है ताकि दूसरे देशों को प्रभावित किया जा सके।

फोन में पहले से इंस्टॉल नहीं मिलेगा संचार साथी एप, सरकार ने फैसला वापस लिया

एजेंसी, नई दिल्ली

केंद्र सरकार ने मोबाइल फोन पर 'संचार साथी' एप के प्री-इंस्टॉलेशन (पहले से डाउनलोड) के फैसले को वापस ले लिया है। टेलिकॉम डिपार्टमेंट ने कहा कि संचार साथी एप की बढ़ती लोकप्रियता को देखते हुए सरकार ने मोबाइल बनाने वाली कंपनी के लिए प्री-इंस्टॉलेशन की अनिवार्यता खत्म कर दी है। टेलिकॉम डिपार्टमेंट ने बताया कि बुधवार दोपहर 12 बजे तक 1.40 करोड़ डाउनलोड हो चुके हैं। दो दिन में अपनी मर्जी से एप डाउनलोड करने वालों की संख्या में 10 गुना बढ़ोतरी हुई है। उधर केंद्रीय संचार मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने बुधवार को लोकसभा में कहा कि संचार साथी एप से जासूसी करना न तो संभव है, न ही जासूसी होगी। सिंधिया ने एप को लेकर कांग्रेस नेता दीपेंद्र सिंह हुड्डा के सवालों के जवाब पर कहा- फीडबैक पर मंत्रालय ने एप इंस्टॉल करने के आदेश में बदलाव किया है।

विपक्ष ने कहा था- इससे जासूसी हो सकती है

संचार साथी एप को लेकर पूरा विवाद 28 नवंबर को शुरू हुआ, जब दूरसंचार विभाग (DoT) ने सभी मोबाइल फोन निर्माताओं को एक आदेश जारी किया था। इसमें कंपनियों को भारत में बेचे जाने वाले सभी नए मोबाइल फोन के साथ-साथ मौजूदा हैंडसेटों में सॉफ्टवेयर अपडेट के जरिए एप इंस्टॉल करना कंपलसरी कर दिया था।

विपक्ष का आरोप- यह एक जासूसी एप: विपक्ष ने इसे नागरिकों की 'जासूसी' का प्रयास बताते हुए केंद्र सरकार पर 'तानाशाही' थोपने का आरोप लगाया। कांग्रेस सांसद रेणुका चौधरी ने मंगलवार को राज्यसभा में कार्यस्थगन प्रस्ताव दिया। हालांकि इस पर चर्चा नहीं हो सकी। कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी ने कहा- यह कदम लोगों की प्राइवेसी पर सीधा हमला है। यह एक जासूसी एप है। सरकार हर नागरिक की निगरानी करना चाहती है। साइबर धोखाधड़ी रोकने लिए सिस्टम जरूरी है, लेकिन सरकार का यह आदेश लोगों की निजी जिंदगी में अनावश्यक दखल जैसा है। विपक्ष के सवालों के बीच सिंधिया ने मंगलवार को संसद में कहा- यह एप ऑप्शनल है। आप जब चाहें इसे अपने फोन से हटा सकते हैं। अगर इस्तेमाल न करना चाहें तो एप पर रजिस्ट्रेशन न करें। रजिस्टर नहीं करेंगे तो एप इनएक्टिव रहेगा। यह एप केवल वही नंबर या SMS लेता है जिसे यूजर खुद फ्रॉड या स्पैम रिपोर्ट करता है, इससे बाहर कुछ नहीं लेता। वहीं, भाजपा सांसद संबित पात्रा ने कहा- यह एप व्यक्तिगत डेटा और मैसेज नहीं पढ़ता और न कॉल सुनता है। यह फ्रॉड रोकने, चोरी के मोबाइल ट्रैक करने और फर्जी सिम पहचानने के लिए है।

भाजपा ने सोनिया गांधी नाम की महिला को उम्मीदवार बनाया

एजेंसी, नई दिल्ली

केरल के मुन्नार का पंचायत चुनाव चर्चा में है। इसकी वजह है कि यहां के नल्लतथानी वार्ड से बीजेपी की उम्मीदवार का नाम सोनिया गांधी हैं। यह नाम भले कांग्रेस की पूर्व अध्यक्ष जैसा हो, लेकिन दोनों का आपस में कोई संबंध नहीं है। 34 साल की सोनिया गांधी मुन्नार की ही रहने वाली हैं। उनके पिता ने कांग्रेस नेता सोनिया गांधी के नाम पर बेटी का नाम रखा था। फिर बेटी की शादी भाजपा नेता से की। अब भाजपा ने सोनिया को वार्ड मेंबर का उम्मीदवार बनाया है। केरल में स्थानीय निकाय के चुनाव दो फेज में है। इसके लिए वोटिंग 9 और 11 दिसंबर को होगी। नतीजे 13 दिसंबर को घोषित किए जाएंगे। सोनिया का जन्म 1991 में कांग्रेस समर्थक और स्थानीय मजदूर दुरे राज के घर हुआ था। दुरे राज कांग्रेस नेता सोनिया गांधी से प्रभावित थे, इसलिए उन्होंने अपनी बेटी को भी वही नाम दे दिया। सोनिया की शादी बीजेपी नेता और पंचायत के जनरल सेक्रेटरी सुभाष से हुई। शादी के बाद सोनिया भी सक्रिय रूप से BJP की राजनीति से जुड़ गईं। सोनिया ने अपने पति और BJP कार्यकर्ता सुभाष के पदचिन्हों पर चलते हुए राजनीति में कदम रखा है।

♦ केरल में पंचायत चुनाव लड़ेंगी, पिता ने कांग्रेस नेता से प्रभावित होकर नाम रखा था

'अल-फलाह यूनिवर्सिटी में पाकिस्तान जिंदाबाद के नारे लगते थे'

एजेंसी, फरीदाबाद

दिल्ली ब्लास्ट मामले में फरीदाबाद की अल-फलाह यूनिवर्सिटी जांच एजेंसियों के रडार पर है। यहां के एक पूर्व नर्सिंग स्टाफ ने दावा किया है कि यूनिवर्सिटी के मेडिकल कॉलेज-अस्पताल में रोजाना 100 से 150 तक मरीजों की फर्जी फाइलें तैयार की जाती थीं। यह काम आतंकी मॉड्यूल से जुड़े डॉ. मुजम्मिल शकील और सुसाइड बॉम्बर बने डॉ. उमर नबी के निर्देश पर होता था। जो कर्मचारी इन आदेशों का पालन नहीं करते थे, उन्हें ऐबसेंट दिखाकर सैलरी काट दी जाती थी।

कर्मचारी के मुताबिक, यूनिवर्सिटी में हिंदू स्टाफ के साथ भेदभाव किया जाता था। रात की ड्यूटी में शामिल कश्मीरी मेडिकल स्टाफ और कुछ डॉक्टर अक्सर पाकिस्तान की तारीफ करते थे। कई बार पाकिस्तान जिंदाबाद के नारे तक लगा देते थे। सूत्रों के अनुसार, डॉ. शाहीन सईद कई बार डॉ. मुजम्मिल के साथ एनआईटी मार्केट से विस्फोटक और संदिग्ध सामान खरीदने जाती थी। जांच एजेंसियां अब इनके मूवमेंट, खरीदे गए सामान और संपर्कों की गहराई से जांच कर रही हैं।

राजस्थान के रहने वाले लक्ष्मण ने साल 2025 में 14 जुलाई को अल-फलाह यूनिवर्सिटी के मेडिकल कॉलेज में जॉइन किया था। लेकिन 25 अक्तूबर को उसने नौकरी छोड़ दी। वह यहां पर नर्सिंग स्टाफ में काम करता था। मेडिकल कॉलेज में उसकी ड्यूटी अस्पताल के आईसीयू में होती थी।

प. बंगाल में 32000 टीचर्स की नौकरी नहीं जाएगी कोर्ट बोला- नौकरी छीनने से परिवार पर असर

एजेंसी, नई दिल्ली

पश्चिम बंगाल में 32000 प्राइमरी टीचर्स की नौकरी अब नहीं जाएगी। कलकत्ता हाई कोर्ट की एक डिवीजन बेंच ने बुधवार को 2023 का फैसला पलट दिया। जस्टिस तपब्रत चक्रवर्ती और रीताब्रत कुमार मित्रा की बेंच ने कहा कि 9 साल बाद नौकरी खत्म करने का प्राइमरी टीचरों और उनके परिवारों पर बहुत बड़ा असर पड़ेगा। दरअसल 2023 में जस्टिस अभिजीत गंगोपाध्याय की सिंगल बेंच ने 2016 में भर्ती हुए टीचरों की नियुक्तियों को रद्द कर दिया था। इस भर्ती के खिलाफ कुछ कैंडीडेट ने हाईकोर्ट में याचिका लगाई थी। पिटीशनर्स का आरोप था कि प्राइमरी एजुकेशन बोर्ड ने सिलेक्शन प्रोसेस में फ्रॉड किया था। हालांकि डिवीजन बेंच ने कहा कि वह सिंगल बेंच के आदेश को बरकरार रखने के पक्ष में नहीं है, क्योंकि सभी भर्तियों में अनियमितताएं साबित नहीं हुई हैं। इन टीचरों की भर्ती 2016 में पश्चिम बंगाल बोर्ड ऑफ प्राइमरी एजुकेशन ने 2014 के टीचर्स एलिजिबिलिटी टेस्ट (TET) पैनल के जरिए की थी।

कलकत्ता हाईकोर्ट ने 2023 का फैसला पलटा

कलकत्ता हाईकोर्ट का आदेश, 2 पॉइंट में: कोर्ट ने कहा कि CBI को मामले की जांच करने का निर्देश दिया गया था। जांच एजेंसी ने शुरू में 264 अपॉइंटमेंट की पहचान की जिन्हें एक एक्स्ट्रा मार्क दिया गया था। जांच एजेंसी को अब तक कोई सबूत नहीं मिला है कि बाहरी संस्थाओं के निर्देशों के तहत मार्क दिए गए थे। पहचाने गए कैंडिडेट्स के अलावा, 96 और टीचर्स के नाम एजेंसी की जांच के दायरे में आए जिनकी नौकरियां बाद में सुप्रीम कोर्ट के आदेश के तहत बहाल कर दी गईं। कोर्ट ने कहा कि ऊपर दिए गए सबूत पूरे सिलेक्शन प्रोसेस को कैंसिल करने के लिए आधार नहीं बनाते हैं।

पूरा विवाद क्या है: साल 2016 में, पश्चिम बंगाल बोर्ड ऑफ प्राइमरी एजुकेशन (WBBPE) ने प्राइमरी स्कूलों के लिए बड़ी संख्या में भर्ती की। कुल मिलाकर लगभग 42,500 शिक्षक नियुक्त हुए थे। इनमें से 6,500 शिक्षक वे थे जिन्होंने आवाश्यक डिग्री से नियुक्ति पाई थी। वहीं 32,000 टीचर्स को अयोग्य माना गया। उनकी नियुक्ति को लेकर सवाल खड़े हुए। कुछ अभ्यर्थियों ने आरोप लगाया कि भर्ती प्रक्रिया में अनियमितताएं हुईं। जैसे कि अप्रशिक्षित लोगों को नौकरी दे दी गई या अनुभव-योग्यता की जांच सही नहीं हुई। 12 मई 2023 को सिंगल बेंच ने उन 32,000 शिक्षकों की नियुक्तियां रद्द करने का आदेश दिया। उस आदेश में कहा गया था कि अगर वे दोबारा इंटरव्यू / एग्जाम पास करें तो उन्हें नौकरी लौटाई जा सकती है। वरना उन्हें नौकरी गंवानी होगी। लेकिन 19 मई 2023 को हाई कोर्ट की एक डिवीजन-बेंच ने उस आदेश पर अंतरिम स्टे दे दिया। यानी तत्काल बर्खास्ती पर रोक लगी रही।

हिन्दी दैनिक
राष्ट्रीय मुख्यधारा
अख़बार भी, आन्दोलन भी
RNI : JHAHIN/2014/54374

विराट कोहली ने रायपुर में जड़ा लगातार दूसरा शतक, लगाई रिकॉर्डों की झड़ी

359 चेज कर रही साउथ अफ्रीका का स्कोर 197/3:ऐडन मार्करम 110 रन बनाकर आउट, हर्षित राणा ने कैच आउट कराया

एजेंसी, रायपुर

विराट कोहली और ऋतुराज गायकवाड के शतकों की बदौलत भारत ने दूसरे वनडे में साउथ अफ्रीका को 359 रन का टारगेट दिया। साउथ अफ्रीका ने 29 ओवर में 2 विकेट खोकर 190 रन बना लिए हैं। ऐडन मार्करम और मैथ्यू ब्रीट्जकी क्रीज पर हैं। मार्करम ने शतक पूरा कर लिया है। टेम्बा बावुमा 46 रन बनाकर आउट हुए, उन्हें प्रसिद्ध कृष्णा ने कैच कराया। वहीं क्विंटन डी कॉक को अर्शदीप सिंह ने कैच कराया, वे 8 रन ही बना सके। रायपुर के शहीद वीर नारायण सिंह स्टेडियम में बुधवार को भारतीय टीम ने लगातार 20वें वनडे में टॉस गंवाया। साउथ अफ्रीका ने टॉस जीतकर पहले बॉलिंग का फैसला किया। टीम

इंडिया ने 50 ओवर में 5 विकेट पर 358 रन बनाए। विराट कोहली (102 रन) ने लगातार दूसरे मैच में शतक लगाया। ऋतुराज गायकवाड ने भी 105 रनों की पारी खेली। उन्होंने वनडे करियर का पहला शतक लगाया।

कोहली का वनडे में 53वां शतक- विराट कोहली ने 90 बॉल पर शतक पूरा किया। उन्होंने मिडऑन पर बैकफुट पंच करके एक रन लिया और शतक पूरा किया। फिर अपने अंदाज में छलांग लगाई और रिंग चूमकर सेलिब्रेशन किया। कोहली ने वनडे करियर में 53वां शतक लगाया। उनके इंटरनेशनल क्रिकेट में 84 शतक हो चुके हैं। कोहली ने इंटरनेशनल क्रिकेट में 84वां शतक लगाया है।

प्लेइंग-11

भारतः केएल राहुल (कप्तान, विकेटकीपर), रोहित शर्मा, यशस्वी जायसवाल, विराट कोहली, ऋतुराज गायकवाड, वॉशिंगटन सुंदर, रवींद्र जडेजा, हर्षित राणा, कुलदीप यादव, अर्शदीप सिंह और प्रसिद्ध कृष्णा।

साउथ अफ्रीकाः टेम्बा बावुमा (कप्तान), क्विंटन डी कॉक, ऐडन मार्करम, मैथ्यू ब्रीट्जकी, टोनी डी जॉर्जी, डेवाल्ड ब्रेविस, मार्को यानसन, कॉर्बिन बॉश, केशव महाराज, नांद्रे बर्गर और लुंगी एनगिडी।

एथलीट संजना और उनके कोच संदीप डोपिंग मामले में अस्थायी रूप से निलंबित

एजेंसी, नई दिल्ली

हाल ही में रांची में आयोजित दक्षिण एशियाई एथलेटिक्स सीनियर चैम्पियनशिप में दो स्वर्ण पदक जीतने वाली 18 वर्षीय एथलीट संजना सिंह और उनके कोच संदीप मान को डोपिंग उल्लंघन के चलते अस्थायी निलंबन का सामना करना पड़ा है। यह एक दुर्लभ मामला है, जिसमें एथलीट के साथ उसके कोच को भी सज़ा दी गई है। संजना, जिन्होंने अक्टूबर में हुई प्रतियोगिता में महिलाओं की 1500 मीटर और 5000 मीटर रेस में स्वर्ण पदक जीते थे, उनके सैंपल में दो प्रतिबंधित स्टेरॉयड — मिथैंडीनोन और ऑक्सांड्रोलोन — पाए गए। इसके बाद राष्ट्रीय एंटी-डोपिंग एजेंसी (नाडा) ने उन्हें अस्थायी रूप से निलंबित कर दिया है। 23 दिसंबर को 19 वर्ष की होने वाली संजना का नाम नाडा की वेबसाइट पर ताज़ा अपडेट में दर्ज किया गया है। नाडा ने एक एथलेटिक्स कोच संदीप के खिलाफ भी कार्रवाई की है, जिन्हें "प्रतिबंधित पदार्थों की तस्करी या तस्करी के प्रयास" के आरोप में अस्थायी निलंबन दिया गया है। माना जा रहा है कि यह वही संदीप मान हैं, जिनके तहत संजना हरियाणा के रोहतक में प्रशिक्षण लेती हैं। इसके अलावा, मध्य दूरी धावक हिमांशु राठी को भी मेफ़ेंटर्मिन नामक प्रतिबंधित उत्तेजक पदार्थ के लिए पॉजिटिव पाए जाने पर अस्थायी निलंबित किया गया है। त्रिपल जम्पर

शीना वार्की ने लिगैंड्रोल के उल्लंघन के मामले में 'केस रेजोल्यूशन एग्रीमेंट' के तहत 3 साल के प्रतिबंध को स्वीकार कर लिया है। केरल की 33 वर्षीय एथलीट ने इस वर्ष उत्तराखंड नेशनल गेम्स में रजत पदक जीता था। एक अन्य एथलीट बसंती कुमारी, जिन्होंने 2025 वर्ल्ड यूनिवर्सिटी गेम्स में मैराथन में हिस्सा लिया था, उनके सैंपल में 19-नोरएंड्रोस्टेरोन पाया गया है। वहीं, हाल ही में खेलो इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स में स्वर्ण पदक जीतने वाले वेटलिफ्टर शंकर लोगेस्वरन को ड्रोस्टेनोलोन स्टेरॉयड के लिए पॉजिटिव पाए जाने पर अस्थायी निलंबन झेलना पड़ा है।

एमएलसीः सिएटल ऑर्काज़ के नए कोच बने एडम वोगेस

एजेंसी, नई दिल्ली

वेस्टर्न ऑस्ट्रेलिया के पूर्व मुख्य कोच एडम वोगेस अगले सीज़न से मेजर लीग क्रिकेट (एमएलसी) में सिएटल ऑर्काज़ की कमान संभालेंगे। ऑर्काज़ ने लगातार पाँच मैच हारने के बाद ऑस्ट्रेलियाई कोच मैथ्यू मोट को बर्खास्त किया था, जिसके बाद वोगेस को यह जिम्मेदारी सौंपी गई है। वोगेस ने हाल ही में घोषणा की थी कि वह मौजूदा घरेलू सीज़न के बाद वेस्टर्न ऑस्ट्रेलिया के मुख्य कोच पद से हट जाएंगे। ऐसे में उनके एमएलसी की किसी टीम के साथ जुड़ने की संभावना पहले से ही जताई जा रही थी। वोगेस ने फ्रेंजाइजी के हवाले से कहा, "मैं सिएटल ऑर्काज़ के साथ जुड़कर काफी उत्साहित हूं। एमएलसी लगातार आगे बढ़ रहा है और मैं टीम को मैदान के अंदर और बाहर सफलता दिलाने की कोशिश करूंगा।" 2018 में जस्टिन लैंगर की जगह लेने के बाद से वोगेस

ने वेस्टर्न ऑस्ट्रेलिया को अभूतपूर्व सफलता दिलाई। उनकी कोचिंग में टीम ने कई खिताब अपने नाम किए और उन्हें भविष्य में ऑस्ट्रेलिया के मुख्य कोच एंड्रयू मैकडॉनल्ड के उत्तराधिकारी के रूप में देखा जा रहा है। मैकडॉनल्ड का वर्तमान अनुबंध 2027 तक है, लेकिन वह इसके आगे बढ़ाने के इच्छुक नहीं माने जा रहे। वोगेस ऑस्ट्रेलिया ए और राष्ट्रीय टीम के साथ भी कोचिंग का अनुभव रख चुके हैं। साथ ही, उन्होंने अपनी टी20 फ्रेंचाइज़ी कोचिंग यात्रा की शुरुआत 'द हंड्रेड' में ट्रेंट रॉकेट्स के सहायक कोच के रूप में की है। वेस्टर्न ऑस्ट्रेलिया क्रिकेट वोगेस को अपने बीबीएल फ्रेंचाइज़ी पर्थ स्कॉर्चर्स के कोच के रूप में बनाए रखने पर भी बातचीत कर रहा है। उनके नेतृत्व में स्कॉर्चर्स ने बीबीएल 11 और बीबीएल 12 के खिताब जीते थे। एक खिलाड़ी के तौर पर भी वोगेस दो बार टीम को चैंपियन बना चुके हैं। वोगेस के हटने के बाद ब्यू कैसन और टिम मैकडोनाल्ड वेस्टर्न ऑस्ट्रेलिया के नए मुख्य कोच के दावेदार हो सकते हैं। टेस्ट क्रिकेट में 61.87 की औसत से 20 मैच खेलने वाले वोगेस का मुख्य लक्ष्य ऑर्काज़ को फिर से शीर्ष पर पहुंचाना होगा। 2023 में फाइनल खेलने वाली यह टीम 2024–25 में सिर्फ 17 में से 4 मैच जीत सकी थी। सिएटल ऑर्काज़ के प्रमुख हेमंत दुआ ने कहा, "हम एडम वोगेस का स्वागत करते हुए बेहद उत्साहित हैं। वह जीत का मजबूत रिकॉर्ड, विश्वस्तरीय खिलाड़ियों को तैयार करने की क्षमता और टी20 फ्रेंचाइज़ी क्रिकेट की गहरी समझ लेकर आ रहे हैं। हमें विश्वास है कि उनकी शांत स्वभाव और रणनीतिक बुद्धिमत्ता टीम को खिताब तक ले जाने में मदद करेगी।"

सिएटल ऑर्काज़ का सह- स्वामित्व जीएमआर ग्रुप और जेएसडब्ल्यू स्पोर्ट्स के पास भी है, जो आईपीएल और डब्ल्यूपीएल की दिल्ली कैपिटल्स, एसए 20 की प्रिटोरिया कैपिटल्स और आईएलटी 20 की दुबई कैपिटल्स के भी सह-मालिक हैं।

एफआईएच हॉकी जूनियर विश्व कप 2025: स्विट्ज़रलैंड को 5-0 से हराकर भारत क्वार्टरफाइनल में

» 05 दिसंबर को बेल्जियम से भिड़ंत

एजेंसी, चेन्नई/मदुरै

भारतीय जूनियर पुरुष हॉकी टीम ने एफआईएच हॉकी पुरुष जूनियर विश्व कप तमिलनाडु 2025 में अपने शानदार अपराजित अभियान को जारी रखते हुए मंगलवार को स्विट्ज़रलैंड को 5-0 से मात देकर क्वार्टरफाइनल में जगह पक्की कर ली। रोहित की कप्तानी और पी.आर. श्रीजेश की कोचिंग में खेल रही भारतीय टीम अब 05 दिसंबर को बेल्जियम से मुकाबला करेगी।

मैच की दमदार शुरुआतः मनमीत सिंह और शारदानंद तिवारी की चमक- भारत ने मैच की शुरुआत से ही दबदबा बनाए रखा। मुकाबले का पहला गोल दूसरे ही मिनट में जन्मदिन मना रहे मनमीत सिंह ने दागा। उन्होंने 11वें मिनट में एक और शानदार फील्ड

गोल कर भारत को 2-0 की बढ़त दिला दी।

इसके तुरंत बाद, 13वें मिनट में शारदानंद तिवारी ने पेनल्टी कॉर्नर को गोल में बदलकर स्कोर 3-0 कर दिया। साइक्लोन के बावजूद बड़ी संख्या में पहुंचे दर्शकों को भारतीय खिलाड़ियों के तेजतर्रार खेल ने रोमांचित कर दिया।

हाफटाइम से पहले भारत का दबदबा कायम- पिछले मैच में ओमान के खिलाफ हैट्रिक लगाने वाले अर्शदीप सिंह ने 28वें मिनट में भारत का चौथा गोल दागा। उधर, गोलकीपर प्रिंस दीप सिंह ने स्विट्ज़रलैंड के कई हमलों को शानदार बचाव से नाकाम किया।

चौथे क्वार्टर में भी नहीं रुका भारत का आक्रमण- भारत ने आखिरी क्वार्टर में भी अपना दबदबा बनाए रखा। 54वें मिनट में शारदानंद तिवारी ने एक और पेनल्टी कॉर्नर को गोल में बदलते हुए न सिर्फ टीम का पांचवां गोल दागा, बल्कि 'प्लेयर ऑफ द मैच' भी बने। इससे मैच पूरी तरह भारत के पक्ष में मुहर लग गई और स्विट्ज़रलैंड वापसी की कोशिश भी नहीं कर सका।

नॉकआउट से पहले भारत का धमाकेदार प्रदर्शन- भारत इससे पहले चिली को 7-0 और ओमान को 17-0 से हराकर नॉकआउट चरण में प्रवेश कर चुका है। स्विट्ज़रलैंड पर 5-0 की बड़ी जीत ने टीम के आत्मविश्वास को और मजबूत किया है।

अब असली अग्निपरीक्षा - क्वार्टरफाइनल में बेल्जियम से भिड़ंत- भारत 05 दिसंबर को चेन्नई में क्वार्टरफाइनल में उतरेगा, जहां उसका सामना मजबूत टीम बेल्जियम से होगा। टीम की लगातार फॉर्म और आक्रामक खेल को देखते हुए भारतीय दर्शकों को एक रोमांचक मुकाबले की उम्मीद है।

संक्षिप्त

राणा को इस खूबी के कारण मिल रहे अवसर : संदीप

नई दिल्ली। ऑलराउंडर हर्षित राणा को लेकर भारतीय क्रिकेट टीम के मुख्य कोच गौतम गंभीर पिछले काफी समय से निशाने पर रहे हैं। कई पूर्व क्रिकेटरों का कहना है कि गंभीर के कारण ही हर्षित को टीम में जगह मिल रही है जबकि उनसे बेहतर प्रदर्शन वाले खिलाड़ी बाहर है। हर्षित ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ रांची में हुए पहले एकदिवसीय में तीन विकेट लिए थे। वहीं अब पूर्व तेज गेंदबाज संदीप शर्मा ने बताया है कि हर्षित जैसे खिलाड़ियों को क्यों इतने अधिक अवसर मिलते हैं। संदीप ने कहा कि हर्षित का चयन वर्तमान प्रदर्शन पर नहीं, बल्कि भविष्य की योजनओं को देखते हुए हुआ है। उन्होंने कहा कि एक बार जब चयनकर्ता किसी खिलाड़ी में कोई विशेष खूबी को पहचान लेते हैं तो उस खिलाड़ी में उस कला का परिपक्व होने के लिए प्रयाप्त समय देने के साथ ही खिलाड़ी को अवसर देते हैं। यही अभी हर्षित के साथ हो रहा है। संदीप ने कहा था, "आप या तो एक कौशल या प्रतिभा को पहचानते हैं या एक बार जब आप उसे पहचान लेते हैं, तो आप उसे परिपक्व होने के लिए काफी समय देते हैं। उसके साथ यही हुआ है। वह 140 से ज़्यादा की गति से गेंदबाजी करता है, उसकी लंबाई अच्छी है और वह काफी मजबूत है। ऐसे में अगर आप उसके साथ कुछ साल काम करें, तो वह बहुत अच्छा गेंदबाज बन सकता है।" संदीप ने कहा कि तेज गेंदबाजों को तैयार करना हमेशा एक जुए की तरह होता है और चयनकर्ता जानबूझकर यह खतरा उठाते हैं। उन्होंने बताया था, अगर आप ऐसे पांच खिलाड़ी चुनते हैं, तो सिर्फ एक या दो ही अच्छा करते हैं। तीन या चार बार आप गलत होंगे। इसीलिए चयनकर्ताओं के लिए यह मुश्किल है, क्योंकि उन्हें अवसर लेने पड़ते हैं। वह 23 से 24 साल का है और उसे खेलना होगा, कुछ हिट्स लेने होंगे और आगे बढ़ना होगा।

प्रीमियर लीग 2025-26: एर्लिंग हॉलैंड ने रचा इतिहास, मैनचेस्टर सिटी ने फुलहम को 5-4 से हराया

एजेंसी, मैनचेस्टर

मैनचेस्टर सिटी के स्टार स्ट्राइकर एर्लिंग हॉलैंड ने मंगलवार को प्रीमियर लीग में सबसे तेज़ 100 गोल पूरे कर नया इतिहास रच दिया। उनकी इस उपलब्धि के बाद सिटी ने फुलहम के ज़बरदस्त दूसरे हाफ़ के संघर्ष को पीछे छोड़ते हुए रोमांचक मुकाबले में 5-4 से जीत दर्ज की। सिटी की ओर से फिल फोडेन ने दो गोल दागे, तिज्जानी रीजेंडर्स ने एक गोल किया, जबकि सैंडर बर्ज का आत्मघाती गोल टीम के लिए मददगार रहा। इस जीत के साथ सिटी 28 अंकों के साथ दूसरे स्थान पर बनी हुई है। शीर्ष पर मौजूद आर्सेनल के 30 अंक हैं, जो बुधवार को ब्रेंटफोर्ड से भिड़ेगी। क्रेवन कॉटेज में सिटी 5-1 की बढ़त बना चुकी थी, लेकिन फुलहम ने दूसरे हाफ़ में

ज़बरदस्त वापसी करते हुए तीन गोल दागे। सैमुएल चुकवुएज़े ने दो गोल किए, जबकि अलेक्स इवोबी ने एक गोल किया। इंजरी टाइम में जोस्को ग्वार्डिओल ने गोल लाइन पर शानदार बचाव कर सिटी को जीत दिलाई। हॉलैंड ने 17वें मिनट में बाएँ पैर से जोरदार शॉट लगाकर स्कोरिंग शुरू की। इसके बाद 37वें मिनट में रीजेंडर्स ने बढ़त दोगुनी कर दी। फोडेन ने 44वें मिनट में बॉक्स के बाहर से खूबसूरत शॉट लगाते हुए गोल किया। हाफ़ टाइम से ठीक पहले फुलहम के एमिल स्मिथ रोवे ने डाइविंग हेडर से गोल कर अंतर कम कर दिया। दूसरे हाफ़ में फोडेन ने 48वें मिनट में अपना दूसरा गोल किया और 54वें मिनट में बर्ज के आत्मघाती गोल ने सिटी को 5-1 की बड़ी बढ़त दिला दी। इसके बाद फुलहम ने 57वें, 72वें और 78वें मिनट में गोल कर मैच में रोमांच भर दिया, लेकिन सिटी ने अंतिम समय में बढ़त बचाए रखी।

ग्रीलिश के गोल से एवर्टन की 1-0 से जीत, बोर्नमाउथ का घरेलू अपराजित रिकॉर्ड टूटा- एवर्टन को जैक ग्रीलिश के दूसरे प्रीमियर लीग गोल की बदौलत मंगलवार को बोर्नमाउथ के खिलाफ 1-0 से जीत मिली। यह जीत बोर्नमाउथ के इस सीज़न के घरेलू अपराजित रिकॉर्ड को भी तोड़ गई।

एवर्टन की चार मैचों में यह तीसरी जीत है। टीम अब 14 मैचों में 21 अंकों के साथ नौवें स्थान पर पहुंच गई है, जबकि बोर्नमाउथ 19 अंकों के साथ 14वें स्थान पर है।

मैच में दोनों टीमों ने अच्छी शुरुआत की, लेकिन अंतिम तिहाई में गुणवत्ता की कमी दिखी। 78वें मिनट में कार्लोस अल्काराज़ ने मिडफ़ील्ड में गेंद छीनकर ग्रीलिश को पास दिया। ग्रीलिश के बॉक्स के बाहर से लगाए गए शॉट को डिफेंडर बाफ़ोडे डियाकिटे ने डिफ्लेक्ट कर दिया, जिससे गेंद नेट में चली गई और एवर्टन को जीत मिली।

इंग्लैंड के महान क्रिकेटर 62 वर्षीय रॉबिन स्मिथ का निधन

एजेंसी, पर्थ

इंग्लैंड क्रिकेट टीम के पूर्व दिग्गज बल्लेबाज़ रॉबिन स्मिथ का पर्थ में उनके घर पर अचानक निधन हो गया। वे 62 वर्ष के थे। स्मिथ को उनकी घुँघराली बालों के कारण "द जज" के नाम से जाना जाता था। स्मिथ ने 1988 से 1996 के बीच इंग्लैंड के लिए 62 टेस्ट मैच खेले और 4,236 रन बनाए। उनका औसत 43.67 रहा और उनके नाम 9 टेस्ट शतक दर्ज हैं। उनकी पहचान का प्रमुख शॉट स्क्वेयर कट था। उन्होंने 71 वनडे भी खेले और 1992 विश्व कप फाइनल तक पहुंचने वाली इंग्लैंड टीम का हिस्सा रहे। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 1993 में एजबेस्टन में खेली गई उनकी नाबाद 167 रन की पारी 2016 तक इंग्लैंड का एकदिनी रिकॉर्ड रही। परिवार ने इंग्लैंड और वेल्स क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) के माध्यम से बयान जारी किया कि रॉबिन सोमवार, 1 दिसंबर को अपने साउथ पर्थ स्थित अपार्टमेंट में अचानक चल बसे और मौत का कारण अभी अज्ञात है। परिवार ने यह भी स्पष्ट किया कि उनके शराब और मानसिक स्वास्थ्य से जुड़े पुराने मुद्दों के आधार पर मृत्यु पर किसी तरह की अटकलें न लगाई जाएँ। दक्षिण अफ्रीका के डरबन में ब्रिटिश माता-पिता के घर जन्मे रॉबिन स्मिथ बाद में अपने भाई क्रिस स्मिथ के साथ इंग्लैंड आए। उन्होंने 1988 में वेस्टइंडीज के खिलाफ हेडिंग्ले में टेस्ट डेब्यू

किया। स्मिथ ने अपने करियर में दो टेस्ट शतक एशेज में और तीन वेस्टइंडीज के खिलाफ लगाए, जिनमें 1994 में सेंट जॉन्स में बनाया गया 175 रन उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर है। रिटायरमेंट के बाद वे पश्चिमी ऑस्ट्रेलिया में बस गए थे और पिछले महीने पर्थ में खेले गए पहले एशेज टेस्ट में भी मौजूद थे। कोच एंड्रयू फ्लिंटॉफ ने उन्हें इंग्लैंड लायंस टीम को संबोधित करने के लिए भी आमंत्रित किया था।

ईसीबी अध्यक्ष रिचर्ड थॉम्पसन ने श्रद्धांजलि देते हुए कहा- "रॉबिन स्मिथ दुनिया के सबसे तेज़ गेंदबाजों के सामने मुस्कुराते हुए खड़े रहने वाले खिलाड़ी थे। उन्होंने अपने जज़्बे और दृढ़ता से इंग्लैंड क्रिकेट प्रशंसकों को गर्व और भरपूर मनोरंजन दिया।"

महिला क्रिकेटरों स्नेह राणा, प्रतीका रावल ओर रेणुका सिंह का हुआ प्रमोशन

एजेंसी, नई दिल्ली

भारतीय रेल मंत्रालय (रेलवे बोर्ड) ने 2025 विश्वकप विजेता भारतीय महिला क्रिकेट टीम की तीन खिलाड़ियों स्नेह राणा, प्रतीका रावल और रेणुका सिंह ठाकुर को प्रमोशन दिया है। रेलवे ने इन तीनों को ही आउट-ऑफ-टर्न प्रमोशन देते हुए ऑफिसर ऑन स्पेशल ड्यूटी (ओएसडी- स्पोर्ट्स) के पद पर नियुक्त किया है। इन तीनों खिलाड़ियों को अब ग्रुप बी गजेटेड ऑफिसर के बराबर वेतन और सुविधाएं मिलेंगी। रेलवे स्पोर्ट्स प्रमोशन बोर्ड (आरएसपीबी) की इस पहल से महिला क्रिकेटरों को न केवल आर्थिक सुरक्षा मिलेगी बल्कि प्रशासनिक जिम्मेदारी भी मिलेगी। गौरतलब है कि महिला क्रिकेट विश्व कप का आयोजन

इस बार भारत और श्रीलंका की संयुक्त मेजबानी में हुआ था। इसके खिताबी मुकाबले में भारतीय टीम ने दक्षिण अफ्रीका को हराकर पहली बार खिताब जीता था। राणा सहित तीनो ही क्रिकेटरों ने इस सम्मान और प्रमोशन के लिए रेलवे का आभार जताते हुए कहा है कि इससे उनको और बेहतर प्रदर्शन की प्रेरणा मिलेगी। राणा को राणा हाल ही में महिला प्रीमियर लीग नीलामी में दिल्ली कैपिटल्स ने अपनी टीम में शामिल किया। गत सत्र में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु की ओर से खेलने के बाद राणा अब जेमिमा रोड्रिग्स और शैफाली वर्मा के साथ कैपिटल्स की ओर से खेलती नजर आयेंगी।

गुलाबी गेंद वाले प्रारुप के नाकाम होने के कारण सामने आये

» ऑस्ट्रेलिया तक ही सीमित रह गये हैं ये मुकाबले

एजेंसी, ब्रिस्बेन

यहां ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड के बीच गुरुवार को गुलाबी गेंद से दिन रात का टेस्ट मैच शुरु होगा। ये गुलाबी गेंद से 24 वां मैच होगा। गुलाबी गेंद से मैच की शुरुआत साल 2015 से हुई थी और तब लग रहा था कि खेल में एक नयापन आयेगा पर ऐसा नहीं हो पाया। एक दशक के बाद भी अब तक काफी कम मैच हुए है। जो हुए हैं उनमें से अधिकतर ऑस्ट्रेलिया में हुए हैं। अन्य देशों में से सफल नहीं रहे हैं। इसके पीछे कई कारण रहे हैं। इसी को लेकर क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया में इवेंट्स और ऑपरेशंस के एग्जीक्यूटिव जनरल मैनेजर जोएल मॉरिसन ने कहा, ऑस्ट्रेलिया में दिन-रात का प्रारुप इसलिए सफल रहो क्योंकि गर्मियों में मौसम बहुत अच्छा होता है। वहीं विश्व स्तर के स्टेडियम और सुविधाएं यहां हैं। फ्लड लाइटिंग भी बहुत अच्छी होती है। इसके अलावा इस प्रारुप की सफलता के लिए कई अन्य उपाय भी किये गये हैं जिससे गुलाबी गेंद के मुकाबले हालात के अनुरुप हों।

पिछले कुछ सालों में यह बात सामने आयी है कि दिन-रात मैच के लिए आदर्श स्थल तैयार करना आसान नहीं होता है। इसके लिए आपको कुछ खास तरह के बदलावों की जरुरत होती है। इनमें ओस का कम असर, ऐसी पिच जो गुलाबी गेंद को लंबे समय तक सहायता करें बनानी होती है। ओस को देखते हुए पिच कुछ सख्त बनायी जाती है पर ऐसी भी नहीं कि हालात खेलने लायक न रहें। वहीं इंग्लैंड में मौसम की समस्या है, जबकि भारत में ओस से परेशानी है। दक्षिण अफ्रीका में एक गुलाबी गेंद से मैच खेला गया था पर वहां लाइट्स की समस्या होती है। श्रीलंका में फ्लडलाइट्स नहीं हैं जबकि पाकिस्तान में अभी तक इसका आयोजन नहीं हुआ है। न्यूजीलैंड और वेस्टइंडीज भी सही स्थल नहीं साबित हुए हैं। हालांकि इस प्रारुप की शुरुआत धमाकेदार रही थी। एक दशक पहले 27 नवंबर 2015 को मार्टिन गप्टिल ने एडिलेड में मिचेल स्टार्क की पहली गेंद का सामना किया था। न्यूजीलैंड और ऑस्ट्रेलिया के बीच खेला गया, ये मैच काफी मनोरंजक तो था पर इसमें कुछ विवाद भी हुए, जिसे ऑस्ट्रेलिया ने 3 विकेट से जीता। बहुत सारे दर्शक मैच देखने के लिए आए। टीवी रेटिंग्स भी दमदार थी पर इसके बाद भी ये प्रारुप अधिक विकास नहीं कर पाया और ऑस्ट्रेलिया का ही होकर रह गया है। गौरतब है कि कि साल 2000 से ही इस प्रकार के टेस्ट शुरू करने की मांग होने लगी थी। साल 2010 में एक बार इंग्लैंड और बांग्लादेश के बीच लॉर्ड्स में अंडर लाइट्स टेस्ट कराने की तैयारी थी पर ये योजना सफल नहीं रही थी। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया के पूर्व सीईओ जेम्स सदरलैंड डे-नाइट टेस्ट को शुरू कराने के पीछे थे।भारतीय टीम ने ने कुल 5 गुलाबी गेंद वाले मैच खेले हैं। इनमें से मुकाबले एडिलेड में खेले गए हैं।

हिन्दी दैनिक
राष्ट्रीय मुख्यधारा
अख़बार भी, आन्दोलन भी
RNI : JHAHIN/2014/54374

कुकिंग एंड बेकरी शेफ बनकर करें कॅरियर को रोशन

जायकेदार खाना बनाने की कला से आप एक छोटे लोकल पब से लेकर फाइव स्टार या फिर इंटरनेशनल होटल में अपनी जगह बना सकते हैं। बस दिखाना है अपनी उंगलियों का कमाल, बनाना है ऐसा खाना की सामने वाला सिर्फ खाना ही नहीं बल्कि उंगलियां भी चाटता रह जाए। अगर आपका इंटरेस्ट कुकिंग, बेकिंग और लजीज खाना बनाने में है, अगर आप डिफरेंट डिशेज के साथ एक्सपेरिमेंट करना पसंद करते हैं तो एक नया करियर ऑपशन आपके इंतजार में हैं। होटल मैनेजमेंट में इन दिनों करियर बनाने के कई ऑपशन मौजूद हैं और उनमें से एक है कुकिंग एंड बेकरी।

कार्य प्रकृति

कुकिंग और बेकरी का कोर्स आपके लिए एक अच्छा ऑपशन बन सकता है, यदि आप एक बेहतर शेफ बनाना चाहते हैं। खाने की सम्पूर्ण जिम्मेदारी से लेकर किचन का रख-रखाव शेफ की निगरानी में होता है। हालांकि कई बार शेफ को फ्रंट में भी आना पड़ता है। ये एक मैनेजरियल एक्टिविटी का ही हिस्सा होता है, ताकि उसे पता चल से कि लोगों को क्या पसंद आ रहा है। और उसके अनुरुप वो लोगों के लिए वही डिश तैयार करे ताकि लोग बार-बार स्वाद लेने वहां आए।

कोर्स

बीएससी इन हॉस्पिटैलिटी एंड होटल एडमिनिस्ट्रेशन, डिप्लोमा इन कुकरी, क्राफ्टसमैनशिप कोर्स इन फूड एंड बेवरेज सर्विस मैनेजमेंट, सर्टिफिकेट कोर्स इन कुकरी, सर्टिफिकेट कोर्स इन कुकरी फॉर होम मेकिंग, डिप्लोमा इन बेकरी एंड कंफेक्षनरी जैसे ढेरों कोर्स कर कुकिंग और बेकरी में करियर बना सकते हैं।

अवसर

एलबीआईआईएचएम के डायरेक्टर कमल कुमार के मुताबिक कुकिंग और बेकरी होटल मैनेजमेंट का एक अहम पार्ट है। इसमें करियर के कई अवसर हैं। सबसे अहम है फूड एंव बेवरेज डिवीजन सर्विस के अलावा बतौर शेफ बनकर करियर को रौशन कर सकते हैं। मुख्य तौर पर होटल, रेस्तरां, क्रूज, टुरिज्म एसोसिएशन, एयरलाइन कैटरिंग और केबिन सर्विस, क्लब मैनेजमेंट, लॉज, गेस्ट-हाउस भी होटल मैनेजमेंट पासआउट प्रोफेशनल्स ही चलाते है। बेकर्स के लिए भी जॉब के ऑपशन्स की कमी नहीं है। बेकरी, हॉट ब्रेड शॉप, डिपार्टमेंटल स्टोर्स, होटल और कैफे में भी बेकर्स की काफी डिमांड है। पूरी दुनिया में टुरिज्म और एविएशन ने होटल बिजनेस के लिए अवसरों को बहुत बड़ा बना दिया है आने वाले समय में होटल इंडस्ट्री में जॉब की कमी नहीं होगी। इसके अलावा आप धीरे-धीरे खुद का होटल, बेकरी शॉप, रेंस्तरां य फिर कैटरिंग बिजनेस भी शुरु कर सकते हैं।

योग्यता

कुकिंग और बेकरी में सर्टिफिकेट कोर्स, डिप्लोमा व डिग्री कर सकते हैं। इन पाठ्यक्रमों में एडमिशन के लिए किसी भी मान्यताप्राप्त बोर्ड या विष्वविद्यालय से 12वीं या स्नातक होना जरूरी है। 12वीं में अंग्रेजी एक अनिवार्य विषय के रूप में पढ़ी होनी चाहिए। इस इंडस्ट्री में कामयाब होने के लिए कुछ व्यक्तिगत गुणों का होना भी जरूरी है जैसे मृदुभाषी होना। द्विभाषी (अंग्रेजी, हिन्दी) का ज्ञान हो तो और भी बेहतर। बेहतर पर्सनालिटी, सुनने-समझने की अच्छी आदत, समस्याओं को सुलझाने की योग्यता, लीडरशिप और मैनेजरियल स्किल भी बेहद जरूरी है।

क्लीनिकल रिसर्च में हैं बेहतर संभावनाएं

तेज गति से बढ़ोतरी के बावजूद भारत में अच्छे क्लीनिकल प्रैक्टिस वाले प्रशिक्षित इन्वेस्टिगेटर्स, बायो-एनालिटिकल साइंटिस्ट और फार्माकोकाइनेटिक्स की काफी कमी है। इसके अलावा आप रिसर्च एग्जीक्यूटिव, क्लीनिकल रिसर्च एडवाइजर, प्रोजेक्ट मैनेजर, ग्रुप प्रोजेक्ट मैनेजर और आपरेशन डायरेक्टर के रूप में भी बेहतर रोजगार प्राप्त कर सकते हैं। अपनी क्वालिफिकेशन के आधार पर आप इस क्षेत्र में कैरियर बना सकते हैं।

क्लीनिकल रिसर्च एक ऐसा प्रोसेस है, जिसके माध्यम से तमाम नई दवाओं को बाजार में लांच करने से पहले उन्हें जानवरों और इनसानों पर टेस्ट किया जाता है। मोटे तौर पर किसी दवा को लैब से केमिस्ट की शॉप तक पहुंचने में 12 साल का वक्त लग जाता है। जानवरों पर प्री-क्लीनिकल टेस्ट करने के बाद इन दवाओं को इनसानों पर टेस्ट किया जाता है, जिसके तीन फेज होते हैं। टेस्टिंग के लिए इन तीनों फेजों में पहले के मुकाबले ज्यादा संख्या में लोगों को शामिल किया जाता है। इन तीनों फेजों का टेस्ट हो जाने के बाद कंपनी सभी नतीजों को एफडीए या टीपीडी को सौंप देती है, जिसके आधार पर एनडीए (न्यू ड्रग अप्रूवल) मिलता होता है। एक बार एनडीए हासिल हो जाने के बाद कंपनी उस ड्रग को मार्केट में उतार सकती है। जब कोई नई दवा लांच करने की तैयारी होती है, तो दवा लोगों के लिए कितनी सुरक्षित और असरदार है, इसके लिए क्लीनिकल ट्रायल होता है। भारत की जनसंख्या और यहां उपलब्ध सस्ते प्रोफेशनल की वजह से क्लीनिकल का कारोबार तेजी से फलने-फूलने लगा है। यदि आप भी इस बढ़ते हुए बाजार का हिस्सा बनना चाहते हैं, तो क्लीनिकल ट्रायल या क्लीनिकल रिसर्च से जुड़े कोर्स कर सकते हैं। भारत में क्लीनिकल ट्रायल इंडस्ट्री करीब 30 करोड़ डॉलर की है और वर्ष 2031 तक बढ़ कर यह इंडस्ट्री दो अरब डॉलर तक पहुंच जाने की उम्मीद है। गौरतलब है कि दुनिया की प्रमुख दवा कंपनियां अब क्लीनिकल रिसर्च संबंधी जरूरतों के लिए भारतीय बाजार की ओर रुख कर रही हैं।

योग्यता

क्लीनिकल रिसर्च के कोर्स में एंट्री के लिए विज्ञान में स्नातक होना जरूरी है। इसके अलावा, डी.फ़ार्मा, बी.फ़ार्मा, एम.फ़ार्मा आदि के स्टूडेंट्स भी इस कोर्स में प्रवेश ले सकते हैं। कई प्रतिष्ठित संस्थानों से क्लीनिकल रिसर्च में डिप्लोमा, पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा आदि किया जा सकता है।

रोजगार की संभावनाएं

टेलेंटेड लोगों का एक बड़ा पूल और तमाम तरह के मरीजों की बढ़ती संख्या के चलते भारत में क्लीनिकल रिसर्च के क्षेत्र में अवसर तेजी से बढ़ रहे हैं। एक अनुमान के मुताबिक, दुनिया भर में क्लीनिकल रिसर्च के क्षेत्र में करीब अढ़ाई लाख से ज्यादा पद खाली हैं। वहीं योजना आयोग की एक रिपोर्ट के अनुसार, देश में क्लीनिकल रिसर्च के क्षेत्र में करीब 30 से 50 हजार प्रोफेशनल्स की कमी है। क्लीनिकल प्रोफेशनल्स की मांग और सप्लाई में भारी अंतर के कारण ही भारत में कई ट्रेनिंग इंस्टीट्यूट शुरू किए गए हैं। इसकी प्रमुख वजह यह है कि यहां प्रशिक्षित कर्मियों और प्रशिक्षण संस्थानों की बेहद कमी है।

अंतरराष्ट्रीय स्तर पर इस उद्योग में बहुत अच्छा वेतन मिलता है, जो सालाना 40 हजार डॉलर से लेकर एक लाख डॉलर तक होता है। भारत में शुरुआती सालाना सैलरी 1.8 लाख से लेकर पांच लाख रुपए तक होती है।

भारतीय डाक्टर अपनी प्रैक्टिस छोड़कर क्लीनिकल ट्रायल के क्षेत्र में उतरना नहीं चाहते, क्योंकि यहां डाक्टरी का पेशा ज्यादा सम्मानजनक माना जाता है। बहुत से डाक्टरों को क्लीनिकल ट्रायल और इसमें उपलब्ध अवसरों के बारे में पता ही नहीं है। मंदी के चलते फार्मास्यूटिकल कंपनियां नए प्रोजेक्ट्स हाथ में भले ही न लें, लेकिन जो प्रोजेक्ट चल रहे हैं, उनको पूरा करने के लिए अभी भी बड़ी संख्या में कुशल प्रोफेशनल्स की जरूरत है। तेज गति से बढ़ोतरी के बावजूद भारत में अच्छे क्लीनिकल प्रैक्टिस वाले प्रशिक्षित इन्वेस्टिगेटर्स, बायो-एनालिटिकल साइंटिस्ट और फार्माकोकाइनेटिक्स की काफी कमी है। इसके अलावा आप रिसर्च एग्जीक्यूटिव, क्लीनिकल रिसर्च एडवाइजर, प्रोजेक्ट मैनेजर, ग्रुप प्रोजेक्ट मैनेजर और आपरेशन डायरेक्टर के रूप में भी बेहतर रोजगार प्राप्त कर सकते हैं। अपनी क्वालिफिकेशन के आधार पर आप इस क्षेत्र में कैरियर बना सकते हैं। अगर आप क्लीनिकल आपरेशंस और प्रोजेक्ट के क्षेत्र में जाना चाहते हैं, तो आपके पास लाइफ साइंस (खासतौर से फार्माकोलाजी, बायोकेमिस्ट्री, बायोलाजी, इम्यूनोलाजी, फिजियोलाजी) में डिग्री होनी चाहिए। इस क्षेत्र से जुड़े लोग ही सीधे तौर पर क्लीनिकल रिसर्च के लिए जिम्मेदार होते हैं। जिन लोगों का केमिस्ट्री या इंजीनियरिंग बैकग्राउंड है, वे क्वालिटी एश्योरेंस या नए कंपाउंड को डिवेलप करने का काम कर सकते हैं। क्लीनिकल डाटा मैनेजर के रूप में काम करने के लिए आपके पास आईटी डिग्री होनी चाहिए।

वेतनमान

आजकल क्लीनिकल रिसर्च के क्षेत्र में रोजगार की बेहतर संभावनाएं हैं और इस क्षेत्र में योग्य प्रोफेशनल्स की मांग में भी वृद्धि हुई है। क्लीनिकल रिसर्च के क्षेत्र में एक फ्रेशर का वेतनमान 25000 या इससे अधिक प्रतिमाह हो सकता है। यदि आपके पास मास्टर डिग्री है, तो वेतनमान दोगुना हो जाता है। निजी कंपनियों में अनुभव मायने रखता है और इस आधार पर आप आकर्षक वेतनमान प्राप्त कर सकते हैं।

संस्थान

- इंदिरा गांधी मेडिकल कालेज, शिमला
- चित्कारा यूनिवर्सिटी, बरोटीवाला
- मानव भारती यूनिवर्सिटी, सोलन
- कुरुक्षेत्र यूनिवर्सिटी, कुरुक्षेत्र
- नेशनल इंस्टीच्यूट आफ आयुर्वेदिक फार्मास्यूटिकल रिसर्च, पटियाला
- ढिल्लों आयुर्वेदिक चैरिटेबल हास्पिटल एंड रिसर्च सेंटर, जालंधर
- पंजाब टेक्निकल यूनिवर्सिटी, जालंधर
- पोस्ट ग्रेजुएट इंस्टीच्यूट आफ मेडिकल एजुकेशन एंड रिसर्च, चंडीगढ़
- गुरु गोबिंद सिंह इन्फार्मेशन टेक्नोलाजी एंड रिसर्च, बठिंडा
- इंस्टीट्यूट आफ क्लीनिकल रिसर्च, दिल्ली

कोर्सेज

- एडवांस प्रोग्राम इन क्लीनिकल रिसर्च
- डिप्लोमा इन क्लीनिकल रिसर्च
- बीएससी इन क्लीनिकल लैबोरेटरी टेक्नोलाजी
- बीएससी इन क्लीनिकल माइक्रोबायोलाजी
- सर्टिफिकेट प्रोग्राम इन क्लीनिकल रिसर्च
- इंटिग्रेटेड पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा इन क्लीनिकल रिसर्च
- एमएससी इन क्लीनिक माइक्रोबायोलोजी
- पीएचडी इन क्लीनिकल रिसर्च
- कारेसपोंडेंट कोर्स इन क्लीनिकल रिसर्च
- डिस्टेंस लर्निंग प्रोग्राम इन क्लीनिकल रिसर्च

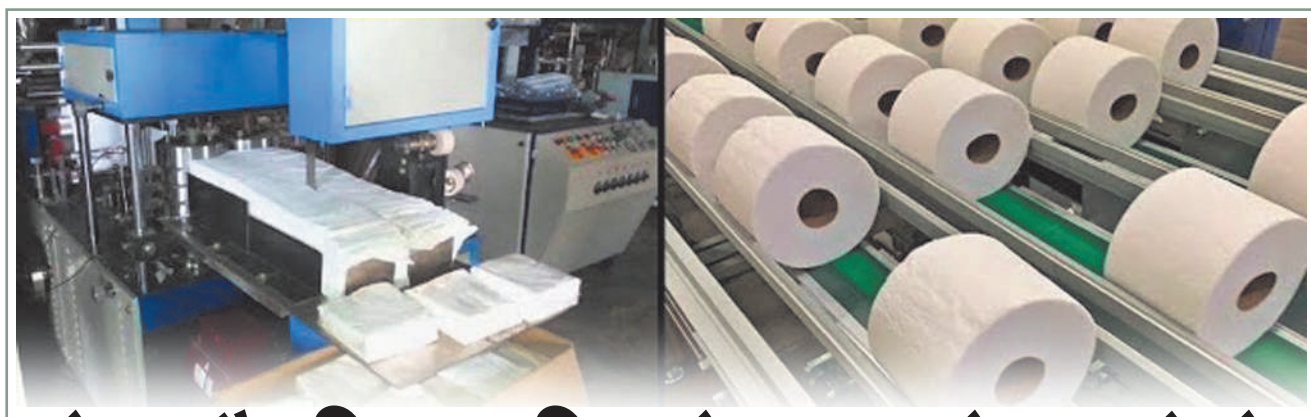

पेपर नैपकिन यूनिट से कमाइये लाखों में

पैपर नेपकिन, जिसे टिश्यू पेपर भी कहा जाता है, जिसका इस्तेमाल हाथ व चेहरे को साफ करने में किया जाता है। पेपर नैपकिन का इस्तेमाल दिनों दिन बढ़ता जा रहा है और यह बिजनेस एक बड़ा आकार लेता जा रहा है। ऐसे में आज हम आपको बता रहे हैं कि पेपर नैपकिन बनाने की मैन्युफैक्चरिंग यूनिट आप कैसे लगा सकते हैं और इस पर कितना खर्च आता है। साथ ही, साल में एक नैपकिन मैन्युफैक्चरिंग यूनिट से आप कितना कमाई कर सकते हैं।

अगर आप पेपर नेपकिन बनाने की यूनिट लगाना चाहते हैं तो सबसे पहले लगभग 3.50 लाख रुपए का इंतजाम करना होगा। इतना पैसे का इंतजाम होते ही आप किसी भी बैंक के पास मुद्रा स्कीम के तहत लोन के लिए अप्लाई कर सकते हैं। 3.50 लाख रुपए आपके पास होने के कारण बैंक आपको लगभग टर्म लोन के तौर पर लगभग 3 लाख 10 हजार रुपए और वर्किंग कैपिटल लोन 5 लाख 30 हजार रुपए तक मिल जाएगा।

लोन पास होते ही आपको यूनिट के लिए किराये की जगह तलाशनी होगी। जिसके बाद दो कलर फ्लैक्सोग्राफिक मशीन, एक टैस्टिंग इक्विपमेंट, एज सीलिंग एंड कटिंग मशीन, हैंड टूल्स खरीदने होंगे। इन पर लगभग 4 लाख रुपए का खर्च आएगा। वहीं, आपको सेल्स टैक्स रजिस्ट्रेशन के साथ-साथ अन्य सर्टिफिकेट्स लेने होंगे। साथ ही, आपको एक माह का रॉ मैटीरियल लेना होगा, जिसमें टिश्यू पेपर 21जीएसएम लगभग 12.5 टन, इंक और अन्य कंज्यूमएबल, पैकेजिंग मैटीरियल शामिल है, इन पर लगभग 7 लाख रुपए खर्च होंगे। आपको चार वर्कर्स को भी हायर करना होगा।

कैसे करें मैन्युफैक्चरिंग

पेपर नेपकिन की मैन्युफैक्चरिंग प्रोसेस काफी आसान है। आपको टिश्यू पेपर रोल को फ्लैक्सोग्राफिक मशीन पर चढ़ाना होगा। इसके बाद मशीन आटोमैटिक तरीक से पेपर की प्रिंटिंग करेगी और मशीन में फिट डिवाइस टिश्यू पेपर को साइज में काट देगी।

कितनी होगी कमाई

आप साल में लगभग 1 लाख 50 हजार किलोग्राम पेपर नेपकिन का प्रोडक्शन कर सकते हैं। यह नेपकिन लगभग 65 रुपए प्रति किलोग्राम की दर से बेच सकते हैं। यानी कि आप साल भर में लगभग 97 लाख 50 हजार रुपए का टर्न ओवर कर सकते हैं। ऐसे में यदि आप सारे खर्च को जोड़ दें तो लगभग 92 लाख 50 हजार रुपए खर्च होंगे। यानी कि आप पहले साल में 5 लाख रुपए बचा सकते हैं। यानी कि आप लगभग 42 हजार रुपए महीना का प्रॉफिट होगा।

कैसे बढ़ेगा प्रॉफिट

अगले साल से आपका प्रॉफिट लगभग दोगुना हो जाएगा, क्योंकि अगले साल मशीन सहित अन्य खर्चे कम हो जाएंगे। यानी कि अगर आपको अगले साल मशीन पर खर्च किया गया चार लाख रुपया, ऑफिस फर्नीचर, बिजली का कनेक्शन, इन्सटॉलेशन जैसे खर्चे नहीं करने पड़ेंगे तो आपका सालाना प्रॉफिट 10 लाख रुपए तक पहुंच सकता है। आप इस पैसे का इस्तेमाल प्रोडक्शन बढ़ाने पर भी कर सकते हैं, जिससे प्रॉफिट और बढ़ेगा।

क्या होगा खर्चा

मशीनरी एवं फ्रेट एवं इंश्योरेंस - 4 लाख 40 हजार रुपए
रॉ मैटीरियल (मासिक) - 7 लाख 13 हजार रुपए
स्टाफ एवं लेबर (मासिक) - 30 हजार रुपए।

हिन्दी दैनिक
राष्ट्रीय मुख्यधारा
अख़बार भी, आन्दोलन भी
RNI : JHAHIN/2014/54374
बोकारो, गुरूवार, 4 दिसंबर, 2025

राशि खन्ना के लिए बेहद खास रहा यह जन्मदिन

अपनी हालिया रिलीज फिल्म 120 बहादुर की सफलता से गदगद अभिनेत्री राशि खन्ना का इस बार जन्मदिन भी बेहद खास रहा। एक्ट्रेस ने यह भी बताया कि उन्होंने अपना 35वां जन्मदिन कैसे सेलिब्रेट किया। राशि ने अपना 35वां जन्मदिन बेहद खास अंदाज में मनाया। इस बार उनका बर्थडे शोर-शराबे से दूर, अपनों के बीच प्यार और शांति से भरा रहा। राशि ने सोशल मीडिया पर पोस्ट कर जन्मदिन पर प्यार लुटाने वालों का आभार जताया। उन्होंने परिवार और दोस्तों के साथ कुछ खूबसूरत तस्वीरों को इंस्टाग्राम पर शेयर करते हुए फैंस के साथ ही शुभचिंतकों का दिल से आभार जताया। राशि खन्ना ने लिखा, कुछ जन्मदिन बहुत शोरगुल वाले होते हैं, यह वाला बहुत गर्मजोशी भरा था, प्यार से भरे फैन मीट से लेकर घर पर अपनों के बीच शांत सत्संग तक, यह जन्मदिन सच में बहुत खास था। राशि खन्ना ने आगे बताया कि उन्हें मिले ढेरों शुभकामनाओं की वजह से वह बेहद खुश हैं और इसके लिए आभार भी व्यक्त किया। उन्होंने लिखा, बहुत आभारी हूं। उन सभी का धन्यवाद जिन्होंने मुझे विश करने के लिए समय निकाला। ढेर सारा प्यार। तस्वीरों में राशि अपने परिवार और करीबी दोस्तों के साथ हंसते-मुस्कुराते और जन्मदिन का जश्न मनाती नजर आईं। पोस्ट की गई तस्वीरों में से एक में वह पारंपरिक कुर्ती-पायजामा पहने सत्संग के बीच शांत भाव से बैठी दिखीं, तो दूसरी तस्वीरों में केक काटते और अपनों से गले मिलते हुए बेहद खुश नजर आईं। फैंस के साथ हुई मुलाकात की कुछ झलकियां भी उन्होंने पोस्ट की। राशि खन्ना की पोस्ट पर फैंस के साथ ही एक्ट्रेस वाणी कपूर भी कमेंट करती नजर आईं। कमेंट सेक्शन में हार्ट इमोजी डालते हुए उन्होंने राशि के प्रति अपने प्यार का इजहार किया।

मैं राजनीति के लिए नहीं बनी, बॉलीवुड के पेमेंट गैप पर भी बोलीं

बॉलीवुड की धक-धक गर्ल माधुरी दीक्षित क्या राजनीति की दुनिया में एंट्री लेंगी? उन्हें लेकर अक्सर लोग कयास लगाते रहते हैं। हकीकत क्या है? इसे लेकर हाल ही में माधुरी दीक्षित ने खुद स्पष्ट कर दिया है। अभिनेत्री ने न्यूज एजेंसी एएनआई के साथ बातचीत में राजनीति में आने की अटकलों पर प्रतिक्रिया दी है। साथ ही बॉलीवुड में पेमेंट गैप पर भी बात की। कहा- पॉलिटिक्स के लिए नहीं बनी माधुरी दीक्षित ने पॉलिटिक्स जॉइन करने की अटकलों पर विराम लगा दिया है। उनका मानना है कि वे पॉलिटिक्स के लिए नहीं बनी हैं। उनके पॉलिटिकल डेब्यू को लेकर अफवाहें पिछले साल तब तेज हुईं, जब रिपोर्ट्स में दावा किया गया कि एक्ट्रेस 2024 का लोकसभा चुनाव लड़ सकती हैं। हालांकि ऐसा कभी नहीं हुआ, लेकिन कई इंटरव्यू और पब्लिक अपीयरेंस में उनके बारे में अटकलें चलती रहीं। हाल ही में बातचीत में माधुरी ने राजनीति में उतरने की बात को नकार दिया। साथ ही यह भी बताया कि वे खुद को पॉलिटिक्स में क्यों नहीं देखतीं?

आर्टिस्ट के रोल में ज्यादा कंफर्टेबल हैं

अभिनेत्री ने इस बात पर जोर दिया कि उनकी पर्सनैलिटी और ख्वाहिशें चुनावी जिम्मेदारियों के बजाय क्रिएटिव एक्सप्रेशन से ज्यादा जुड़ी हुई हैं। माधुरी दीक्षित ने कहा कि उन्हें नहीं लगता कि वे पॉलिटिक्स के लिए सही हैं। उन्होंने बताया कि वे आर्टिस्ट के रोल में ज्यादा कम्फर्टेबल महसूस करती हैं। इसके जरिए वे ज्यादा प्रेरित कर सकती हैं। एक्ट्रेस ने कहा, मुझे नहीं पता। मुझे नहीं लगता कि मैं पॉलिटिक्स के लिए बनी हूं। मैं एक आर्टिस्ट होने और उस मायने में असर डालने के लिए बनी हूं। उन्होंने आगे कहा, मैंने सच में कभी पॉलिटिक्स में आने का सपना नहीं देखा है या मैं खुद को वहां नहीं देखती।

बॉलीवुड में पेमेंट गैप पर कहा

इसके अलावा अभिनेत्री ने बॉलीवुड मे पे-गैप पर भी बात रखी। उन्होंने कहा कि यह चुनौती सिर्फ फिल्मों तक ही सीमित नहीं है, बल्कि सभी प्रोफेशन में आम है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि सही सैलरी के लिए लड़ाई जारी है और सभी फील्ड में एक जैसी सैलरी के लिए संघर्ष एक बड़ी चिंता का विषय बना हुआ है। शाहरुख खान, सलमान खान, आमिर खान, अनिल कपूर और संजय दत्त जैसे बड़े बॉलीवुड स्टार्स के साथ स्क्रीन शेयर कर चुकीं माधुरी दीक्षित को क्या अपने करियर के शीर्ष पर कभी एक जैसी सैलरी के लिए खुद को मजबूत करने की जरूरत पड़ी थी? इस पर उन्होंने कहा कि यह अंतर महिलाओं के लिए हर जगह रहा है, चाहे वे किसी भी सेक्टर में काम करती हों। वर्क फ्रंट की बात करें तो माधुरी अपने अगले प्रोजेक्ट, थ्रिलर-ड्रामा सीरीज मिसेज देशपांडे को लेकर सुर्खियों में हैं। सीरीज का प्रीमियर 19 दिसंबर, 2025 को जियोहॉटस्टार पर होगा।

किरदार भी बदल सकता है जिंदगी शेफाली शाह को मिला रिया का सबसे बड़ा अवॉर्ड

अभिनेत्री शेफाली शाह ने अपने करियर में ऐसी कई फिल्मों में काम किया, जो दर्शकों के दिलों में घर कर गईं, फिर चाहे उनकी फिल्म जूस, जलसा, या फिर थ्री ऑफ अस हो। इन्हीं में से उनकी फिल्म मॉनसून वेडिंग, जिसमें रिया के किरदार ने तमाम महिलाओं की जिंदगी को बदल दिया था। दरअसल, इस फिल्म में अभिनेत्री शेफाली शाह ने रिया वर्मा का किरदार निभाया था, जो बचपन में यौन शोषण का शिकार हुई थी। फिल्म को याद करते हुए अभिनेत्री ने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो पोस्ट किया, जिसमें उन्होंने लिखा, फिल्म मॉनसून वेडिंग की शूटिंग के समय सारे कलाकार और क्रू एक बड़े परिवार की तरह थे। हम लोग सुबह साथ मेंयोगा और नाश्ता करते थे और बाद में नसीरुद्दीन शाह के साथ एक्टिंग वर्कशॉप होती थी। दोपहर में डायरेक्टर मीरा नायर अलग-अलग सीन पर काम करवाती थीं। मीरा नायर द्वारा निर्देशित इस फिल्म को इटली के वेनिस फिल्म फेस्टिवल में गोल्डन लॉयन अवॉर्ड से सम्मानित किया जा चुका है। मीरा नायर ये सम्मान पाने वाली सत्यजीत रे के बाद दूसरी भारतीय बनी थीं। फिल्म को लेकर अभिनेत्री ने लिखा कि जब वे इस फिल्म की शूटिंग कर रही थीं, तो उन्हें नहीं पता था कि यह फिल्म वेनिस फिल्म फेस्टिवल में गोल्डन लॉयन अवॉर्ड जीतेगी और उनका किरदार 'रिया' लाखों लोगों की आवाज बनेगी। अभिनेत्री शेफाली ने बताया, रिया एक ऐसी लड़की थी, जिसने अपने साथ हुए गलत के लिए खुद को दोषी नहीं माना, बल्कि, वह शर्म और अपराध को त्यागकर गुनहगार को जवाबदेह ठहराती है। यही बात कई चुप्पी साधे बैठी महिलाओं को हिम्मत दे गई। अभिनेत्री ने लिखा, मुझे नहीं पता कितनी महिलाओं को रिया से हिम्मत मिली, पर मैं जानती हूं कि यह किरदार उन तमाम महिलाओं की कहानियों को दर्शाता है जिन्हें मैं जानती थी या नहीं। शेफाली ने दिल्ली का एक किस्सा शेयर करते हुए बताया, दिल्ली में एक कार्यक्रम के दौरान मेरी मुलाकात एक बुजुर्ग दंपती से हुई थी। वहां पर पति ने मेरी तारीफ की और पत्नी चुपचाप उनका हाथ पकड़े खड़ी थी। जाने से पहले पति ने मुझसे कहा, इन्होंने भी वही दर्द झेला है जो रिया ने झेला था। आपकी वजह से इन्हें सालों बाद अपनी बात कहने की हिम्मत मिली। शेफाली लिखती हैं, मैं अक्सर सोचा करती थी कि मैं न तो डॉक्टर, वकील और न ही वैज्ञानिक हूं। मैं ऐसा क्या कर रही हूं जो समाज में नया बदलाव लेकर आए, लेकिन उस दिन मुझे पता चला कि एक किरदार भी आम इंसान की जिंदगी बदल सकता है।

बिग बॉस 19 से बाहर आने के बाद अशनूर ने खुलकर रखी अपने दिल की बात

रियलिटी शो बिग बॉस 19 से टीवी एक्टर अशनूर कौर को शो से बाहर कर दिया गया। इस एविक्शन ने न सिर्फ फैंस को चौंकाया, बल्कि सोशल मीडिया पर भी बहस छेड़ दी। शो से बाहर आने के बाद अब पहली बार अशनूर ने अपने दिल की बात खुलकर रखी है।

एविक्शन के बाद अशनूर ने अपने फैंस से इंस्टाग्राम लाइव के जरिए बात की। हफ्तों तक घर की दीवारों के भीतर रहने के बाद उनकी आवाज में राहत भी थी और थोड़ा दर्द भी। उन्होंने बताया कि शो से बाहर निकलने का फैसला उनके लिए भी उतना ही अचानक था जितना दर्शकों के लिए। अशनूर ने कहा कि बाहर आते ही उन्हें फैंस का जो प्यार देखने को मिला, उसने उन्हें संभाल लिया। उन्होंने इस बात को स्वीकार किया कि फिनाले से एक हफ्ते पहले बाहर होना दुख देता है, लेकिन वह इसे अपनी किस्मत मानकर आगे बढ़ रही हैं। उन्होंने कहा कि घर में रहते हुए वो फैंस को काफी मिस करती थीं, इसलिए सबसे पहले लाइव आकर उन्होंने यह भरोसा दिलाया कि वह अब ठीक हैं। बिग बॉस हाउस से उनकी विदाई एक टास्क के दौरान हुई घटना के बाद हुई थी, जहां उन पर तान्या मित्तल को लकड़ी के पट्टे से चोट पहुंचाने का आरोप लगा। शो के होस्ट सलमान खान ने इसे नियमों का उल्लंघन बताया। भले ही अशनूर ने इसे अनजाने में हुई गलती बताया, लेकिन दर्शकों और शो की टीम ने इसे फिजिकल वायलेंस की श्रेणी में रखा। उनके बाहर होते ही सोशल मीडिया पर अनफेयर एविक्शन ट्रेंड करने लगा। कई दर्शकों ने इसे अनुचित बताते हुए कहा कि शो में इससे पहले भी कई बार शारीरिक टकराव हुए हैं, लेकिन हर बार ऐसी सख्त कार्रवाई नहीं की गई। अशनूर ने भी इस मुद्दे पर फैंस के सवाल का जवाब दिया। उन्होंने कहा कि जो हो चुका है, उसे बदला नहीं जा सकता। हालांकि फिनाले तक जाने का सपना उनका भी था, लेकिन वह इस फैसले को स्वीकार करती हैं। लाइव चैट में जब एक फैन ने पूछा कि क्या वो बिग बॉस 19 के फिनाले में नजर आएंगी, तो उन्होंने हामी भरते हुए फैंस को खुश कर दिया है। शो का ग्रैंड फिनाले 7 दिसंबर को होना है, जहां वो बतौर पूर्व कंटेस्टेंट शामिल होंगी।

परिवार को समय देने के सवाल पर बोले मनोज बाजपेयी

द फैमिली मैन के तीसरे पार्ट में इन दिनों नजर आ रहे अभिनेता मनोज बाजपेयी ने हाल ही में कई पहलुओं पर बात की है। खास बातचीत में मनोज ने किरदार, ओटीटी के दौर, परिवार और इंडस्ट्री की चुनौतियों पर खुलकर बात की।

इतने साल बाद जयदीप अहलावत के साथ स्क्रीन शेयर करने का अनुभव बताएं

उसके साथ मैंने पहली बार जिस फिल्म में काम किया था, वो थी चिट्टागोंग। उस फिल्म में सिर्फ वही नहीं बल्कि कई और लोग भी थे जो मेरे एफटीआईआई के बैचमेट थे - राजकुमार राव, विजय वर्माज्ये सब। वहीं से मैंने जयदीप को जाना। दरअसल, उस समय जब अनुराग से मेरी बात होती थी, तो उसकी एक आदत मैंने नोटिस की थी। जब भी हम बात करते और अगर वो कोई नई फिल्म बना रहा होता, तो मुझसे हमेशा एक रेकमेंडेशन मांगता था। अगर उसे किसी तरह का एक्टर चाहिए होता है, तो पूछ लेता है कि कौन इस रोल के लिए ठीक रहेगा। तो उस दिन भी बात हो रही थी और मैंने जयदीप का नाम सुझाया था। राजकुमार और विजय के बारे में उसे पहले से पता था। उस समय से मैं इन लोगों को जानता हूं। इनके शुरुआती दौर से जानता हूं। इसलिए एक जान-पहचान भी है और ये लोग मुझे इज्जत भी बहुत देते हैं। एक अच्छा संबंध है- एक्टर वाला संबंध। सीनियर और जूनियर दोनों तरह का रिश्ता है।

जब सेट पर आप और जयदीप साथ होते थे, तो माहौल कैसा रहता था?

सेट पर माहौल काफी अच्छा रहता था। ऑफ कैमरा भी हल्की-फुल्की बातें होती थीं। सच कहूं तो मैं ज्यादातर जब बात करता हूं, तो खाने की ही बात करता हूंज नहीं तो मैं अपने काम में डूबा रहता हूं। जब अगला शॉट होना होता, तो मेरा फोकस पूरी तरह उसी पर होता था और बीच-बीच में थोड़ी हंसी-मजाक भी हो जाती थी। मैं खुद मटन बनाता हूं, तो सेट पर भी कभी-कभी मटन बना लेता था। लेकिन जयदीप को मटन से ज्यादा चिकन पसंद है। तो हम दोनों के बीच ऐसी ही बातचीत होती थी जैसी साथी कलाकारों के बीच सामान्य रूप से होती है।

कभी काम से पहले परिवार को चुनना पड़ा?

परिवार और मेरा काम कभी एक-दूसरे के आड़े नहीं आते। इसका पूरा श्रेय मेरी पत्नी को जाता है। अगर वह कुछ चाहती हैं और मैं खाली होता हूं, तो मैं समय देने की पूरी कोशिश करता हूं। सच यह है कि वर्क और फैमिली का बैलेंस हर आदमी के लिए एक चुनौती है। सबसे आसान स्थिति उन लोगों की होती है जो सुबह ऑफिस जाते हैं और शाम को लौट आते हैं। वो काम भी कर लेते हैं और परिवार के साथ समय भी बिता पाते हैं। लेकिन फ्रीलांस जॉब में यह बहुत मुश्किल हो जाता है। यह उसी तरह का काम होता है जैसे इंटेलिजेंस के लोग करते हैं - जिनकी जरूरत हमेशा रहती है और जिनका काम 24 घंटे का होता है। यही वजह है कि श्रीकांत (किरदार का नाम) के लिए चीजें कठिन होती हैं और एक्टर्स के लिए भी। जब काम होता है तो अचानक बहुत काम होता है और जब छुट्टी होती है तो पूरी छुट्टी होती है। जो लोग ऑफिस में काम करते हैं, उनके लिए यह शायद थोड़ा आसान होता है, क्योंकि उन्हें पता होता है कि शाम को घर लौटना है। वहीं, हम कई-कई दिनों तक घर नहीं जा पाते और बाहर रहते हैं। ऐसे में अगर फैमिली समझदार और अंडरस्टैंडिंग न हो, तो घर संभालना मुश्किल हो जाता है। इसलिए मैं सारा श्रेय अपनी पत्नी को देता हूं।

क्या कभी ऐसा हुआ कि आपकी पत्नी ने आपके काम को लेकर कहा हो कि समय नहीं मिल रहा?

बैलेंस की बात करें तो शुरुआती दिनों में सचमुच मुश्किल थी। लेकिन क्योंकि निशा खुद भी एक्ट्रेस हैं, इसलिए वो इस प्रोफेशन की चुनौतियों को समझती हैं। उनकी समझ की वजह से बहुत सी बातें आसानी से संभल जाती हैं। मैं जब उनके साथ होता हूं, तो पूरी तरह उनके साथ रहता हूं। अभी दिसंबर में हम एक लंबी छुट्टी पर जाने वाले हैं। परिवार में बीच-बीच में हल्की तकरार तो होती ही है, और यह बिल्कुल नैचुरल है। अगर कभी कोई खटपट न हो, तो रिश्ते उबाऊ भी लग सकते हैं। जो लोग सुबह ऑफिस जाते हैं और शाम को लौट आते हैं, उनके घरों में भी ऐसा होता है। यह हर परिवार का हिस्सा है और इसी से रिश्ते जीवंत बने रहते हैं।